रांची, गुरुवार
02.01.2025
वर्ष : 10, अंक : 33 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सभी को दी नव वर्ष की बधाई

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नव वर्ष पर सभी को बधाई दी है। राज्यपाल ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि नववर्ष आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा, अपार खुशियां, सफलता और समृद्धि लेकर आए, यही मेरी हार्दिक कामना है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर कहा है कि राज्य के अमर वीर शहीदों और महान क्रांतिकारियों के सपनों तथा राज्यवासियों के आकांक्षाओं को साकार करते हुए सोना झारखंड का निर्माण हमें मिलकर करना है। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक संवेदनशीलता के साथ पहुंचकर हम उन्हें राज्य के सर्वांगीण विकास का हिस्सा बनाने का भी काम करेंगे। उन्होंने कहा है कि सभी के सहयोग से आने वाले समय में बेहतर और दूरदर्शिता के साथ राज्य आगे बढ़ेगा। नववर्ष 2025 आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सुख-शांति लाए। सभी स्वस्थ रहें, यही कामना करता हूं।

न्यू ऑरलियन्स में भीड़ को कुचलने से 10 की मौत, 30 घायल

ह्यूस्टन : अमेरिका के दक्षिणी राज्य लुइसियाना के न्यू ऑरलियन्स में नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न मना रहे लोगों को एक वाहन के कुचलने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। शहर के आपातकालीन तैयारी अभियान नोला रेडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कैनाल और बॉर्बन स्ट्रीट पर बड़े पैमाने पर दुर्घटना की घटना हुई है। इलाके से दूर रहें। न्यू ऑरलियन्स पुलिस ने कहा कि वे इस घटना पर प्रतिक्रिया कर रहे हैं, जो लोकप्रिय फ्रेंच क्वार्टर में हुई थी। इससे पूर्व सीएनएन ने बताया था कि अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स के फ्रेंच क्वार्टर में कैनाल और बॉर्बन स्ट्रीट पर एक ट्रक ने बड़ी भीड़ को कुचल दिया। सीएनएन के मुताबिक न्यू ऑर्लीन्स के बॉर्बन स्ट्रीट पर एक वाहन के भीड़ में घुस जाने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए। न्यू ऑर्लीन्स के मेयर ने नए साल के दिन हुई इस घटना को बहुत बड़ा ह्यआतंकवादी हमला करार दिया।

नव वर्ष पर गुलजार रहे रांची के मंदिर, पार्क और पिकनिक स्पॉट

बिभा संवाददाता

रांची। नव वर्ष पर बुधवार को राजधानी रांची के मंदिर, पार्क और विभिन्न पिकनिक स्पॉट में लोगों की भीड़ रही। इस दौरान युवाओं ने खूब सेल्फी ली।
रांची के बरियातू पहाड़, हुण्डरु फॉल, दशम फॉल, दिउड़ी मंदिर, सूर्य मंदिर, जोन्हा फॉल, गेतलसूद डैम, सीता फॉल, गौतम धारा, रुक्का डैम, ऑक्सीजन पार्क, बिरसा मुण्डा पार्क, रॉक गार्डन, कांके डैम, सिदो-कान्हू पार्क, मछली घर ,नक्षत्र वन, हटिया डैम सहित अन्य स्थानों पर लोग सुबह से लेकर शाम तक घूमते रहे। इस दौरान कई जगहों पर गाजे-बाजे के साथ भी लोग पहुंचे थे। उन्होंने खाना-पीना बनाकर खाया और जमकर डांस की। पिकनिक स्पॉट पर पुलिस बल और दंडाधिकारी भी तैनात रहे। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पार्क, डैम और अन्य पिकनिक स्पॉट पर शांतिपूर्वक लोगों ने नव वर्ष का आनंद लिया। कहीं से भी कोई अप्रिय घटना की सूचना अबतक नहीं है। सभी पिकनिक स्पॉट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

नववर्ष पर बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

देवघर। नववर्ष के पहले दिन बुधवार को प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए श्रद्धालु देर रात से ही लाइन में लगे थे। सुबह चार बजे बाबा का मंदिर खुला। इसके बाद स्थानीय तीर्थ पुरोहित ने कांचाजल पूजा की। फिर सरकारी पूजा के बाद आम भक्तों के लिए मंदिर का कपाट खोल दिया गया। पूजा करने को लेकर लोगों की लाइन दो किलोमीटर दूर तक लगी है। नववर्ष में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर जिले के उपायुक्त विशाल सागर बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचे। विधि-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का निरीक्षण किया। साथ ही प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
डीसी ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सभी प्रकार की गतिविधियों का जायजा लिया।
इस दौरान मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नरेश रजक, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, जिला साख्यांकी पदाधिकारी, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, बाबा मंदिर थाना प्रभारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित अधिकारी और मंदिर कर्मी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने खरसावां गोलीकांड के अमर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

खरसावां का शहीद स्मारक आदिवासी समुदाय के संघर्ष और शहादत का प्रतीक : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

सरायकेला खरसावां। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि नए वर्ष का पहला दिन है। नव वर्ष के पहले दिन आज खरसावां गोलीकांड के अमर वीर शहीदों के सम्मान में खरसावां स्थित शहीद स्मारक में माल्यार्पण कर उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हर वर्ष की भांति एक बार फिर आज यहां हम सभी एकत्र हुए हैं और आगे भी एकत्रित होते रहेंगे। यह दिन खरसावां गोलीकांड के अमर वीर शहीदों के प्रति सम्मान और आदर के साथ उनके दिखाए पथ पर आगे बढ़ने के संकल्प लेने का दिन है। मुख्यमंत्री ने खरसावां गोलीकांड की 77वीं बरसी पर सरायकेला -खरसावां जिला के खरसावां स्थित शहीद पार्क में शहीद स्मारक (शहीद बेदी) और वीर शहीद केरसे मुंडा चौक के शहीद स्मृति चिन्ह पर माल्यार्पण कर अमर वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

आदिवासियों की शहादत और संघर्ष की पहचान है यह शहीद स्थल

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरसावां का शहीद स्मारक आदिवासी समुदाय के हक-अधिकार को लेकर किए गए संघर्ष और शहादत का प्रतीक है। हमारे आदिवासियों और मूलवासियों का जीवन हमेशा से संघर्षमय रहा है। इन्हीं के संघर्ष और शहादत की वजह से ही आज हमारी पहचान है। हमारे ये शहीद स्थल सदैव हमारे मार्गदर्शक रहेंगे।

आदिवासियों का प्रकृति से रहा है गहरा जुड़ाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदाय का हमेशा से प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव रहा है.। जल -जंगल और जमीन की रक्षा के लिए वे शुरू से संघर्ष करते रहे हैं। आज अगर प्रकृति के प्रति लगाव को लेकर आदिवासी समुदाय के पद चिन्हों पर चलते हुए उसका अनुसरण कर रहे होते तो प्राकृतिक आपदाओं तथा पर्यावरण संरक्षण की खातिर इतनी जद्दोजेहद नहीं करनी पड़ती।

शहीद स्मारक का पूर्ण रूपेण होगा विकास

मुख्यमंत्री ने खरसावां गोलीकांड के शहीदों के सम्मान में निर्मित शहीद स्मारक के पूर्ण रूपेण विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। आज यहां मंत्री, विधायक और उपायुक्त के साथ बैठक में उन्होंने यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के विस्तार के साथ विकास की नई योजनाओं का विस्तृत कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया । मुख्यमंत्री ने कहा कि खरसावां शहीद स्मारक को विश्व पटल पर एक अलग पहचान दिलाएंगे ताकि आने वाली वाली पीढ़ी अपने इन वीर शहीदों से भली- भांति वाकिफ रहें और उनके बताये राह पर आगे बढ़ें।

इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री रामदास सोरेन, सांसद जोबा मांझी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक दशरथ गगराई, विधायक सुखराम उरांव, विधायक सविता महतो एवं विधायक जगत मांझी समेत अनेकों विशिष्ट जन तथा हजारों की संख्या में लोगों ने शहीद स्थल को नमन कर अमर वीर शहीदों को सुमन- अर्पित किए।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने मुलाकात कर उन्हें नववर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राज्य में छाया रहेगा कोहरा, ठंड में हुई वृद्धि

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में न्यूनतम तापमान में बड़ी गिरावट आई है। बुधवार को सुबह में हल्के दर्जे का कोहरा छाया रहा। पहाड़ों से आ रही सर्द हवाओं ने लोगों को ठिठुरने के लिए मजबूर कर दिया है। अगले चार दिनों तक कोहरा छाया रहेगा। धीरे-धीरे मौसम साफ होगा।
मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 08.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में डाल्टेनगंज का अधिकतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 09.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।
रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री सेंटीग्रेड गुमला में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 25.4 डिग्री सेंटीग्रेड चाईबासा में रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा।

कैबिनेट ने डीएपी उर्वरक के लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों के लिए डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) फर्टिलाइजर के लिए अतिरिक्त सब्सिडी को मंजूरी दी है। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने डीएपी फर्टिलाइजर के लिए 3,850 करोड़ रुपये का एकमुश्त पैकेज दिया है। किसानों को 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की दर से डीएपी उर्वरक मिलता रहेगा। अतिरिक्त लागत सरकार वहन करेगी।
उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने किसानों को किफायती कीमतों पर डीएपी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक जनवरी 2025 से अगले आदेश तक एनबीएस सब्सिडी से परे डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) पर एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार को मंजूरी दी। उन्होंने बताया कि भू-राजनीतिक कारणों से डीएपी की वैश्विक बाजार कीमतें अस्थिर हैं लेकिन अतिरिक्त खर्च सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि लाल सागर जैसे प्रमुख समुद्री मार्ग संघर्षों के कारण असुरक्षित हैं। मालवाहक जहाजों को भारत में उर्वरक लाने के लिए केप ऑफ गुड होप के रूट का इस्तेमाल करना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव का भारत में उर्वरकों की कीमत पर असर पड़ेगा। 2014 से प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया है कि किसानों को कोविड और युद्ध संबंधी व्यवधानों के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव का खमियाजा न उठाना पड़े। 2014-24 तक उर्वरक सब्सिडी 11.9 लाख करोड़ थी, जो 2004-14 (5.5 लाख करोड़ रुपये) से दोगुनी है।
उल्लेखनीय है कि उर्वरक निमार्ताओं/आयातकों के माध्यम से किसानों को रियायती मूल्य पर 28 ग्रेड के पीएंडके उर्वरक उपलब्ध कराए जाते हैं। पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी एक अप्रैल 2010 से एनबीएस योजना द्वारा शासित है। किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, भारत सरकार ने डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक की कीमत को अपरिवर्तित रखते हुए किसानों को बड़ी राहत दी है। भू-राजनीतिक बाधाओं और वैश्विक बाजार स्थितियों की अस्थिरता के बावजूद सरकार ने खरीफ और रबी 2024-25 के लिए किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित करके किसान हितैषी दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखी है।

इस फैसले से क्या होगा लाभ

किसानों को सब्सिडी वाले, किफायती और उचित मूल्य पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।
किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी उर्वरक की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्वीकृत एनबीएस सब्सिडी के अतिरिक्त एक जनवरी 2025 से अगले आदेश तक डीएपी पर 3,500 रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से विशेष पैकेज प्रदान किया जाएगा।

सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नव वर्ष में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का उल्लेख करते हुए बुधवार को दोहराया कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।
श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें अपने सभी किसान बहनों और भाइयों पर गर्व है जो हमारे देश को भोजन उपलब्ध कराने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। 2025 की पहली कैबिनेट बैठक हमारे किसानों की समृद्धि बढ़ाने के लिए समर्पित है। मुझे खुशी है कि इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। उल्लेखनीय है कि मंत्रिमंडल की बैठक में केंद्र सरकार ने 50 किलोग्राम की डीएपी उर्वरक की बोरी का मूल्य 1350 रुपए निर्धारित करने के साथ साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों की आवश्यकता के अनुसार संशोधन करने का फैसला किया है।

भारत के बाद नेपाल ने भी शुरू किया राष्ट्रव्यापी 'बाल विवाह मुक्त' अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। नवंबर 2024 में भारत द्वारा 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान शुरू करने के बाद नेपाल ने भी बाल विवाह को समाप्त करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करके दक्षिण एशिया क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नेपाल सरकार द्वारा शुरू किया गया 'बाल विवाह मुक्त नेपाल' अभियान में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) और बैकवर्ड एजुकेशन सोसायटी (बेस) नेपाल रणनीतिक भागीदार हैं। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक और प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता भुवन ऋभु ने आज यहां बताया कि इस अभियान का उद्घाटन मंगलवार को काठमांडू में एक कार्यक्रम में किया गया। जहां महिला, बाल एवं वरिष्ठ नागरिक मंत्रालय के मंत्री नवल किशोर साह सुदी, नेपाल के लुंबिनी प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री और बेस संस्था के संस्थापक दिल्ली बहादुर चौधरी और भुवन ऋभु भी मौजूद थे, जो ह्यबाल विवाह मुक्त विश्वह्ल के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा कार्यक्रम में नेपाल के सभी सातों प्रांतों के मंत्रालयों के मंत्री शामिल हुए और इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए राष्ट्र की एकजुटता और प्रतिबद्धता पर जोर दिया।
भुवन ऋभु ने बताया कि बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत की रणनीतियों पर अमल करते हुए बाल विवाह मुक्त नेपाल अभियान उन जिलों और समुदायों पर ध्यान केंद्रित करेगा जहां बाल विवाह के चलन की दर ज्यादा है। इसके लिए बाल विवाह के खिलाफ नेपाल के कानूनों के बारे में युवाओं और समुदायों में जागरूकता का प्रसार किया जाएगा। अभियान के दौरान पूरे देश में लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें सरकारी कर्मचारियों, वकीलों, नागरिक समुदाय के सदस्यों, धार्मिक नेताओं और बच्चों जैसे सभी हितधारकों को साथ लिया जाएगा ताकि देश से 2030 तक बाल विवाह का खात्मा किया जा सके।
उन्होंने बताया कि भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 27 नवंबर 2024 को नई दिल्ली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की थी जिसका लक्ष्य 25 करोड़ लोगों तक पहुंचना है। देश के 416 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए अभियान चला रहे 250 गैर सरकारी संगठनों के नेटवर्क ह्यजस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेनह्ल ने अकेले ही 2,50,000 बाल विवाह रुकवाए हैं। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के जमीनी हस्तक्षेपों और जनहित याचिकाओं के नतीजे में 2024 में बच्चों की सुरक्षा के लिए कई ऐतिहासिक फैसले आए हैं।

संक्षिप्त खबरें

वरिष्ठ नागरिक ने नववर्ष पर काटा केक, शहर के खुशियली की कामना की

जमशेदपुर/बिभा संवाददाता। वरिष्ठ नागरिक सह मॉर्निंग वॉकर्स ग्रुप सदस्यों ने कदमा सोनारी लिंक रोड में हर्षोल्लास के साथ वर्ष 2025 का स्वागत किया। इस मौके पर ग्रुप के श्रीकांत देव एवं सुधाकर लाल दास जी ने संयुक्त रूप से केक काटा। देश और निजी जीवन में वर्ष 2024 मिला-जुला रहा लेकिन सदस्यों ने बताया

कि वर्ष 2025 विकासशील एवं जनजीवन के लिए सुखद और उत्साहवर्धक रहेगा, सदस्यों ने शहर में अमन चैन की भी कामना की। ग्रुप सदस्यों ने राह चलते राहगीरों को भी केक खिलाकर नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से गुलशन सहगल, सुधाकर लाल दास, एस एन मित्रा, रामदेव, भरत भुमिज, ए के राय, बुलू राम, श्रीकांत देव, जीसी दास, गणेश चौधरी, शंभू सरदार, एच सी महतो, रंजीत सिंह, अजय श्रीवास्तव, एच डी ठाकुर, एस के शर्मा, डॉ दिनेश कुमार, नरेंद्र सिंह, चंदन लोधी, यशवंत साहू, अशोक सिंह, नरेंद्र सिंह, ओम प्रकाश सिन्हा सहित भारी संख्या में लोग शामिल थे।

उपविकास आयुक्त ने स्पेस्टिक विद्यायल पहुंचकर दिव्यांग बच्चों संग मनाया न्यू ईयर

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने नववर्ष के अवसर पर स्पेस्टिक विद्यालय के मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के संग न्यू ईयर मनाया। उप विकास आयुक्त अपनी धर्मपत्नी के साथ बच्चों को मिठाई, केक तथा फल का वितरण किया। नए वर्ष के प्रथम दिन उप विकास आयुक्त ने

उपस्थित सभी बच्चों और संस्था के कर्मियों को नववर्ष की शुभकामनायें दी। सामाजिक समस्या निवारण एवं कल्याण संस्था के द्वारा हुरहुरु, हजारीबाग में इस संस्था का संचालन किया जाता है, साथ ही समाज कल्याण विभाग के द्वारा इनके संचालन के लिए वित्तीय सहयोग भी दिया जाता है। आज सभी बच्चे उपहार मिलने से काफी उत्साहित नजर आए। इस दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी संजय प्रसाद उपस्थित थे।

तीन दिवसीय नशा मुक्ति क्रिकेट टूर्नामेंट ट्रॉफी पर सेट्ठी इलेवन ने कब्जा

कतरास/बिभा संवाददाता। रानी बाजार ग्राउंड में तीन दिवसीय नशा मुक्ति क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न हो गया. फाइनल मैच सेट्ठी इलेवन एवं जय श्रीराम टीम के बीच खेला गया. सेट्ठी इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 7 विकेट पर 95 रन बनाये. जवाबी पारी खेलने उतरे जय श्रीराम टीम 10 विकेट

खोकर 70 रन बनाकर सकी. सेठ्ठी इलेवन ने ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया. अतिथियों ने विजेता टीम को विनर ट्रॉफी व उप विजेता टीम को रनर ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया. विजेता टीम सेट्ठी इलेवन को मुख्य अतिथि कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह, प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष कासिम कुरैशी, प्रांतीय गौ रक्षक प्रमुख कमलेश सिंह ने ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया. मौके पर मंटु राम, बीके सिंह, आनंद यादव, मो. अमान, शंकर रजक, रंजीत रवानी, मोहम्मद महबूब, राजेश झा, सुरेश रवानी, अमित लहरी, मनोज कुमार आदि उपस्थित थे।

जिला प्रशासन ने पिपरा टोली वृद्धा आश्रम में मनाया नव वर्ष

खूँटी/बिभा संवाददाता। पिपरा टोली स्थित वृद्धा आश्रम में जिला प्रशासन ने नव वर्ष 2025 का स्वागत बड़े ही हर्षोल्लास और सेवा भाव के साथ किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम ने वृद्धजनों के बीच भोजन एवं कंबल का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों के साथ समय बिताते हुए

उप विकास आयुक्त ने कहा कि समाज के वरिष्ठ नागरिक हमारे मार्गदर्शक और प्रेरणा स्रोत हैं। उनका सम्मान और देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी इस आयोजन में उपस्थित रहे और उन्होंने वृद्धजनों को नव वर्ष की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों को सामाजिक सुरक्षा और प्रशासनिक सहयोग का एहसास कराना था। इस अवसर पर वृद्धजनों ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन का आभार प्रकट किया।

नये वर्ष की पहले दिन में शराब व मांस की दुकानों में रही भीड़

खूँटी/बिभा संवाददाता। जिले में नये वर्ष मनोरंजन के नाम मंगलवार को लाखों रुपए की शराब बिक्री हुई। खूँटी के विभिन्न सरकारी अंग्रेजी व कम्पोजिट शराब दुकानों में देर शाम तक शराब की बिक्री हुई और नया वर्ष के पहले दिन के लिए लोगों ने शराब की व्यवस्था करके ही अनेक लोग पिकनिक स्पॉट पर पहुँचे। वहीं मंगलवार को 32,45,650 रुपये शराब की बिक्री हुई। जबकि एक जनवरी को उससे कहीं अधिक रुपए के शराब बिक्री हुई। वहीं बुधवार सुबह से ही नये वर्ष खाने पीने के साथ मनोरंजन करने के लिए शहर में जगह जगह खस्सी मांस मुर्गा मांस और मछली की दुकान सुबह से ही खुल गये थे। इसके लिए खूँटी चौक के अलावा अनेक जगह खस्सी काटकर दुकान लगाए जाते हैं। वहीं सुबह से ही मांस की बिक्री हो रही थी।

पूजा पाठ के साथ पर्यटक जगहों पर पिकनिक के साथ हुई अंग्रेजी नववर्ष 2025 की शुरुआत

अभिषेक कुमार / बिभा ब्यूरो

लोहरदगा। जिले में बुधवार को अंग्रेजी नव वर्ष 2025 की शुरुआत ऐतिहासिक धरोहरों एवं धार्मिक स्थलों में महादेव मंदिरों में पूजा पाठ के साथ की गई। बताते चलें की भंडरा प्रखंड स्थित अखिलेश्वर धाम में सुबह से ही लोग पूजा पाठ में लीन रहे।इस दौरान जिले में प्रखंड समेत कई मनमोहक पर्यटन स्थल है यहां आने वाले सैलानी यहां की प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ उठाते दिखे वहीं दूसरी ओर शिव धाम सहित प्रखंड क्षेत्र के दुर्गा मंदिर,शिव मंदिर सहित कई देवालयों में मत्था टेक लोग अपने परिवार की मंगलकामना की और अंग्रेजी नववर्ष की शुरुआत की गई। जिले सहित कई दूसरे जिलों के दूरदराज के लोग सैकड़ो की संख्या में पूजा-अर्चना कर नव वर्ष की सुखमय शुरुआत की गई। वहीं कुडू प्रखंड क्षेत्र के कई खूबसूरत वादियों का लुत्फ भी लोगो ने उठाया। कुडू प्रखंड के महादेव मंडप शिव धाम लोहरदगा-चंदवा मुख्य मार्ग के बीच सलगी एवं बड़की चाँपि पंचायत सिमाना में स्थित महादेव मंडप प्राचीन शिव मंदिर है। माना जाता है कि जो भी भक्त अपनी इच्छित कामना को लेकर यहां आते हैं,उनकी मन्नत को भगवान शिव जल्द ही पूरा कर देते हैं।जिसको लेकर यहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते है।सैलानियों के लिए ये मनमोहक पर्यटन स्थल है,वही बुधवार को कुडू प्रखंड के नामुदाग स्थित 27 नंबर रेलवे ब्रिज के आस पास काफी संख्या में लोग पिकनिक मनाते नजर आए। बता दें कि 27 नंबर रेलवे ब्रिज पिछले 7-8 वर्षों में यह पर्यटन क्षेत्र युवाओं की पहली पसंद के रूप में देखने को मिला है। यहां पर विदेशों से भी लोग आ चुके हैं। वही टीको नदी के पास शिवधाम में लोगो ने पूजा अर्चना कर अपने अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना भगवान से की। वही कई लोगो ने चूल्हापानी जाकर पूजा अर्चना की चुल्हापानी जंहा से देवनद - दामोदर का उदगम स्थल चूल्हा पानी की अद्भुत छटा मनोहारी है। वहां से निरंतर निकलते निर्मल जल का सेवन कर लोग अपनी थकान को भूल जाते हैं। जामुन, बट व कुसुम तीनों संयुक्त वृक्षों की जड़ से बहता निर्मल जल का स्वाद अविस्मरणीय है। अंग्रेजी नववर्ष की शुरुआत में महादेव मंडा धाम, 27 नंबर रेलवे ब्रिज, चुल्हापानी, टीको शिव धाम, तान पहाड़ी क्षेत्र, 33 नंबर रेलवे ब्रिज, धरधारिया, लावापनी जलप्रपात, कोयल नदी,शंख नदी सहित कई स्थानों में लोगो ने जाकर नववर्ष मनाया। इस मौके पर जिला प्रशासन के प्रशासनिक अधिकारी सहित पुलिस बल के जवान ,वन समिति के लोग अपने कर्तव्य निर्वहन में चुस्त दुरुस्त लगे रहे। वही भंडरा प्रखंड स्थित नंदिनी दम में सैलानियों की भीड़ उमड पड़ी मैं नौका विहार तथा तरह-तरह के सजावटों के साथ मेले का भी आयोजन होता है जिसमें क्षेत्र के विभिन्न जगह से लोग पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं,डैम के मामले में नंदिनी डैम की अपनी एक अलग ही पहचान है क्योंकि चारों तरफ के लोग नंदनी डैम का दृश्य देखने यहां पहुंचते हैं,नए साल को लेकर जिला प्रशासन के तरफ से भी पूरी तैयारी तथा मेडिकल सुविधाओं के साथ पुलिस बल के जवान भी तैनात थे,जगह-जगह पर होने वाले पिकनिक स्पॉट पर प्रशासन ने शराब तथा अन्य नशीले पदार्थ का सेवन करने वालों पर कड़ी निगरानी रख रही थी सड़कों पर तेज गति से वाहन चलाने वालों को भी पुलिस द्वारा सख्त चेतावनी देते नजर आए,यहां तक की पिकनिक स्पॉट जाने वाले सैलानियों के रास्ते भटक जाने पर जिला प्रशासन के पुलिस बलो ने उन्हें सही रास्ता दिखाते हुए पिकनिक स्पॉट पर पहुंचने के लिए भी मदद करते दिखे।इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पिकनिक के साथ पर्यटकों के द्वारा डीजे पर थिरकते नजर आए।इस दौरान अंग्रेजी नव वर्ष को लोगो ने बड़े ही धूमधाम से मनाया।

राष्ट्रीय खादी एवं सरस मेला 2024 में गुमला के ग्रामीण उत्पादों की धूम

बिभा संवाददाता

रांची। 20 दिसंबर 2024 से राष्ट्रीय खादी एवं सरस मेला 2024 का भव्य आयोजन रांची के मोराबादी मैदान में शुरू हो चुका है। यह मेला 6 जनवरी 2025 तक चलेगा। मेले में झारखंड के गुमला जिले के पांच स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

गुमला जिले के पलाश अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को मेले में भारी सराहना मिल रही है। खासकर,चमेली महिला मंडल,सेरका बिशुनपुर द्वारा आचार एवं अन्य उत्पाद लगाया गया है, जिसमें अब तक 35000 की बिक्री कर चुका है।

आदिवा ज्वेलरी और चूड़ियां बना आकर्षण का केंद्र।

सिसई के दीदियों द्वारा बनाए गए आदिवा ज्वेलरी का स्टॉल, जिसे रोजगार महिला समूह द्वारा संचालित किया जा रहा है, अब तक 40,000 का कारोबार किया जा चुका है। वहीं, रायडीह प्रखंड के शक्ति महिला मंडल द्वारा लगाए गए आचार, लाल चावल, उरद बरी, जामुन सिरका, उरद दाल, कुरथी दाल के स्टॉल ने 90,000 की बिक्री की है।

बिशुनपुर प्रखंड अंतर्गत सर्वेश्वरी महिला समूह द्वारा सभी प्रकार के आचार, शहद, जामुन सिरका के स्टॉल ने अब तक 3,00,000 की बिक्री की है। इसके साथ ही रागी मिशन गुमला अंतर्गत MVMBP FPO द्वारा उत्पादित उत्कृष्ट खाद्य पदार्थों ने मेले में आए लोगों का ध्यान खींचते हुए 3,20,000 लाख की बिक्री कर ली है।

वहीं एक और लक्ष्मी महिला मंडल कुड़लगा बसिया ने आचार एवं अन्य उत्पादो में 45000 की बिक्री कर चुकी है। गुमला के ये सभी स्टॉल न केवल ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भरता को दर्शा रहे हैं, बल्कि स्थानीय कला और संस्कृति को भी बढ़ावा दे रहे हैं। मेला आगामी 6 जनवरी 2025 तक जनता के लिए खुला रहेगा।

कर्रा के केदली गांव में जंगली हाथी के चपेट में आने एक व्यक्ति की मौत

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के कर्रा थाना क्षेत्र के केदली गांव निवासी छुनकू बाखला उम्र करीब 75 वर्ष को बुधवार सुबह जंगली हाथी के चपेट में आने से मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार छुनकू बाखला मंगलवार शाम 5 बजे अपने घर मेहमानी के लिए कर्रा-नगड़ी के सीम क्षेत्र पर जंगल से सटे सौवका गांव निकला था। जहाँ सौवका गाँव से पहले छुनकू बाखला का खलियान है मंगलवार शाम को घर नहीं लौटने पर परिजनों द्वारा खोजबीन किया जा रहा था लेकिन कुछ पता नहीं चला तभी बुधवार दोपहर डेढ़ बजे ग्रामीणों ने छुनकू बाखला का कर्रा-नगड़ी स्थित सौवका बोडर पर छुनकू बाखला का छत-विक्षत शव दूंगा गया। घटना स्थल पर जंगली हाथी का पैर का पांज भी देखा गया। तभी घटना की जानकारी मिलने पर खूंटी विधायक राम सूर्या मुंडा, छाता मुखिया सुखराम मुंडा, वनपाल अमर स्वासी, वनपाल राकेश कुमार, वन रक्षी संबल बड़ाइक, सूरज दास, आशिष कुमार सहित आसपास गांव वन अध्यक्ष केदली गांव पहुंचे और परिवार ढ़ाढस बंधाया. वही वन विभाग द्वारा मृतक छुनकू बाखला के परिजनों तत्काल बीस हजार रूपया सहयोग राशि दिया गया. मृतक छुनकू बाखला के छत-विछत को कब्जे में करके कर्रा थाना लाया गया है जिसमें गुरूवार पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा जाएगा. वही मृतक के परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल है ओर पुरे गांव जंगली हाथी का भयानक भय बना हुआ है वन विभाग द्वारा फिर से केदली गांव के ग्रामीणों के टॉर्च, पटाखा व मशाल इत्यादी का वितरण किया गया. और जंगली का क्षेत्र में भ्रमणशील होने के कारण लोगों सावधान रहने कि बात कही गयी।

उपायुक्त ने बुजुर्गों के बीच कंबल और खाद्य सामग्री वितरित किया

कोडरमा। नए साल के पहले दिन बुधवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने झुमरीतिलैया नगर परिषद स्थित वृद्धा आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के बीच बिताया। उपायुक्त ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से उनका हाल-चाल जाना और वृद्धों के बीच कम्बल और खाद्य सामग्री वितरित किया। उन्होंने वृद्धों से वृद्धाश्रम में होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी भी ली। इसके पश्चात उन्होंने कोडरमा स्टेशन स्थित काली मंदिर में पूजा अर्चना की। साथ ही वहां मौजूद सभी जरूरतमंदों के बीच कम्बल एवं खादय सामग्री का वितरण किया। उन्होंने जिलेवासियों को नए साल की बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे में ये वृद्ध अकेलापन महसूस न करें, इसलिए वे इनके बीच पहुंचकर कम्बल एवं खाद्द सामग्री का वितरण किये है। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम में रह रहे लोगों के जरिये एजेंसी के बारे में कई शिकायतें मिल रही थी। इस पर संज्ञान लेते हुए समाज कल्याण विभाग को नई एजेंसी को इसकी देखभाल करने का जिम्मा देने का निर्देश दिया गया है।

खरसावां गोली कांड पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी। कर्रा प्रखंड के जलटंडा हरूहप्पा में बुधवार को जिलाध्यक्ष विजय सिंह की अध्यक्षता में खरसावां गोली कांड को लेकर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा जिला समिति की बैठक किया गया। बैठक में खरसावां गोली कांड में शहीदों को श्रदाजंली देकर पुष्प अर्पित किया गया. और बैठक में निर्णय लिया गया कि गोमके जयपाल सिंह के जन्म दिवस 3 सितंबर को हर वर्ष झारखंड आन्दोलन कारी दिवस के रूप में मनाया जाएगा. तथा सरकार से सरकारी छुट्टी कि मांग कि जाएगी. इस वर्ष 3 जनवरी को जलटंडा स्टेडीयम में इसका भव्य शुभारंभ किया जाएगा. इस कार्यक्रम में खूंटी के माननीय सांसद कालीचरण मुंडा, खूंटी विधायक राम सूर्या मुंडा व तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया मौजूद रहेंगे।बैठक पर मुख्य रूप से अध्यक्ष विजय सिंह, सचिव राजेश कुजूर, मिडिया प्रभारी अजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सामुएल संगा, संगठन सचिव सूरज गोप, प्रेम प्रकाश हेरेंज, महबूब अंसारी, सामुएल संगा, लालू मुंडा, सूरज गोप, भिमसेंट संगा, बलराम मांझी, विलीन पूर्ति, बुधन मिंज, सगीर अहमद, धामी धान, राजेन कुजूर, नवीन कुमार, लालसिंह मुंडा, मंगल मुंडा, सलीम संगा के अलावे बैठक में कर्रा, खूंटी, मुरहू, तोरपा, रनिया व अड़की प्रखंड के अन्य आंदोलनकारी मौजूद रहे।

नाबालिग प्रेमी जोड़े ने पूर्वी टुंडी में की युवक की निर्मम हत्या, घोषालडीह जंगल में मिला शव

बिभा संवाददाता

धनबाद (पूर्वी टुंडी)। प्रेमी जोड़े को आपत्तिजनक स्थिति में देखना एक युवक को महंगा पड़ गया। प्रेमी जोड़े ने युवक की निर्मम तरीके से हत्या कर दी। युवक का शव घोषालडीह गांव के पीछे नया विश्वाडीह के जंगल में झाड़ियों के बीच पाया गया। पुलिस ने हत्यारोपी प्रेमी जोड़े को हिरासत में ले लिया है। 30 वर्षीय मृतक संतोष महतो उर्फ मजनू घोषालडीह गांव का रहने वाला था। हत्यारोपी प्रेमी जोड़ा नाबालिग है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मृत संतोष रोजाना की तरह मंगलवार को अपने घर के लगभग पांच सौ मीटर पीछे मवेशियों को चरा रहा था। इसी क्रम में संतोष ने जंगल में प्रेमी जोड़ा को आपत्तिजनक स्थिति में प्रेमालाप करते हुए देख लिया। इस घटना के बाद प्रेमी जोड़े ने अपने कुकर्मों का पर्दाफाश होने के भय से संतोष को दबोच कर जमीन पर पटकते हुए उसके सिर पर पास में ही पड़े बड़े पत्थर से प्रहार कर दिया। जोरदार तरीके से की ग ई प्रहार से संतोष का सिर बुरी तरह क्षत विक्षत हो गया। साथ ही मृतक की आंखें तक बाहर आ गई थी। घटना के दौरान मृतक का चीख सुनकर गांव के ही दो छोटे बच्चे घटनास्थल की ओर दौड़े। बच्चों ने वहां से भागते हुए प्रेमी जोड़े को देख लिया। दोनों बच्चों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। इसके गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे, तब-तक युवक की मौत हो चुकी थी। रोते बिलखते परिजनों ने घटना की सूचना पूर्वी टुंडी पुलिस को दी। थानेदार तारीख वसीम दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के सामने एक चांदी का चेन, कोंडोम बरामद किया। पुलिस ने खून से लथपथ पत्थर को भी जब्त किया है। घटना के प्रत्यक्षदर्शी उक्त दोनों बच्चों ने थानेदार के सामने प्रेमी जोड़े का नाम भी बताया। प्रेमी जोड़ा दसवीं कक्षा में एक साथ पढ़ता है। जानकारी के अनुसार इन दोनों के बीच काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। थानेदार तारीख वसीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रेमी जोड़े को हिरासत में ले लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

धनबाद में युवक की हत्या, परिजनों ने थाना का किया घेराव

धनबाद। धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत विकास नगर में बुधवार की सुबह नाली के समीप एक युवक का शव बरामद किया गया। शव मिलने के बाद युवक के परिजन ने हत्या करने का आरोप लगाया है। वही मृत युवक के परिजन उग्र होकर बैंक मोड़ थाना के समीप टायर जला कर आगजनी करने लगे। जिसके बाद बैंक मोड़ पुलिस ने काफी समझाने के प्रयास किया। परंतु मृत युवक के परिजन उग्र होकर प्रदर्शन करने लगे। जिसके बाद बैंक मोड़ पुलिस ने भीड़ को तीतर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बैंक मोड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत विकास नगर के समीप बुधवार की सुबह शव बरामद हुआ था। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हिरासत में युवक को ले जाने के बाद बैंक मोड़ थाना के बाहर काफी संख्या में भीड़ जमा हो गई और देखते ही देखते भीड़ ने रौद्र रूप लेते हुए आगजनी शुरू कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने मामले को शांत कराने के लिए लाठीचार्ज किया।

खरसावां गोली कांड के शहीदों को अर्जुन मुंडा समेत भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की

बिभा संवाददाता

रांची। आजाद भारत के सबसे भीष्म गोलीकांड, खरसावां गोली कांड के शहीदों को पूर्व मुख्यमंत्री सह पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय, बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता जे. बी तुबिद, पूर्व प्रत्याशी मीरा मुंडा, जिला अध्यक्ष भाजपा सरायकेला उदय सिंहदेव, विजय महतो पूर्व जिला अध्यक्ष एवं सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहीद बेदी पर पहुँच कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। अर्जुन मुंडा ने कहा कि आज ही के दिन 1 जनवरी 1948 को आजाद भारत में पहली गोली कांड की घटना इस स्थान पर घटित हुई थी और अनगिनत लोग मारे गए थे। उन्होंने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि यहां वर्षों से 1 जनवरी को श्रद्धांजलि अर्पित करने की परंपरा और स्थान की गरिमा को बनाए रखने के लिए हम सब ने प्रयास किया है। देश में कांग्रेस कालीन सरकार ने गोली चलवाई। धरती पुत्रों ने अपना बलिदान देकर इस स्थान को एक प्रेरणा स्थल के रूप में परिवर्तित कर दिया। लंबे कालखंड तक इस स्थान की महानता विभिन्न सरकारों ने नजर अंदाज किया। पूर्व में इस स्थान पर बाजार लगता था जिससे शहीद स्थल की गरिमा धूमिल होती थी। जनता ने मुझे जब इस क्षेत्र का जनप्रतिनिधि चुना तो स्थान की गरिमा को बनाए रखने के लिए भरपूर कोशिश किया। इस बात की खुशी है कि आज हजारों की तादाद में लोग श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए नए साल में आते हैं। आज समस्त देश शोक मना रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन के सम्मान में 7 दिनों का राजकीय शोक घोषित होने के बाद भी जगह-जगह विभिन्न राजनीतिक दलों के बैनर-पोस्टर लगे हैं इसमें कहीं ना कहीं प्रशासनिक विफलता परिलक्षित होती है। यह भी दर्शाता है कि उन राजनीतिक दलों को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति संवेदना नहीं है। राष्ट्रीय शोक के समय हमारा आचरण कैसा होना चाहिए इसकी जानकारी राजनीतिक दलों एवम् प्रशासनिक पदाधिकारियों को होनी चाहिए। हम किसी को सम्मान नहीं दे सकते तो हम सम्मान के हकदार भी नहीं है। उन्होंने कहा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150 वें जयंती के मौके पर भारत सरकार देश भर के शहीदों को चिन्हित कर उन्हें सम्मान देने का निर्णय लिया है। उन्होंने राज्य सरकार से इसमें सहयोग करने की अपील की।

सोलहभुजी माँ दिउड़ी की पूजा करने के उमड़े हजारों श्रद्धालु

बिभा संवाददाता

खूँटी। अंग्रेजी वर्ष 2024 को पीछे छोड़ते हुए आंग्ल नववर्ष 2025 का आगाज होते ही लोग सुबह होते ही लोग मंदिरों की ओर उमड़ने लगे। भारी संख्या में श्रद्धालु बुधवार को माँ दिऊड़ी देवी का दर्शन व पूजन के लिए पहुँचे। राँची जिला के तमाड़ स्थित प्राचीनकालीन सोलह भुजी दिऊड़ी मंदिर में विशेष आरती की गई। इस आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की लम्बी कतार देखने को मिला। मंदिर परिसर से राँची-टाटा हाईवे तक श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। दिऊड़ी मंदिर परिसर में भंडारा का आयोजन किया गया था। साथ ही, खीर व खिचड़ी का महाभोग भी माता रानी को चढ़ाया गया। भीड़ को ध्यान में रखते हुए नए साल पर मंदिर में दर्शन-पूजन के दौरान सुरक्षा और सुविधाओं का पुख्ता इंतजाम किया गया था। श्रद्धालुओं के अत्यधिक भीड़ को ध्यान में रखते हुए दिऊड़ी मंदिर ट्रस्ट द्वारा निर्णय लिया गया था कि नए साल पर माँ दिऊड़ी देवी के चरण स्पर्श पर रोक रहेगी। श्रद्धालु गर्भगृह के मुख्य द्वार पर पहुँच कर दर्शन-पूजन कर सके। इस दौरान चरण स्पर्श नहीं करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा दिऊड़ी मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम किया गया है। चप्पे चप्पे पर जवान की तैनाती की गयी थी। वहीं दूर दूर क्षेत्रों से दिउड़ी मंदिर आकर पूजा तो किया ही साथ में मनोरंजन भी किया।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय एकता कमिटी ने जरूरतमंदों के बीच कंबल का किया वितरण

रांची(बिभा)। सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों को गर्म कपड़े उपलब्ध कराने से बेहतर कोई उपहार नहीं हो सकता । उपयुक्त बातें भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने करबला टैंक रोड स्थित अपने कार्यालय में कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान कहा। उन्होंने कहा कि लाखों बेघर लोग सर्दी की कड़ाके की ठंड झेलते हैं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित होने का जोखिम उठाते हैं लेकिन साथ ही जरूरतमंदों को कंबल वितरण करके मानवता की सेवा करने का अवसर दिया है । इस ठंड में भारतीय एकता कमेटी के तरफ से चौथी बार कंबल वितरण किया गया स्व साबिर हवारी, हुसैन हवारी और छोटू हवारी कि याद में 250 कंबल वितरण किया गया । इस मौके पर सचिव रामेश्वर राम , बुलंद अख्तर, मो अशरफ , मो इब्राहिम, प्रमोद कुमार , मनोज राम , जानी , इलियस कच्छप आदि मौजूद रहे।

श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति ने निराश्रित बच्चों के लिए पिकनिक का किया आयोजन

रांची(बिभा) : श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति डोरंडा द्वारा नववर्ष के अवसर पर आदिम जाति सेवा संस्थान द्वारा संचालित निराश्रित बच्चों के लिए पिकनिक का आयोजन किया गया। समिति द्वारा बच्चों के लिए नाश्ता भोजन व मिठाई की व्यवस्था की गयी। बच्चों ने नववर्ष के अवसर पर पिकनिक का भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजू चौरसिया सचिव जयदेव घोष के अलावे सुनील सिन्हा प्रकाश वर्मा विवेक सहाय विजय सिन्हा राजेश वर्मा प्रदीप पांडेय रवि गौड़ निर्मल गुप्ता प्रदीप घोष राहुल चौरसिया प्रकाश मामा शंकर घोष प्रदीप कुमार मन्ना शंभु गुप्ता कुंदन प्रसाद सहित बड़ी संख्या में समिति सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी मनोज वर्मा ने दी।

रांची पुलिस के परिचारी रवि शंकर सिंह ने बचाई बाइक सवारों की जान

रांची(बिभा) : 31 दिसंबर की घटना रात 9:50 की है पिठोरिया, कांके रोड पर भिलेज ढाबा के पास दो बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त अचेत अवस्था में पड़ा था वहीं पीछे से पिठोरिया थाना क्षेत्र से पीछे से आ रही परिचारी रवि शंकर सिंह अपने जवानों के साथ गुजर रहे थे अचानक सामने दुर्घटनाग्रस्त बाइक सवार पर नजर पड़ी तो उन्हें बिना देर किए तुरंत जवानों की सहायता से उठाया टूटे बाइक को रोड से हटाकर दोनों सवारों को बगल हटाया तथा रॉंची नियंत्रण कक्ष और पुलिस उपाधीक्षक - 1 को तत्काल सूचना दी फलस्वरूप हाइवे पेट्रोलिंग गाड़ी पर बैठाकर अस्पताल पहुंचवाया इस तरह दोनों बाइक सवार की जान बच गई।

श्रीरामकृष्ण सेवा संघ ने मनाया कल्पतरु उत्सव

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के आदर्श प्रेरणास्रोत: तुषार कांति शीट

रांची(बिभा)। सामाजिक व धार्मिक-आध्यात्मिक संस्था श्रीरामकृष्ण सेवा संघ के तत्वावधान में निवारणपुर में कंबल वितरण कार्यक्रम के साथ कल्पतरु उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर भव्य आरती व भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। तत्पश्चात भक्तों के बीच भोग प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर श्री रामकृष्ण सेवा संघ के सहायक सचिव तुषार कांति शीट ने कहा कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस के आदर्शों को आत्मसात कर जीवन पथ पर अग्रसर रहने से मानव जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है। श्री शीट ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह आयोजन 1 जनवरी 1886 की याद दिलाता है, जब स्वामी रामकृष्ण ने खुद को अवतार या धरती पर भगवान के रूप में प्रकट किया था। तभी से यह उत्सव प्रत्येक 1 जनवरी को आयोजित किया जाता है। हालांकि यह आयोजन कई स्थानों पर आयोजित किए जाते हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण उत्सव कोलकाता के उद्यानबाटी में होता है, जो वर्तमान में रामकृष्ण मठ है, वह स्थान जहां स्वामी रामकृष्ण ने अपने जीवन के अंतिम दिन बिताए थे। इस दिन को रामकृष्ण के शिष्य रामचंद्र दत्ता ने कल्पतरु दिवस का नाम दिया था। कल्पतरु दिवस के आयोजन में श्री रामकृष्ण सेवा संघ के सहायक सचिव तुषार कांति शीट, तन्मय मुखर्जी, आदित्य बनर्जी, सौरभ मुखर्जी, शैवाल बनर्जी, रानू बनर्जी, संपा चटर्जी, विवेक राय,आलोक सिन्हा, डॉ.स्मिता डे, आनंद रंजन घोष, आलोक मजूमदार, तनय शीट, श्रावनी शीट, चित्रा रॉय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर काफी संख्या में स्वामी रामकृष्ण परमहंस के अनुयायी/ भक्तगण उपस्थित थे।

शहर में लगाए गए वांटेड पोस्टर

रांची(बिभा) : रॉंची के पंडरा में हुए लूट कांड और फायरिंग मामले में शामिल अपराधियों के घर पकड़ के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन 3 दिन बीत जाने के बाद भी रॉंची पुलिस के हाथ कोई भी अपराधी नहीं लग पाया है। ऐसे में अब रॉंची पुलिस ने अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए आम लोगों से सहयोग मांगा है। पुलिस के द्वारा लूट और फायरिंग मामले में शामिल एक अपराधी की तस्वीर को शहर भर में चस्पा की है। वांटेड पोस्टर में अपराधी की दो तस्वीर लगाई गई है और पुलिस के द्वारा यह अपील की गई है कि इस अपराधी किसी सूचना जो कोई भी बताया उसे 20 हजार का इनाम दिया जाएगा, साथ ही उसका नाम पता को पूरी तरह से गुप्त रखा जाएगा।

नए साल पर चार आईपीएस अफसरों को प्रमोशन का तोहफा, डीजीपी अनुराग गुप्ता ने किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची : नववर्ष के पहले दिन बुधवार को झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अपने कार्यालय कक्ष में नवप्रोन्नत आईपीएस अफसरों को बैज लगाकर सम्मानित किया. इन अफसरों में नवप्रोन्नत पुलिस महानिरीक्षक अनूप बिरथरे, पटेल मयूर कनैयालाल, पुलिस उपमहानिरीक्षक चंदन कुमार झा एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा शामिल हैं. नए साल पर इन्हें प्रमोशन का तोहफा मिला है.
मौके पर अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) सुमन गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) अमोल विणुकांत होमकर, पुलिस महानिरीक्षक (प्रोविजन) पंकज कंबोज, पुलिस महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) ए विजयालक्ष्मी, पुलिस उपमहानिरीक्षक (विशेष शाखा) कार्तिक एस, पुलिस उपमहानिरीक्षक (कार्मिक) नौशाद आलम, पुलिस उपमहानिरीक्षक (एसीबी) शैलेन्द्र वर्णवाल, पुलिस अधीक्षक (अभियान) अमीत रेणु समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे.

इन आईपीएस अफसरों को नए साल की सौगात

झारखंड के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 31 दिसंबर को अनूप बिरथरे को पुलिस उपमहानिरीक्षक (रांची) के पद से प्रोन्नति देकर पुलिस महानिरीक्षक (एसटीएफ, झारखंड), पटेल मयूर कनैयालाल को पुलिस उपमहानिरीक्षक (अतिरिक्त प्रभार पुलिस उप महानिरीक्षक रेल, रांची) के पद से प्रोन्नति देकर पुलिस महानिरीक्षक (मानवाधिकार, झारखंड), चंदन कुमार झा को पुलिस अधीक्षक (विशेष शाखा, झारखंड) के पद से प्रोन्नति देकर पुलिस उपमहानिरीक्षक (एसआईबी, विशेष शाखा, झारखंड) एवं अनुरंजन किस्पोट्टा को पुलिस अधीक्षक (अपराध अनुसंधान विभाग, झारखंड) के पद से प्रोन्नति देकर पुलिस उपमहानिरीक्षक (विशेष शाखा, झारखंड) के पद पर पदस्थापित किया गया है.

कोल इंडिया रांची मैराथन 9 फरवरी को, निबंधन के लिए वेब पोर्टल लॉन्च

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने कोल इंडिया रांची मैराथन के तीसरे संस्करण की आधिकारिक वेबसाइट को आम जनों के लिए प्रस्तुत किया है, जो इस प्रतिष्ठित आयोजन की तैयारियों और इसे सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस वेबसाइट का उद्देश्य स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और सामुदायिक एकजुटता को प्रोत्साहित करना है, साथ ही इस आयोजन से जुड़े हर पहलू की विस्तृत जानकारी प्रदान करना है।
इस वेबसाइट का शुभारंभ सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने बड़े उत्साह के साथ किया। इस विशेष अवसर पर उनके साथ सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) हरीश दूहन, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार एवं वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। वेबसाइट के लॉन्च के बाद, सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए मैराथन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सीसीएल कोयला उत्पादन में अपनी उत्कृष्टता के साथ-साथ समाज और समुदाय के कल्याण के लिए भी कई सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने इस आयोजन को स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और समुदाय के बीच जागरूकता फैलाने के लिए एक अद्भुत मंच बताया।
यह मैराथन 9 फरवरी 2025 को आयोजित की जाएगी और इसे पिछले दो संस्करणों की अपार सफलता के आधार पर और भी व्यापक और आकर्षक बनाने की योजना है।
पिछले संस्करणों ने हजारों धावकों को आकर्षित किया और स्वास्थ्य व तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने के साथ-साथ एकता और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ किया। इन सफल आयोजनों ने सीसीएल को इस वर्ष इसे और भव्य तरीके से आयोजित करने के लिए प्रेरित किया है।
गौरतलब है कि इस बार की मैराथन को एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ पंजीकृत किया गया है और इसका रूट एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस द्वारा प्रमाणित है। यह आयोजन न केवल पेशेवर धावकों के लिए बल्कि आम नागरिकों के लिए भी एक खास अवसर है।
तीन प्रमुख श्रेणियों में आयोजित इस मैराथन में फुल मैराथन (42 किमी), हाफ मैराथन (21 किमी), और 10 किमी दौड़ शामिल हैं। हर श्रेणी के विजेताओं के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार रखे गए हैं। फुल मैराथन के शीर्ष विजेताओं को 3.30 लाख, हाफ मैराथन के विजेताओं को 2.20 लाख और 10 किमी दौड़ के विजेताओं को 1.10 लाख का पुरस्कार मिलेगा। कुल मिलाकर 35.10 लाख की पुरस्कार राशि शीर्ष प्रतिभागियों में वितरित की जाएगी।
वेबसाइट को नवीनतम तकनीक और उपयोगकर्ता अनुभव को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसमें पंजीकरण पोर्टल, मैराथन रूट की जानकारी, कार्यक्रम का विवरण और दिशा-निर्देश शामिल हैं । ज्ञात हो की इस वेबसाइट को इन हाउस सीसीएल के प्रणाली विभाग के अभियन्ताओं ने तैयार किया है।
यह आयोजन केवल एक दौड़ प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को प्रसारित करने का अवसर भी है। यह आयोजन सीसीएल की नवाचार और उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस अद्वितीय आयोजन का हिस्सा बनने के इच्छुक सभी लोग https://centralcoalfields.in/cilranchimarathon/ पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन से बंधु तिर्की ने की मुलाकात, दी नववर्ष की शुभकामनायें

बिभा संवाददाता

रांची : नववर्ष 2025 के पहले दिन दिशोम गुरु शिबू सोरेन से पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने उनके आवास पर मुलाकात की. श्री तिर्की ने श्री सोरेन को पुष्पगुच्छ भेंट की और उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की. श्री तिर्की ने श्रीमती रुपी सोरेन से भी भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ दिया एवं नये साल की शुभकामनायें देते हुए स्वस्थ एवं लम्बी आयु की कामना की. सोरेन दंपति ने भी श्री तिर्की को आशीर्वाद दिया और नववर्ष की शुभकामनायें दीं.

केके वर्मा को फिर मिला एक्सटेंशन

रांची: झारखंड ऊर्जा संरचरण निगम के एमडी, जेरेडा के निदेशक व जेबीवीएनएल के कार्यकारी निदेशक केके वर्मा को एक वर्ष का अवधि विस्तार दिया गया है. इससे पूर्व केके वर्मा को सेवानिवृत्ति के बाद तीन वर्षों का अवधि विस्तार देते हुए उपरोक्त पदों पर नियुक्त किया गया था. इसमें एक वर्ष का अवधि विस्तार देते हुए वर्मा की नियुक्ति 31 दिसंबर 2025 तक के लिए या अगले आदेश तक के लिए की गयी है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के आवास पर नववर्ष मिलन समारोह का हुआ आयोजन

सेवानिवृत्त अंगरक्षक पीके पंकज को किया गया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची। एचईसी परिसर स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के आवास पर बुधवार को नये वर्ष के आगमन पर मिलन समारोह का आयोजन किया गया। श्री सहाय ने सभी आगंतुकों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी।
मौके पर श्री सहाय के अंगरक्षक रहे पीके पंकज (पुलिस अवर निरीक्षक) को सेवानिवृत्त होने पर विदाई दी गई। श्री सहाय ने उन्हें शॉल भेंट कर सम्मानित किया।
विदित हो कि पीके पंकज लगभग बीस वर्ष तक श्री सहाय के अंगरक्षक के पद पर कार्यरत रहे।
इस अवसर पर कांके के विधायक सुरेश बैठा, खिजरी के विधायक राजेश कच्छप, कांग्रेस नेता सुनील कुमार सहाय, सीपीआई के सचिव अजय सिंह, कांग्रेस नेता सुरेंद्र सिंह, दीपक लाल, कमल ठाकुर, विशाल सिंह, गौतम उपाध्याय, सत्येन्द्र सिंह, राजू राम, योगेंद्र सिंह बेनी, श्रमिक नेता दिलीप सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के निजी सहायक दीपक प्रसाद, कांग्रेस नेता पवन सिंह,पंकज कुमार, धीरेन्द्र सिंह बमबम, संतोष कुमार सिंह, शिवाकांत पांडेय, आलमगीर अंसारी, मो.इकबाल सहित काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस्कॉन रांची के साथ नए साल की शुरूआत हरिनाम संकीर्तन के साथ

बिभा संवाददाता

रांची : कांके रोड स्थित इस्कॉन रांची द्वारा नए साल के शुभ अवसर पर विशेष साधु संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया । भगवान जगन्नाथ का विशेष पुष्प श्रृंगार किया गया । सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। कार्यक्रम 12 बजे से मधुर कीर्तन के साथ शुरू किया गया ।
इस्कॉन रांची के प्रबंधक श्रीमान मधुसुदन मुकुंद दास ने सभी रांची वासियों को नए वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी । उन्होंने उपस्थित भक्तों को बताया की हम अगर सच में अपने नए साल को सुखमय बनाना चाह ते है तो हमे अपने जीवन में भगवद्गीता की शिक्षा को उतारना हो गा । इस नव वर्ष हम सब संकल्प ले की नियमित रूप से भगवद्गीता का अध्ययन करे और अपने मनुष्य जीवन को सफल बनाए । कथा के बाद सभी भक्तों में स्वादिष्ट जगन्नाथ महाप्रसाद का वितरण किया गया ।
संध्या 5 बजे से विश्वशांति के लिए इस्कॉन रांची द्वारा लालपुर चौक में विशेष नगरकीर्तन निकाला गया । इसकी अगुवाई वृन्दावन से आए 10 वर्षीय माधव प्रभु ने किया । जिन्हें 10 वर्ष के छोटी आयु में 21 से अधिक ग्रंथों के 3000 से अधिक श्लोक याद है और प्रसिद्ध कथा वाचक भी है । 400 से अधिक भक्तों ने उत्साह के साथ संकीर्तन में भाग लिया। और भगवद्गीता ,रामायण जैसे ग्रंथों का वितरण किया गया । और साथ ही खीर प्रसाद का भी वितरण किया गया।

नगर आयुक्त ने आश्रय गृहों का किया निरीक्षण, रिम्स परिसर में अतिक्रमण पर जतायी नाराजगी

बिभा संवाददाता

रांची : वर्तमान समय में शहर में बढ़ते ठंड को देखते हुए सड़कों पर रात्रि में गुजर बसर कर रहे व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए निगम द्वारा प्रतिदिन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है तथा निकटतम आश्रय गृह में शिफ्ट किया जा रहा है। आज दिनांक 01.01.2025 को नगर आयुक्त संदीप सिंह के द्वारा अपर प्रशासक संजय कुमार एवं निगम के अन्य पदाधिकारियों के साथ रिम्स स्थित आश्रय गृह एवं खादगढ़ा बस स्टैंड स्थित आश्रय गृह का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा आश्रय गृह में रह रहे लोगों के बीच कंबल का वितरण भी किया गया।
सर्वप्रथम रिम्स स्थित आश्रय गृह के निरीक्षण क्रम में उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आश्रय गृह में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया ताकि इसका संचालन और बेहतर तरीके से किया जा सके। उन्होंने NULM शाखा की टीम को शहर के सभी आश्रय गृहों में नियमित रूप से, वहां की सफाई व्यवस्था, बेड एवं कंबल की व्यवस्था, टॉयलेट, पेयजल व अन्य सुविधाओं का निरीक्षण करना का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने प्रतिदिन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए आश्रय विहिन लोगों निकटतम आश्रय गृह में शिफ्ट करने का भी निर्देश दिया।
इसके अलावा उन्होंने रिम्स परिसर से अतिक्रमण हटाने तथा इसपर अंकुश लगाने के लिए रिम्स प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए वेंडिंग जोन चिन्हित करने का निर्देश दिया। इस निमित रिम्स प्रबंधन को पत्राचार के माध्यम से एक डेडीकेटेड वेंडिंग जोन चिन्हित करने तथा आश्रय गृह के लिए एक दीदी किचेन अधिष्ठापित करने का निर्देश दिया।
इसके पश्चात उनके द्वारा खादगढ़ा बस स्टैंड स्थित आश्रय गृह का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड में विभिन्न क्षेत्रों से आगंतुक आते है, इसलिए आश्रय गृह भी स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखें तथा आवश्यकतानुसार डायरेक्शन बोर्ड्स का भी अधिष्ठापन करे ताकि आगंतुक आसानी से वहां पहुंच सकें। इसके अलावा उन्होंने निगम के पदाधिकारियों को खादगढ़ा बस स्टैंड के आस-पास खाली पड़े निगम के जमीन की मापी करते हुए उसे उपयोगिता में लाने हेतु प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।
इसके अलावा उन्होंने कहा कि रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत दिहाड़ी करने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से मजदूर एकत्रित होते है। इसलिए उनकी सुविधा को देखते हुए, एकत्रित होने वाले विभिन्न स्थलों पर उनके लिए शेड की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। मौके पर अपर प्रशासक संजय कुमार, सहायक प्रशासक निकेश कुमार, नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

रांची विवि में होंगे पेपर लेस कार्य, डॉ शीत निहाल बने नोडल अफसर

रांची: रांची विश्वविद्यालय में अब पेपरलेस कार्य की तैयारी की जा रही है. केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से विवि को ई-सामर्थ्य पोर्टल से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है. राज्य सरकार के निर्देश पर रांची विवि प्रशासन ने स्नातकोत्तर गणित विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शीत निहाल टोप्पो को नोडल अफसर नियुक्त किया है. ई-सामर्थ्य पोर्टल से जुड़ने के बाद अब रांची विवि में वेतन, पेंशन सहित ऑफिस मैनेजमेंट, वेतन निर्धारण आदि कार्य ऑनलाइन होंगे. उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के सभी विवि को ई-सामर्थ्य से जोड़ा जा रहा है. सभी विवि के लिए अलग-अलग नोडल अफसर नियुक्त होंगे. विवि में इस व्यवस्था को लागू करने के लिए विवि को सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया जा रहा है. इससे अब फाइल ट्रेकिंग की जानकारी सबों को मिल सकेगी. साथ ही कार्य में अनावश्यक विलंब नहीं होगा. फाइल मूवमेंट की स्थिति की जानकारी तत्काल मिल सकेगी.

संक्षिप्त खबरें

चिन्मय विद्यालय में सुन्दरकांड पाठ एवं हनुमान आराधाना से नववर्ष का स्वागत

बोकारो/बिभा संवाददाता। चिन्मय विद्यालय बोकारो में अष्ट सिद्धि नवनिधि के दाता हनुमान जी का पाठ, अर्चना एवं सुन्दरकाण्ड संकीर्तन के साथ नववर्ष का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर हनुमानजी की वैदिक विधि परंपरा से आराधना की गई और विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने समवेत स्वर में संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ किया। तत्पश्चात आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। सभी को नववर्ष के अवसर पर आर्शीवचन देते हुए संयुक्त रूप से परम पूज्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती आचार्या, चिन्मय मिशन बोकारो, बिश्वरूप मुखोपाध्याय (अध्यक्ष) एवं महेश त्रिपाठी (सचिव) आर.एन.मल्लिक (कोषाध्यक्ष) प्राचार्च सुरज शर्मा, उप-प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार ने कहा कि संपूर्ण विश्व के लिए यह आशा से भरा नव वर्ष मंगलमयं हो, देश क्षोम रहित हो सनातन की जय हो संपूर्ण विश्व सुख सम्पन्न हो और आप सभी सपरिवार सभी प्रकार के सुख एवं आरोग्य की कामना करें। यहीं हम सव की शुभकामनाए है। विद्यालय के वरिय शिक्षक हरिहर पाण्डेय एवं संजिव मिश्रा को जन्मदिन कि ढेरो शुभकामनाए विद्यालय परिवार कि ओर से दि गयी एवं सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियो एवं शिक्षको द्वारा जन्मदिन गीत गा कर उन्हे बधाई दी गई। इस अवसर पर परम पूज्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती आचार्या, चिन्मय मिशन बोकारो, विश्वरूप मुखोपाध्याय (अध्यक्ष) एवं महेश त्रिपाठी (सचिव), आर. एन.मल्लिक (कोषाध्यक्ष), प्राचार्य सुरज शर्मा, बिपुल सिंह प्राचार्य (रेनवो पब्लिक स्कुल चास) नरेन्द्र कुमार , उप प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार, हरिहर पाण्डेय, सुप्रिया चैधरी, संजीव सिंह, पंकज कुमार मिश्रा, शिवेन चक्रवर्ती, जय किशन राठोड़ एवं रूपक झा एवं अन्य शिक्षक-शिक्षकेत्तर, उपस्थित थे।

विजय महतो के पुण्यतिथि पर महोत्सव का आयोजन, लोगों ने उठाया लुफ्त

सिल्ली/बिभा संवाददाता। कला प्रेमी सिल्ली के सुरगुंजाडीह निवासी स्वर्गीय विजय महतो के 11वें पुण्यतिथि पर सुरगुंजाडीह लोटा में भव्य महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव आदि ने कला प्रेमी विजय महतो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। महोत्सव में पांच परगना झूमर कवि विनोद सिंह देव सेवा संस्थान सिल्ली के कलाकारों द्वारा एक बढ़कर एक झूमर गीत के साथ साथ महिला कलाकारों के द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसका आसपास और दूर दराज से आये लोगों ने जमकर लुफ्त उठाया। वही छऊ नृत्य उस्ताद मनोहर कुमार ग्राम चामचका जिला पुरुलिया ने महाभारत और रामायण, स्थानीय लोकगीत और अमूर्त विषयों सहित महाकाव्यों के प्रसंगों को प्रस्तुत किया। इसके अलावे मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। आयोजन कमिटी के अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो ने कहा गीत संगीत और नृत्य सिर्फ़ मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है, प्राचीन काल से लेकर आधुनिक समय तक, संगीत मानव संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है यह एक सार्वभौमिक भाषा है जो भाषा, जाति और धर्म की सभी बाधाओं को पार करती है, और सभी क्षेत्रों के लोगों को जोड़ती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजक कमेटी के संरक्षक पूर्व मुखिया रवींद्रनाथ मुंडा दशरथ महतो राधिका महतो रहिदास मुंडा सचिव लखीराम महतो उपसचिव डॉक्टर पशुपति महतो कोषाध्यक्ष अर्जुन राम महतो पांडव महतो आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय पर नववर्ष के उपलक्ष्य मे केक काट खुशियां मनाई

बोकारो/बिभा संवाददाता। सेक्टर 9 कार्यालय जय झारखंड मजदूर समाज में साल के अंतिम दिन वर्ष की विदाई करने के लिए और नए वर्ष के आगमन को लेकर केक काटा गया मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी एवं महानगर अध्यक्ष मंटू यादव भी इसे कार्यक्रम में शामलित हुए। जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बी के चौधरी ने बताया कि कि हमारे पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मूर्ति मोर्चा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन जो हमारे आदरणीय हैं उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए जय झारखंड मजदूर समाज जो कि झारखंड मूर्ति मोर्चा का ही एक अंग है इसका गठन 1994 में किया गया था तब से लेकर आज तक इसी तरह प्रत्येक वर्ष हम लोग साल के अंतिम दिन और नए साल के आगमन को लेकर केक काटकर अपने सभी साथियों के साथ खुशियां मनाते हैं आगे श्री चौधरी ने बताया कि जय झारखंड मजदूर समाज में दिन प्रतिदिन मजदूरों की संख्या बढ़ती जा रही है क्योंकि आए दिन इस्पात कर्मियों ठेका मजदूरों को जो ठेकेदारों एवं प्रबंधन द्वारा शोषण किया जा रहा है इसको लेकर जय झारखंड मजदूर समाज हमेशा मजदूरों के हित के लिए लड़ते आया है इसी वजह से या संगठन और भी मजबूती के साथ बढ़ रहा है। श्री चौधरी ने प्रबंधन से कहां की जिस तरह से प्लांट के अंदर मजदूरों का शोषण किया जा रहा है उसे शोषण को रोका जाए ताकि मजदूर भाई लोग और मेहनत लगन से प्लांट की तरक्की के लिए दिन दोगुनी रात चौगुनी मेहनत कर सके ।उन्होंने अपने सभी मजदूर साथियों को नव वर्ष में शुभकामनाएं दी और कहा कि आने वाला साल सबके लिए खुशहाल और मंगल में रहे और प्लांट में काम करते वक्त अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें ताकि आप सुरक्षित रहेंगे तभी आपके परिवार भी सुरक्षित रह सकेंगे। नव वर्ष पर श्री चौधरी ने सभी को शुभकामनाएं दिया मौके पर सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

चेचकाधाम: नववर्ष मे उमडी श्रदालुओं की भीड

बिभा संवाददाता

बोकारो। चास प्रखण्ड पंचायत कुमहरी स्थित पौराणिक चेचकाधाम में नवबर्ष मे श्रदालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रदालुओं ने दामोदर नदी में स्नान कर शिवालय में पुजा अर्चना कर मन्नत मांगी। चेतु धाम स्थित शिव मंदिर, पार्वती मंदिर, काल भैरवी, शीतला, माँ वैष्णवी, शनि, बजरंगबली, नंदी,गणेश, राधाकृष्ण, तथा भगवान विष्णु का पद चिन्हों का दर्शन कर पुजा अर्चना किया। पुजारी बाबा सर खेल, दिलीप पाठक, बिजय उपाध्याय, सदानंद उपाध्याय, बाबा मृत्युजंय तिवारी, काजल तिवारी, विजय उर्फ बुलबुल उपाध्याय, आदि पंडित ने श्रदालुओं को पुजा अर्चना कराया। इस अवसर पर संजय उपाध्याय व बुलबुल उपाध्याय के नेतृत्व में श्रदालुओं के सहयोग से 551 किलो दुध का जुडी.भोग (खीर) चढाया गया। एंव हजारो श्रदालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

डीडीसी सपरिवार के साथ माथा टेका, पुजा अर्चना की

बोकारो उप विकास आयुक्त सपरिवार के साथ चेचकाधाम पर माथा टेक कर पुजा अर्चना किया। बोकारो वासीयों केलिए सुख समृद्धि अमन चैन की दुवा मांगी। उन्होंने चेचकाधाम की चहुमुखी विकास करने की बात कही। उनहोंने कहा चेचकाधाम में पेयजल, चेकडेमनिर्माण, बगल के तलाब का जीर्णोद्धार कार्य सहित विकास के कार्य किया जाएगा ।चेचकाधाम पर सबका सहयोग से किसी भी प्रकार की श्रदालुओं की सुविधाओं की कमी नहीं होगी। चेचकाधाम कमेटी का गठन करने का निर्देश मुखिया वनिता देवी को निर्देश देते हुए कहा कि अभिलंब बैठक कर एक सशक्त कमेटी बनाया जाए और नहीं तो सरकारी कमेटी बनेगी ।मुखिया वनिता देवी ने डीसी महोदय से आग्रह करते हुए कहा कि बहुत जल्द एक सप्ताह में बैठक कर कमेटी बनाई जाएगी। चेचकाधाम के आसपास गाँव के लोग शामिल रहेगें। इस अवसर पर ओकीफ सरखेल, सुशील तिवारी, जयप्रकाश , मनतु सर खेल, सुमन दुबे, सागर दत्ता, सपन दत्ता, मधुसूदन दत्ता, शंकर दत्ता, कैलास सिहं, गुणधर दत्ता, दिनेश दत्ता, बुद्ध दत्ता, बिनोद बिहारी महतो आदि लोग उपस्थित थे।

प्रबंधन की अनुपस्थिति से यूनियन के सदस्यों में आक्रोश

चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

बिभा संवाददाता

बोकारो। जहां नए साल में लोगों में खुमार चढ़ा हुआ है वहीं दूसरी तरफ विस्थापित एवम् कर्मचारियो के 16 सूत्री मांगो को लेकर टी टी पी एस विद्युत कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी आज प्रबंधन के बुलावे पर वार्ता हेतु टी टी पी एस ललपनिया के प्रशासकीय भवन पहुंचे। लेकिन कार्यालय में वार्ता के लिए प्रबंधन के कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं थे। टी टी पी एस प्रबंधन के इस रवैए को देखकर यूनियन के के लोग आक्रोशित। हो गए और नारेबाजी करने लगे।और धरने के शक्ल में मुख्य गेट पर बैठ गए ।यह देखते हुए प्रबंधन ने सुरक्षा व्यवस्था भंग न हो इसको लेकर केंद्रीय सुरक्षा बल को तैनात कर दिया।

बताते चले कि यूनियन द्वारा एक अगस्त को 16 सूत्री मांगो पर समझौता वार्ता करने के लिए आग्रह भी किया गया । परन्तु कोई नतीजा नहीं निकला।आचार संहिता में अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो ने महाप्रबंधक को मामले को लेकर वार्ता करने का निर्देश दिया।बावजूद इसके कुछ भी नहीं क्या गया।तब माननीय मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी महाप्रबंधक को फोन कर मांगो पर वार्ता कर पहल करने और समाधान करने की बात कही।प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों को एक जनवरी को वार्ता के लिए टी टी पी एस प्रबंधन ने बुलाया। किंतु कार्यालय में कोई नहीं था। काफी देर बाद टी टी पी एस ललपनिया के उप महाप्रबंधक वहां पहुंचे । इसी क्रम में गरमा गरम बहस शुरू हो गए। उपमहाप्रबंधक अशोक प्रसाद ने कहा कि महाप्रबंधक बाहर गए है उनके आते ही वार्ता का समय निर्धारित कर समस्या का समाधान जल्द निकला जाएगा। साथ ही सभा मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने का जाने का आश्वासन दिया।

यूनियन के महामंत्री ऐनुल हौदआ ने पत्रकार से बात करते हुए कहा कि कर्मचारी एवम् विस्थापितों से संबंधित कई समस्या परियोजना में लंबित है उसको लेकर यूनियन ने तेनुघाट विद्युत निगम को 16 सूत्री मांग पत्र सौंपा है जिसको लेकर आज वार्ता होनी है पदाधिकारी मौजूद नहीं है। प्रबंधन जिस तरह से यूनियन के पदाधिकारियों के सम्मान को ठेस पहुंचाने का काम किया है वो बर्दास्त नहीं किया जाएगा । और अगर प्रबंधन मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार नहीं करती है तो चरणबद्ध आंदोलन करने पर यूनियन मजबूर होगी । इस मौके पर मुख्य रूप से यूनियन के अध्यक्ष रामजी मरांडी, उपाध्यक्ष बहाराम मांझी, महामंत्री ऐनुल हौदआ,संगठन सचिव मोहमद जलालुद्दीन,कार्यकारी सदस्य जैनुल आबेदीन,विराम कुमार मांझी, अब्बास अंसारी, कृष्णा किस्कू, मनोवर अंसारी, अलीमुद्दीन अंसारी, हलीम राय आदि दर्जनों कर्मचारी और विस्थापित मौजूद थे।

महाकुम्भ 2025: रेलकर्मियों की जैकेट पर लगे स्कैनर से यात्री बना सकेंगे टिकट

बिभा संवाददाता

बोकारो। महाकुम्भ 2025 को ध्यान में रखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल ने डिजिटल तकनीक के उपयोग से टिकटिंग प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए एक अभिनव पहल शुरू की है। महाकुम्भ के दौरान, रेलवे के वाणिज्य विभाग के कर्मयोगी प्रयागराज जंक्शन पर विशेष ड्यूटी पर तैनात रहेंगे और हरे रंग की जैकेट पहनेंगे। इन जैकेट्स के पीछे एक क्यूआर कोड अंकित होगा, जिसे श्रद्धालु अपने मोबाइल से स्कैन कर सीधे यूटीएस (Unreserved Ticketing System) मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। यह ऐप यात्रियों को बिना लाइन में खड़े अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करेगा।

इस पहल से श्रद्धालु रेलवे स्टेशन पर भीड़ और लंबी लाइनों से बचते हुए सहजता से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। डिजिटल भुगतान के माध्यम से टिकट बुकिंग की यह प्रक्रिया न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि महाकुम्भ के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करेगी। रेलवे कर्मी हरे रंग की जैकेट पहनकर स्टेशन और विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर अपनी सेवाएं देंगे, जिससे श्रद्धालुओं को टिकट बुकिंग संबंधित सहायता हर जगह मिल सके। क्यूआर कोड स्कैन करने पर एक लिंक मिलेगा, जो सीधे यूटीएस ऐप पर ले जाएगा। इसके माध्यम से यात्री टिकट बुकिंग के साथ-साथ अन्य सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं। उत्तर मध्य रेलवे की यह पहल डिजिटल इंडिया की दिशा में एक कदम और महाकुम्भ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत साबित होगी। रेलवे का यह प्रयास तीर्थयात्रियों के अनुभव को और भी यादगार बनाएगा।

झारखंड सरकार की पहल: पूरे राज्य में मनाया जा रहा सड़क सुरक्षा माह

बिभा संवाददाता

बोकारो। 1 जनवरी 2025 से बोकारो में शुरू हुआ सड़क सुरक्षा मंथ सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन और मोटर वाहन निरीक्षक द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान पूरे महीने भर चलेगा और इसका मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता फैलाना है। सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे समाज और सरकार दोनों ही चिंतित हैं। इस अभियान में गांधीगिरी के तहत लोगों को गुलाब के फूल और पोस्टर देकर सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में समझाया जा रहा है। विशेष रूप से हेलमेट न पहनने वालों को यह समझाया जा रहा है कि हेलमेट सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अलावा, जो लोग यातायात नियमों का पालन करते हैं, उन्हें प्रशंसा और सम्मान भी दिया जा रहा है।

झारखंड सरकार द्वारा यह रोड सेफ्टी मंथ पूरे राज्य में मनाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक हों। इस अभियान के माध्यम से यह प्रयास किया जा रहा है कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी हो और लोग सुरक्षित यात्रा कर सकें। यदि हम सभी मिलकर सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें, तो हम सड़क दुर्घटनाओं में कमी ला सकते हैं और समाज को सुरक्षित बना सकते हैं।

खरसावां गोलीकांड के शहीद को दी गई श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

बोकारो। शहर के सेक्टर 12 स्थित जयपाल नगर में आदिवासी समुदाय ने खरसावां गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान शहीद स्मारक की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया। अध्यक्षता रेंगो बिरूआ ने किया। मौके पर योगो पूर्ती ने कहा कि एक जनवरी के दिन ही खरसावां हाट में 50 हजार से अधिक आदिवासियों की भीड़ पर ओड़िशा मिलिटरी पुलिस ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी। जिसमें 25 से 30 हजार लोग शहीद हुए। इस सभा स्थल में संविधान सभा के सदस्य जयपाल सिंह मुंडा स्वतंत्रता अधिनियम के तहत आदिवासी क्षेत्रों के करार की जानकारी देने पहुंचने वाले ही थे। लेकिन पुलिस ने भीड़ को घेर कर बिना कोई चेतावनी दिए निहत्थे लोगों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। आगे बताया कि खरसावां के इस ऐतिहासिक मैदान में एक कुआं था, भागने का कोई रास्ता भी नहीं था। कुछ लोग जान बचाने के लिए मैदान में मौजूद एकमात्र कुएं में कूद गए, पर देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। आदिवासी समुदाय के लोग खरसावां को आड़िशा में विलय किये जाने का विरोध कर रहे थे और खरसावां को बिहार में शामिल करने की मांग करे रहे थे। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज अपने इतिहास को जानने की कोशिश करें। साथ ही नए साल के त्योहार को त्याग करते हुए अपने वीर शहीदों को नमन व याद करें। मौके पर फुलजेंट एक्का, सोनाराम गोडसोरा, संजय कुमार, रानी गोडसोरा, दर्शन पूर्ती, नानिका पुर्ति, बासमती सोय, शंभु सोय, लक्ष्मी पुर्ति, दर्शन पुर्ति, संतोषी कालुडियां, प्रतिमा आल्डा आदि उपस्थित थे।

1 और 2 जनवरी आदिवासियों के लिए काला दिवस

बोकारो। पेटरवार आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से पेटरवार+2 हाईस्कूल मैदान में खरसावां के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्षता पेटरवार सेंगेल विडीयो विजय कुमार मारंडी ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि आदिवासी सेंगेल अभियान के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण मुर्मू ने कहा कि आज का दिन आदिवासी समाज के लिए काला दिन है। आज ही के दिन 1 जनवरी 1948 को खरसावां के बाजार टांड़ में हजारों आदिवासी जमा हो कर खरसावां जिला पश्चिमी सिंहभूम आदि को उड़ीसा राज्य में शामिल होने का विरोध कर रहे थे ।सभा को आदिवासी नेता जयपाल सिंह मुंडा संबोधित करने वाले थे। लेकिन उड़ीसा पुलिस ने शांति पूर्ण सभा कर रहे निहत्थे लोगों के उपर गोलियां चलाई और हजारों लोगों को मौत के घाट उतार दिया, भागदौड़ में बहुत से लोग वहां स्थित कुएं में गिर गाए। आजाद भारत के इतिहास में यह जलियांवाला बाग हत्याकांड से भी बड़ी घटना थी। जिनकी जांच भी तक नहीं हुई तथा उनको न्याय नही मिला ।उसी प्रकार 2 जनवरी 1948 को कलिंग नगर गोली कांड में तीन निहत्थे आदिवासियों को गोली मार दिया गया जो टाटा कम्पनी के द्वारा जबरन जमीन कब्जा करने का विरोध कर रहे थे। अपनी जमीन बचाने के लिए आन्दोलन करने पर उन्हें मार दिया गया। इसलिए 1और 2 जनवरी को आदिवासी समाज के लिए दु:ख का दिन है। सभा को सेंगेल मांझी परगना मंडवा प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र मोहन मार्डी सेंगेल सरना धर्म मंडवा प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार मुर्मू हजारीबाग जोनल अध्यक्ष विजय टुडू बोकारो महिला मोर्चा अध्यक्ष ललिता सोरेन ने भी संबोधित किया मौके पर पेटरवार प्रखंड युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय टुडू संयोजक हरिश्चन्द्र मुर्मू नमिता टुडू विनोद हेम्ब्रम चितमुनी मरांडी , सुनीता कुमारी,लालमुनी टुडू आदि लोग उपस्थित थे।

21वां बोकारो ओपन बास्केटबॉल चैंपियनशिप का हुआ समापन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो के जनवृत 12 स्थित बास्केटबॉल कोर्ट में 21वां बोकारो ओपन बास्केटबॉल चैंपियनशिप सोमवार को प्रारंभ हुआ। प्रतियोगिता में बोकारो की लगभग 30 टीमें भाग ली है। प्रतियोगिता में अंडर 14 बालक एवं बालिका, किड्स ग्रुप एवं सीनियर टीम भी भाग ली है। सभी मैच लीग मैच के आधार पर कराई गई है। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि अनुराधा सिंह विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर प्रिंसिपल ओरिएंटल पब्लिक स्कूल डॉ अमीर हुसैन थे। अनुराधा सिंह डॉ.आमिर हुसैन ने कहा कि इस तरह की आयोजन होने से बच्चों के अंदर जो प्रतिभा है वह बाहर निकलती है। इस आयोजन में वॉलीबॉल इंडिया कोच जयदीप सरकार,बास्केटबॉल इंडिया कोच डॉ उमाकांत सिंह का योगदान रहा। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ उमाकांत सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से नए खिलाड़ियों के प्रतिभा को निखारना, बास्केटबॉल के नए नियमों की जानकारी साझा करना, नए पुराने खिलाड़ियों का समावेश कराना मुख्य उद्देश्य है। यह प्रतियोगिता पिछले 21 वर्षों से लगातार अपने निर्धारित समय पर सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इसके आयोजन में सभी पुराने एवं नए खिलाड़ी बढ़ चढ़ कर भाग लेते हैं। प्रतियोगिता में ही बेहतर प्रदर्शन के आधार पर अंडर 14 16 के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों का चयन भी किया गया एवं चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए प्रशिक्षण दिया गया। खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 28 दिसम्बर एवं टीमों का चयन 29 दिसंबर को शाम में 5 बजे किया गया था। बालिका प्रतियोगिता मे द वारियर और होपर्स के बीच मुकाबला हुआ। द वारियर 13 और होपर्स 07 स्कोर रहा। जिसमे द वारियर विजेता रही। जूनियर बालक मे फाईव ब्रर्दस और द वारियर के बीच मुकाबला हुआ जिसमे फाईव ब्रर्दस का स्कोर 30 और द वारियर का स्कोर 32 रहा। जिसमे द वारियर विजेता रही। सिनियर बालक प्रतियोगिता मे टीम ब्रर्दस और बाँल विथ निशांत के बीच मुकाबला रहा। जिसमे टीम ब्रर्दस का स्कोर 34 और बाँल विथ निशांत का स्कोर 15 रहा। निशांत स्कोर विजेता रही। बेस्ट प्लेयर अरमान को दिया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए राम नारायण पंडित, राम लखन मिस्त्री, विजय मिंज,संजीव सिंह, मनिंदर कुमार,सुधीर कुमार, निखिल ओझा, रण विजय ओझा, बिनोद कुमार,हारून अंसारी, मुद्दसिर खान, कौशल सिंह, कुणाल सिंह, मदन तमांग, अविनाश, कमलकांत सिंह, नीरज कुमार, मनोज दुबे एवं सभी वरीय खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं दी।

दो बाइक की आपस में टक्कर, दो युवकों की मौत

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत पंजाबी कोठी के निकट पुलिया के पास बुधवार को दो बाईक की सीधी भिड़ंत से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में गोड्डा निवासी सुधांशु कुमार जायसवाल और सिदमा सोनुआ निवासी शोएब भुइयां शामिल है। शोएब भुईयां खूँटी में किराये के मकान में रहकर काम करता था। जो खूँटी आ रहा था। जबकि दूसरी ओर एक बुलेट मोटरसाइकिल से तीन लोग आकाश विक्की और सुधांशु हिरणी फॉल पिकनिक मनाने जा रहे थे। वहीं मुरहू के पंजाबी कोठी के पास दोनों तेजगति बाईक आपस में टकराया जिससे खूँटी का सोएब और राँची में रहनेवाला विद्यार्थी गोड्डा निवासी सुधांशु की मौत हो गयी। जबकि दो लोग आकाश और विक्की कुमार घायल हो गए। घायल आकाश कुमार ने बताया कि वह और उसका दोस्त सुधांशु कुमार रांची में विक्की के घर में डेरा पर रहकर पढ़ाई करते हैं और उसके घर के लोगों के साथ पिकनिक मनाने हिरणी फॉल जा रहे थे। बुलेट मोटरसाइकिल पर हमलोग तीन लोग सवार थे। इसी क्रम में सामने से आ रही बाइक के साथ टक्कर हो गई। जिससे सुधांशु कुमार की मौत हो गई है। घायल विक्की ने बताया कि सुधांशु ही बाइक चला रहा था। वहीं मुरहू पुलिस को जैसे ही जानकारी मिली तो घटनास्थल पर पहुँच कर जानकारी लिया। साथ ही एम्बुलेंस के द्वारा सभी को सदर अस्पताल खूँटी लाया गया। जहां चिकित्सकों ने दो की मौत करार दिया तथा पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

नववर्ष पर पिकनिक स्थलों पर उमड़ी भीड़, परिवारों और युवाओं के बीच सेल्फी का क्रेज

नव वर्ष पर लोगों ने पर्यटक स्थलों में मनाया पिकनिक

प्रमोद खण्डेलवाल

हजारीबाग। नए साल के जश्न के अवसर पर हजारीबाग शहर के विभिन्न पिकनिक स्पॉट्स पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। हर वर्ग के लोगों ने इस अवसर पर परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने का फैसला किया। शहर के प्रसिद्ध स्थल जैसे झील, कैफेटेरिया,कन्हरी पहाड़, जिला परिषद पार्क सहित अन्य पर्यटक स्थलों में सुबह से ही लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया।

नववर्ष के पहले दिन शहर के सभी पिकनिक स्थलों पर उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। परिवारों और दोस्तों के झुंड सुबह से ही इन जगहों पर उमड़ पड़े, जिससे पार्क, झील और गार्डन खचाखच भरे नजर आए। लोगों ने खुले आसमान के नीचे प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते हुए नए साल का स्वागत किया। पार्कों में बच्चों की चहल-पहल दिनभर बनी रही। झूले, स्लाइड्स और बोटिंग जैसी मनोरंजक गतिविधियां बच्चों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहीं। वहीं, युवाओं के बीच सेल्फी और ग्रुप फोटोग्राफी का जबरदस्त क्रेज देखने को मिला। हर ओर खिलखिलाहट और हंसी-ठिठोली की गूंज सुनाई दी। खास बात यह रही कि कई जगहों पर लाइव म्यूजिक, डांस परफॉर्मेंस और फूड स्टॉल्स ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। झीलों के किनारे बैठकर लोग सूर्यास्त का आनंद लेते नजर आए। नववर्ष की इस खास शुरुआत ने हर दिल को उमंग और ताजगी से भर दिया। निर्मल महतो पार्क नववर्ष के पहले दिन पर्यटकों की पसंदीदा जगहों में से एक रहा, जहां लोगों ने प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताए। हरी-भरी घास, सुंदर फूलों से सजे बाग और शांत वातावरण ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। परिवारों के साथ आए पर्यटकों ने पार्क के खुले मैदानों में समय बिताते हुए खुशनुमा माहौल का आनंद लिया। पार्क की खासियत बोटिंग का आयोजन रहा, जिसने सभी उम्र के लोगों का दिल जीत लिया। पार्क के हर कोने में बच्चों की हंसी और दोस्तों-परिवारों की बातचीत की गूंज सुनाई दी। निर्मल महतो पार्क, अपने अद्वितीय सौंदर्य और मनोरंजक गतिविधियों के कारण, इस दिन हर उम्र के लोगों के लिए यादगार स्थल साबित हुआ।

जिला परिषद पार्क की रौनक

दूसरी ओर, जिला परिषद पार्क में बच्चों के लिए झूलों और मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन किया गया था। यहां पर लोगों ने बैठकर पिकनिक मनाई, बच्चों ने झूलों का आनंद लिया और पूरे दिन रौनक बनी रही। पार्क में प्रशासन द्वारा स्वच्छता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया।

सुरक्षा और व्यवस्था पर प्रशासन की नजर

प्रशासन ने विभिन्न पर्यटक स्थलों पर उमड़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की थी। हर पार्क और पिकनिक स्पॉट पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके।

लोगों में दिखा सेल्फी का क्रेज

पिकनिक स्थलों पर युवाओं और बच्चों में सेल्फी लेने का जबरदस्त क्रेज देखने को मिला। हर खूबसूरत जगह और मनमोहक दृश्य के साथ तस्वीरें लेने की होड़ ने माहौल को और भी खास बना दिया। झीलों के किनारे, बगीचों के बीच, और झूलों के पास, हर ओर कैमरे की क्लिक सुनाई दे रही थी। युवाओं ने अपने दोस्तों और परिवार के साथ ग्रुप फोटोग्राफी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जबकि बच्चों ने मस्तीभरे पलों को तस्वीरों में कैद किया। सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा करने की होड़ ने इस उत्साह को और बढ़ा दिया। सेल्फी पॉइंट्स पर भीड़ इस कदर थी कि हर जगह खुशी और उत्साह का माहौल बना हुआ था। इन तस्वीरों के जरिए लोग न सिर्फ अपने खूबसूरत लम्हों को सहेज रहे थे, बल्कि नए साल की इन यादों को दुनिया के साथ साझा कर रहे थे।

दोपहर बाद पार्कों में उमड़ी भीड़

दोपहर बाद शहर के पार्कों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जहां हर तरफ उत्साह और उल्लास का माहौल दिखाई दिया। सुबह से ही लोग पार्कों में पहुंचने लगे थे, लेकिन दोपहर बाद यह संख्या कई गुना बढ़ गई। कुछ लोग परिवार के साथ साल के पहले दिन को यादगार बनाने पहुंचे थे, तो कई कपल्स ने नए साल के इस खास मौके पर पार्कों में क्वालिटी टाइम बिताया। बच्चों के चेहरे पर मस्ती और उमंग साफ झलक रही थी। पार्क में बच्चे अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट, फुटबॉल और बैडमिंटन जैसे खेलों का आनंद लेते नजर आए। झूले और स्लाइड्स पर उनकी चहचहाहट ने माहौल को और जीवंत बना दिया। हर तरफ हंसी-खुशी की गूंज और सजीवता का अहसास हो रहा था, जिससे यह दिन सभी के लिए यादगार बन गया।

नव वर्ष पर धार्मिक स्थलों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नव वर्ष के शुभ अवसर पर शहर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह से ही श्रद्धालु मंदिरों और पूजा स्थलों की ओर बढ़ते नजर आए। श्रद्धा और भक्ति के इस माहौल में सभी ने अपने-अपने आराध्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर नए साल की मंगलकामना की। शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों, जैसे नरसिंह स्थान, महावीर स्थान और रानी सती मंदिर में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ देखी गई। ओकनी साईं बाबा मंदिर में भी देर शाम तक भक्तों का आगमन जारी रहा। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने परिवार और समाज की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। पारंपरिक रीति-रिवाजों और भजन-कीर्तन के साथ, भक्तों ने नव वर्ष की शुरुआत धार्मिक आस्था के साथ की। इस पवित्र माहौल में गौसेवा और अन्नदान जैसी सामाजिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। नए वर्ष के पहले दिन की इस धार्मिक आस्था ने सभी को एकता, शांति और समर्पण का संदेश दिया।

बाजारों में रहा सन्नाटा, पर्यटक स्थलों पर नजर आए लोग

नव वर्ष के पहले दिन शहर के बाजारों में सन्नाटा छाया रहा, क्योंकि अधिकांश लोग खरीदारी की बजाय विभिन्न पर्यटक स्थलों पर समय बिताने में व्यस्त नजर आए। पार्क, झील और पिकनिक स्पॉट्स लोगों की चहल-पहल से गुलजार रहे। परिवार, दोस्तों और युवाओं के समूह ने प्रकृति के बीच दिनभर की मस्ती और सुकून का आनंद लिया। बच्चों ने झूलों, बोटिंग और खेलकूद में समय बिताया, जबकि युवा सेल्फी और ग्रुप फोटोग्राफी में मशगूल दिखे। झील किनारे बैठे लोग सूर्यास्त के मनमोहक दृश्यों का आनंद लेते देखे गए। पर्यटक स्थलों की रौनक ने पूरे माहौल को जीवंत कर दिया, जिससे बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ कम दिखाई दी। बाजारों की शांत गलियां इस बात का संकेत थीं कि लोग नए साल को प्रकृति और परिवार के साथ जोड़कर खास बनाने में जुटे थे। इन स्थलों पर उमड़ी भीड़ ने दिन को उत्साह और उमंग से भर दिया।

संक्षिप्त खबरें

हुरहुरु में लगातार हो रहे सड़क दुर्घटना से लोगों की जा रही जान

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के हुरहुरू में लगातार सड़क हादसे हो रहे है। सोमवार 31 दिसंबर को देर शाम हुरहुरु में सड़क हादसे में एक छात्र की मौत हो गई। आपको बताते चले कि मृतक की पहचान अजय कुमार के रूप में हुई है ।जो कि कोर्रा में रहकर पढ़ाई करता था ,साथ ही तंगी हालत के चलते मजदूरी भी करता था, बगोदर का रहने वाला था ! घटना मंगलवार 8.15 बजे की बताई गई है। घटना के बाद मृतक के परिजन और आस-पड़ोस के लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। साथ ही बीच सड़क पर आगजनी कर विरोध जता रहे थे। मौके पर तुरंत प्रशासन की गाड़ियां पहुंची । बता दें कि एन एच 33 से जुड़ा ये रास्ता होने के कारण लोग तेज गति से अपनी गाड़ियां चलाते है।

विद्यालय में सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर उपायुक्त को दिया आवेदन

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। उत्क्रमित मध्य विद्यालय में सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर झामुमो नेता सुनील कुमार, उप प्रमुख सतेंद्र कुमार, मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष रंजीत मेहता, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजेश मेहता, प्रखंड सचिव विक्की धवन, कन्हैया प्रसाद ने डीसी से मुलाकात कर मामले की जानकारी देते हुए आवेदन दिया। आवेदन के माध्यम से कहा कि विद्यालय के 6 कमरे अति जर्जर है विद्यालय में शेष 11 वर्ग कक्ष है जिसका उपयोग पठन-पाठन में किया जाता है। दीवार में दरार एवं छत से पानी का रिसाव होता है। विद्यालय सीडब्लुएसएन विकलांग बच्चों के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं है। सामान्य छात्र-छात्राओं के लिए केवल एक-एक यूनिट उपलब्ध है जो पर्याप्त नहीं है। विद्यालय मे किचन सेड उपलब्ध कराया जाए। चारदीवारी कराया जाए, डीप बोरिंग कराया जाए, अति जर्जर बिल्डिंग को धव्सत कर नया बिल्डिंग उपलब्ध कराया जाए। पुराने गेट की स्थिति जर्जर है नया गेट बनवाया जाए। सिझुवा उत्क्रमित मध्य विद्यालय में चारदिवारी एवं किचन सेड निर्माण को लेकर उपायुक्त से आग्रह कर जल्द से जल्द सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

सड़वाहा गांव में कुआं में डुबने से पांच लोगों की हुई घटना स्थल पर मौत, गांव में पसरा मातम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। चरही पंचायत के सड़वाहा गांव में कुआं में डूबने से पांच व्यक्ति की मौत की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। बताते चले की कुआ मोटरसाइकिल धोने को लेकर हुई विवाद में सुंदर करमाली व उनकी पत्नी के आपसी कहल में और विवाद के कारण गांव के अन्य व्यक्ति मौत हो गई। एक तरफ जहां पूरा गांव व आसपास नव वर्ष की ख़ुशी में सराबोर था तो वही दूसरी तरफ पति पत्नी की आपसी कलह में बचाने वाला व्यक्ति अपनी जान गवां दिया। जिसके कारण पूरा गांव मातम में पसर गया । इतनी बड़ी ख़ुशी के दिन में पूरा गांव मातम में पसर गया।बताते चले की यह घटना मोटरसाइकिल धोने को लेकर विवाद हुई जिसके कारण पति पत्नी में धक्का मुक्की में साफ सफाई कर रहे मोटरसाइकिल कुआं में जा गिरा और यह घटना हुआ सीधे कुआं में जा गिरा, जिसके कारण कुआं पूरा पेट्रोल से गैस भर गया । आनन फानन में गांव के ही सुंदर करमाली, पिता ईश्वर करमाली, राहूल करमाली पिता रवी करमाली, सुरज भुइयां पिता महाबीर भुईयां, विनय करमाली व पंकज करमाली पिता गोपाल करमाली एक ही परिवार के दो भाई बचाने को लेकर कुआं में कूद पड़े लेकिन बचाने वाला दुबारा बाहर नही निकल पाया जिसमें एक ही परिवार का दो शामिल है जिसके कारण घर का चिराग बूझ गया। बताते चले की आपसी पति पत्नी को बचाने को लेकर लेकर पांच दोस्त अपनी जान गवां दी। सभी का उम्र लगभग 25 से 28 वर्ष तक का बताया जा रहा है।सभी मृतक में चार करमाली समाज व एक भूईयां समुदाय से आता है। फ़िलहाल दो व्यक्ति को एम्बुलेंस के द्वारा इलाज के लिए संतावना के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। वही इस घटना के बाद मृतक परिवार में रो-रो कर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलत ही चरही थाना प्रभारी गौतम कुमार दल बल के साथ अपनी टीम के साथ पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले कर कागजी कार्रवाई कर सभी को सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

कृषि निदेशक का माधोपुर केज साइट का दौरा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। कृषि निदेशक ताराचंद आई ए एस द्वारा माधोपुर केज साइट का दौरा किया गया। इस दौरान केज कल्चर तकनीक से हो रहे मछली पालन की प्रगति का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर उपस्थित मत्स्य मित्र के साथ इस तकनीक के माध्यम से क्षेत्र में संभावित विकास एवं किसानों की आयवृद्धि पर चर्चा की। माधोपुर केज साइट जिले में मत्स्य पालन के क्षेत्र में नवाचार का एक बेहतरीन उदाहरण है। कृषि निदेशक के नेतृत्व और मार्गदर्शन से यह पहल क्षेत्र के किसानों को सशक्त बनाने और मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में सहायक होगी।इस दौरान जिला मत्स्य पदाधिकारी प्रदीप कुमार एवं मत्स्य मित्र उपस्थित थे।

लगातार दुसरे दिन बंद घर में चोरी कर पुलिस को दी चुनौती

प्रकाश पटवारी

रामगढ़। रामगढ़ जिले में लगातार दूसरे दिन तीसरे घर में चोरी कर पुलिस को मानों चुनौती दे दी है। जिला पुलिस ने 2024 में अनेकों चोरी व अन्य घटनाओं का उद्भेदन किया है वहीं चोरों ने वर्ष के अंत में पुलिस को एक के बाद एक तीसरे बंद घर में बड़ी चुनौती दे डाली है। आज नव वर्ष प्रातः जानकारी मिली कि रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत चोरों ने बंद घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। घर के मालिक अपने पूरे परिवार के साथ काठमांडू घूमकर गोरखपुर (युपी) पहुंचे थे कि घर में चोरी कि जानकारी बीती रात मिली। घर के मालिक तुलसी अग्रवाल को फोन के माध्यम से जानकारी मिलते ही वह सीधा अपने घर आज अपराह्न 12 बजे करीब पहुंचे। तुलसी अग्रवाल ने बताया कि उनके घर से डेढ़ लाख रुपए नगद, बीस ग्राम गोल्ड, सात सौ ग्राम चांदी, एक लैपटॉप व्यवसाय से संबंधित पांच पेन ड्राइव की चोरी हुई है। जिसकी कुल अनुमानित कीमत पांच छः लाख बताई जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आवास में रात्रि समय एक कर्मचारी को रहने के लिए जिम्मा दिया गया था जिसके दिनांक 31 दिसंबर कि रात्रि आठ नौ बजे के मध्य जब पहुंचा तो पाया कि घर का ग्रिल में लगा ताला टूटा हुआ है, इस पर कर्मचारी ने आस-पास के लोगों को इसकी जानकारी दी। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना रामगढ़ पुलिस को दी गई। रामगढ़ पुलिस पहुंच कर घटना की जांच कर रही है। आज अपराह्न गृह स्वामी के पहुंचने के बाद रामगढ़ पुलिस ने तुलसी अग्रवाल से पुरी जानकारी लेने पहुंची।

अंग्रेजी नववर्ष पर जुलजुल पहाड़ी एवं गौशाला में उमड़ा सैलानियों का जनसैलाब

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। अंग्रेजी नववर्ष पर हर कोई प्राकृतिक एवं मनोहारी स्थल का सैर कर सुकून का पल व्यतीत कर शानदार तरीके से नववर्ष का आगाज करते हुए दिखे। उत्साह एवं उमंग के साथ गौ सेवा का समाज में श्रद्धाभाव का अनोखा मिशाल पेश एवं संदेश देते हुए दिखे। बुधवार को हजारीबाग सदर प्रखण्ड अंतर्गत सखिया पंचायत स्थित जुलजुल पहाड़ी एवं गौशाला में अंग्रेजी नववर्ष पर सैलानियों का जनसैलाब उमड़ा। जुलजुल पहाड़ी की प्राकृतिक सुषमा से परिपूर्ण एवं मनोरम वादियों में सुकून का पल लोगों ने व्यतीत किया। पहाड़ी की शानदार दृश्य एवं नजारा में घंटों तक सैलानियों ने अपने परिवार एवं दोस्तों के संग बिताया। कई सैलानियों ने पहाड़ी की ऊची चोटी एवं तलहटी का सैर कर नववर्ष का आगाज शानदार तरीके से किया। नववर्ष की उत्साह एवं उमंग में लोग झुमते एवं गाते नजर आएं। जुलजुल पहाड़ी की मनोरम वादियों में सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित किया। जहां आकर्षण का केंद्र बना। जिसे दीदार कर उत्साह एवं उमंग में लीन रहे। इस दौरान फोटो खिंचवाने की तांता लगी रही।कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी द्वारा संचालित गौशाला में गौ भक्तों की भारी भीड़ रही। यहां गौ भक्तों ने गौमाताओं को गूड एवं चारा खिलाकर गौ सेवा का अनोखा मिशाल पेश किया। नववर्ष की उत्साह एवं उमंग में गौ सेवा के प्रति कई गौभक्ती दिखलाकर समाज में श्रद्धाभाव का संदेश दिया। गौ माताओं ने ममता, करुणा और वात्सल्य से गौ भक्तों को अपनी ओर आकर्षित किया। गौ सेवकों ने कहा कि गौ माता स्वास्थ्य और समृद्धि का आधार है। गौ सेवा से सुख-समृद्धि एवं खुशहाली का सौभाग्य प्राप्त होता है। गौ सेवकों ने हजारीबाग जिला वासियों से विशेष उत्साह एवं उमंग पर गौशाला में अवश्य गौ सेवा करने का अपील किया।

हत्या के बाद बवाल, पुलिस ने भांजी लाठियां

धनबाद। धनबाद में नए साल 2025 का पहला दिन बहुत अच्छा नही रहा। बुधवार की सुबह एक युवक के शव मिलने के बाद मामला इतना बढ़ा की पुलिस को लाठी चार्ज तक करना पड़ा। मामला धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के विकास नगर की है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बुधवार की सुबह नाले में एक युवक का शव मिला। मृतक के पहचान रवि कुमार के रूप में की गई। परिजनों ने बताया कि युवक शादीशुदा है, उसका एक बच्चा है और उसकी पत्नी गर्भवती भी है। युवक कोयला व्यवसायी पप्पू मंडल के यहां काम करता था। वहीं घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं परिजन आकाश नामक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। इसके बाद पुलिस उसे हिरास में लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं घटना के बाद मृतक के परिजन और ग्रामीण आरोपित को भीड़ को सौंपने की मांग को लेकर बैंक मोड़ थाना के सामने मुख्य सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन करने लगे। इससे सड़क पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई।

नववर्ष में दिउड़ी देवी के दर्शन को श्रद्धालुओं की उमड़ पड़ी भीड़, लगी लंबी कतार

बिभा संवाददाता

तमाड़। नववर्ष में प्राचीनकालीन दिउड़ी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हजारो श्रद्धालुओं ने नए साल में 16 भुजी माता के दर्शन के लिए पहुंचे। श्रद्धालु रात्री 12 से ही माता के दर्शन करने के लिए कतार में खड़े थे। कड़ाके की ठंड में मंदिर परिसर में श्रद्धालु माता के मंदिर में डटे रहे। मंदिर का पट सुबह तीन बजे खोला गया। दिउड़ी मंदिर की ख्याति झारखंड सहित पश्चिम बंगाल-उड़ीसा एवं मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ तक है। दूर-दराज से लोग रात को ही मंदिर पहुंच जाते हैं। कुछ लोगो ने बताया कि हम लोग दिल्ली, पुणे, महाराष्ट्र से माता के दर्शन करने पहुंचे हैं. मंदिर के प्रधान पुजारी नरसिंह पंडा एवं मनोज पंडा ने बताया दिउड़ी माता के प्रति लोगों का आस्था बढ़ता ही जा रहा है। और लोग माता की एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। भक्तों का कहना है सच्चे मन से जो भी यहां मांगी जाती है। उनकी मुराद पूरी होती है। लोगों ने बताया नववर्ष के पहले दिन माता के दर्शन कर लेने से साल भर मन को शांति मिलती है ओर सालभर सुख, शांति, समृद्धि मिलती है। दोपहर में विशेषआरती के पश्चात श्रद्धालुओं में खीर, खिचड़ी का वितरण किया गया। मंदिर परिसर में भंडारा का भी आयोजन किया गया। जिसे हजारो श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी रौशन कुमार झा ने बताया की दो दिन पूर्व से ही मंदिर परिसर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस पदाधिकारी और जवानो की तैनाती की गयी है।

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साया

ललित गर्ग

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रत्तर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी कल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

'मुफ्त की सौगात' राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी 'मुफ्त की संस्कृति' की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक 'विकासशील राष्ट्र' बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये?

आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे-भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का? दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं-जनता को पांच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल-अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा-चिकित्सा निःशुल्क होगी। ये राजनीतिक घोषणाएं पांच साल में अधूरी ही रहती है, फिर चुनाव की आहट के साथ रेवडियां बांटने का प्रयत्न किया जाता है, कितने ही पंचवर्षीय चुनाव हो गये और कितनी ही पंचवर्षीय योजनाएं पूरी हो गईं पर यह दुनिया का आठवां आश्चर्य है कि कोई भी लक्ष्य अपनी समग्रता के साथ प्राप्त नहीं हुआ।

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो, मुक्त बिजली-पानी हो, मुफ्त चिकित्सा हो, मुफ्त यात्रा हो, पुजारियों, मौलवियों एवं ग्रंथियों को मुफ्त वेतन हो- इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक-दूसरे को पछाड़ने की होड़-सी नजर आने लगी है। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले, रोजगार बढ़े, स्वरोजगार की स्थितियां बने। इस तरह देश साधन-सम्पन्न लोगों में मुफ्तखोरी की आदत डालना सही नहीं है। मुफ्तखोरी की राजनीतिक से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है और इससे देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का भी खतरा है।

संपादकीय

ट्रंप का हृदय परिवर्तन

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस का प्रशासन 20 जनवरी को कार्यभार ग्रहण कर लेगा। राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप का यह दूसरा कार्यकाल है। इस बीच दुनिया के विभिन्न देशों के विशेषज्ञ इस बात का लेखा-जोखा ले रहे हैं कि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से उन पर क्या असर पड़ेगा। ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान उनकी आर्थिक संरक्षणवाद, अवैध आव्रजन पर रोक तथा विश्व के अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा जिम्मेदारियां को कम करने की उनकी नीतियों का विदेशी और घरेलू मोर्चे पर व्यापक विरोध हुआ था। इस बार के चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्होंने अपनी संरक्षणवादी नीतियों को आगे बढ़ाने और आव्रजन नीतियों को सख्त करने का मुद्दा उठाया था। लेकिन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल में शामिल किए गए प्रमुख उद्योगपति टेस्ला के मालिक एलन मस्क और भारतीय मूल के तकनीकीविद विवेक रामास्वामी के हस्तक्षेप और विरोध के बाद एच 1 बी वीजा के प्रति ट्रंप का रुदय परिवर्तित हो गया है। उन्होंने एच 1 बी वीजा को कायम रखने की बात कह कर सबको चौंका दिया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह एक साक्षात्कार में कहा कि मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहा है। ट्रंप के इस बदले रुख से उनके रूढ़िवादी आधार में विभाजन हो गया है और दो गुट उभर आए हैं। एक गुट एच 1 बी वीजा पर पूर्ण प्रतिबंध चाहता है तो दूसरा इसे अमेरिका की जरूरतों के लिए अनिवार्य मानता है। ऐसा समझा जा रहा है कि विशेषकर एलन मस्क के कारण ट्रंप के रुख में बदलाव आया है। यह भारत से अमेरिका गए लाखों विशेषज्ञ और पेशेवरों के लिए राहत की बात है। अमेरिकी कंपनियां प्रत्येक वर्ष करीब 65 हजार पेशेवरों की नियुक्तियां करती हैं जिनमें 70 फीसद भारतीय होते हैं। जाहिर है कि इस पर प्रतिबंध लगाने से सबसे अधिक प्रभावित भारतीय ही होते। अमेरिका के लिए एच 1 बी वीजा इसलिए जरूरी है कि वहां इतने पेशेवर, कुशल तकनीशियन, चिकित्सक नहीं हैं जिनसे अमेरिकी कंपनियां अपने कारोबार का संचालन कर सके। हकीकत यह है कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी की दुनिया में शीर्ष पर लाने में प्रवासियों की बहुत बड़ी भूमिका है। एलन मस्क इस सच्चाई को जानते हैं। इसलिए उन्होंने एच 1 बी वीजा पर प्रतिबंध लगाने की नीति का जमकर विरोध किया। अगर इसमें कुछ कमियां हैं तो इसे सुधारा जाना चाहिए। बहरहाल, ट्रंप के रूप में आए बदलाव से भारत के पेशेवरों के साथ अमेरिकी हितों को भी लाभ होगा।

चिंतन-मनन

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपड़े सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया - गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा। उस स्त्री को सारी बात बता कर आश्वासन दिया कि तुम्हारे धर्म पर कोई आंच नहीं आएगी। इधर चेला रात भर कांपता रहा। सारी वासना काफूर हो गई। सुबह गुरुजी ने पूछा, तेरी इच्छा पूरी हुई? शिष्य ने आपबीती सुना दी। स्त्री को सम्मानपूर्वक सेठ के साथ रवाना कर महाराजजी ने शिष्य से कहा, मृत्यु की चिंता और चिंतन सदा करते रहना चाहिए। यही तुझे बचाएगी।

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनायर (अतिधनाडयों) की संख्या

प्रहलाद सबनानी

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है।लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनायर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनायर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनायर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनायर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनायर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनायर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनायर की सूची में 84 नए बिलिनायर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनायर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनायर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनायर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनायर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनायर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनायर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति। पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनायर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनायर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनायर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनायर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनायर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनायर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

भारतीय बिलिनायर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनायर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फि लिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है।

भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की सम्पत्ति न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

क्रिकेटः सवालों के घेरे में निर्णय की तकनीक

मनोज चतुर्वेदी

मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट में आखिरी दिन भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को जिस तरह से आउट दिया गया, उसने एक नई बहस छेड़.दी है कि क्या टेक्नोलॉजी के विपरीत फैसला देना उचित है। इस विवादास्पद फैसले का परिणाम पर क्या असर हुआ, यह अलग मसला है। हालांकि यशस्वी जिस समय आउट दिए गए, वह 84 रन पर खेल रहे थे और वह भारत को ड्रा की तरफ ले जाते नजर आ रहे थे। बहुत संभव है कि यह आउट नहीं दिया जाता तो मैच का परिणााम ड्रा रहता।

यशस्वी और ऋषभ पंत के खेलते समय भारत अच्छी स्थिति में नजर आने लगा था और ऑस्ट्रेलिया विकेट की जरूरत महसूस कर रहा था। इसी दौरान पैट कमिंस की लेग साइड़ पर ऊपर आती गेंद पर यशस्वी ने पुल करने का प्रयास किया और गेंद विकेटकीपर कैरी के ग्लब्स में चली गई। इस पर की गई अपील को अंपायर जोएल विल्सन के नकारे जाने पर पैट कमिंस ने ड़ीआरएस लिया। स्लो मोशन में थर्ड. अंपायर शरफुद्दौला को दिखा कि गेंद की ग्लब्स या बल्ले से लग कर दिशा बदली है। पर जब उन्होंने स्निको मीटर को देखा तो उसमें कोई हलचल नहीं दिखी। शरफुद्दौला ने गेंद की दिशा बदलने की वजह से आउट देने का फैसला किया जो विवादास्पद बन गया। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कमेंट्री करते समय इस फैसले पर नाखुशी जाहिर की। उनका कहना था कि जब आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं तो उसके हिसाब से ही फैसला करना चाहिए था यानी जब स्निको मीटर में कोई हलचल नहीं हुई तो यशस्वी को नॉट आउट दिया जाना चाहिए था क्योंकि मैदानी अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था। वैसे भी नियमों के मुताबिक थर्ड. अंपायर मजबूत साक्ष्य होने पर ही मैदानी अंपायर के फैसले को बदलता है और यहां स्पष्ट साक्ष्य नहीं था। वैसे भी कई बार गेंद देर तक स्विंग करती है, जिससे कई बार उसके बल्ले से लगने का भ्रम हो जाता है और इस मामले में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। गेंद बल्ले या ग्लब्स से लगती तो स्निकोमीटर में कोई न कोई हलचल जरूर होती। वहीं रवि शास्त्री ने तो कहा कि इस सीरीज में अंपायर ऑस्ट्रेलिया के लिए छठे गेंदबाज की भूमिका निभा रहे हैं। इस सीरीज के पर्थ टेस्ट में केएल राहुल के कैच नहीं दिए जाने के समय साफ दिख रहा था कि गेंद उनके बल्ले से लगी है, पर स्निको मीटर में हलचल नहीं दिखने की वजह से उन्हें कैच नहीं दिया गया था, इसलिए तकनीक को लेकर एकरूपता होनी चाहिए। अब सवाल है कि जब अंपायर स्निको मीटर को वरीयता दे रहे हैं तो उन्हें इस मसले पर भी यही नियम अपनाना चाहिए था। पिछले एक-दो दशक से फैसलों को त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से ही आईसीसी तनकीक के इस्तेमाल पर जोर दे रहा है पर जब तकनीक का सही इस्तमोल नहीं होगा तो खिलाड़ियों का इस पर से भरोसा उठ सकता है। अंपायर्स कॉल का काफी समय से विरोध होता रहा है। इसमें किसी फैसले को लेकर अंपायर क्या सोचता है, इसका खिलाड़ियों को कई बार नुकसान और कई बार फायदा होता है। इस नियम के हिसाब से यदि अंपायर ने किसी बल्लेबाज को एलबीड़ब्लयू दे दिया है और ड़ीआरएस लेने पर गेंद विकेट से छू गई है तो वह आउट हो जाएगा। दूसरी तरफ अंपायर ने आउट नहीं दिया है तो गेंद के विकेट को छू लेने भर से वह आउट हो जाएगा। इसलिए बेहतर हो कि गेंद विकेट को छू भर ले तो आउट दिया जाए, ऐसी तकनीक विकसित करके फैसलों को त्रुटिहीन बनाया। यशस्वी तीसरे अंपायर के फैसले से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए फैसला आने पर मैदान छोड़ने से पहले वह मैदानी अंपायरों से कुछ कहते सुने गए। इस पर मैदान में भारी तादाद मौजूद भारतीय समर्थक बेईमान-बेईमान के नारे बुलंद करते नजर आए। अच्छी बात है कि आज कहीं भी क्रिकेट खेली जाए भारतीय दर्शकों की मौजूदगी रहती ही है। मेलबर्न मैदान पर सर्वाधिक दर्शकों का 88 साल पुराना रिकॉर्ड.टूट गया। इस टेस्ट को देखने के लिए 376651 दर्शक पहुंचे। इससे पहले 1937 में ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड़ टेस्ट को 350534 दर्शकों ने देख कर रिकॉर्ड.बनाया था। इससे यह भी साबित होता है कि यदि टेस्ट मैचों में अच्छी क्रिकेट खेली जाए तो वहां भी दर्शकों को टोटा नहीं रहता। यशस्वी के

खिलाफ फैसले पर विवाद होने की वजह से तीखी प्रतिक्रियाएं जरूर आ रही हैं।

इस संबंध में पूर्व अंपायर साइमन टाफेल का कहना है कि मेरे विचार में फैसला आउट था और मेरी निगाह में तीसरे अंपायर ने फैसला सही किया। तकनीक प्रोटोकाल के साथ हम साक्ष्य भी देखते हैं। अगर अंपायर को लगता है कि गेंद की बल्ले से लगकर दिशा बदली है तो उसे तकनीक के उपयोग की जरूरत नहीं है। गेंद की दिशा में मामूली बदलाव भी महत्त्वपूर्ण साक्ष्य है। स्निको मीटर का संचालन बीबीजी स्पोर्ट्स करता है। इसके ड़ायरेक्टर वॉरेन ब्रिनेन का कहना है कि स्निको मीटर में हलचल नहीं होने पर मैंने ऑड़ियो ड़ायरेक्टर से पूछा तो उसने कहा कि किसी तरह की आवाज नहीं आई। वह कहते हैं कि ऐसी स्थिति में सिर्फ हॉट स्पॉट से ही किसी फैसले पर पहुंचा जा सकता था, लेकिन आईसीसी आजकल इसका इस्तेमाल नहीं कर रही है।

डलहौजी
के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

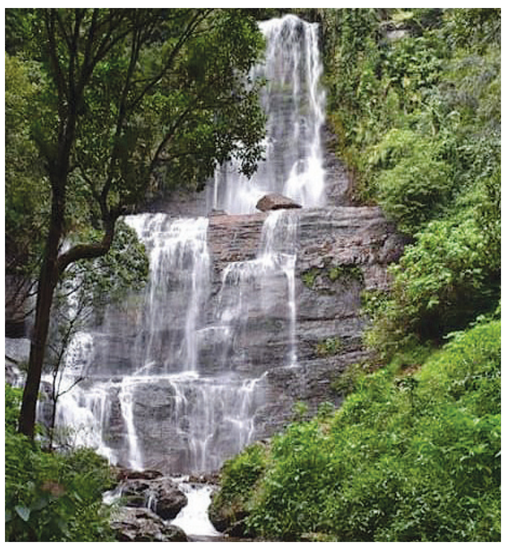

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़े ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत शृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

अब तक कुल 3 करोड़ 22 लाख घरों को मंजूरी, इसमें 2 करोड़ 68 लाख घर तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत अब तक कुल 3 करोड़ 22 लाख घरों को मंजूरी दी जा चुकी है। इसमें 2 करोड़ 68 लाख घर तैयार हैं। साल 2024 में 1 अप्रैल से मंजूर किए गए करीब 28 लाख घरों में से करीब 2 प्रतिशत का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि करीब 88 प्रतिशत के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी है। यानी 30 दिसंबर तक 54 हजार 582 घरों का निर्माण पूरा हो चुका है।

मोदी सरकार ने पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत 2024 तक पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं से लैस 2 करोड़ 95 लाख पक्के घर लोगों को देने का लक्ष्य रखा था। अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने 9 अगस्त 2024 को योजना का विस्तार किया और वित्त वर्ष 2024-25 से लेकर वित्त वर्ष 2028-29 के बीच ग्रामीण इलाकों में 2 करोड़ और आवास बनाने की मंजूरी दी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 30 दिसंबर 2024 तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कुल 3 करोड़ 33 लाख आवास अलॉट हुए थे। इसमें से राज्यों की ओर से औपचारिकताएं पूरी करने पर 3 करोड़ 22 लाख घरों के लिए स्वीकृति मिल चुकी थी। इसके अलावा, 3 करोड़ चार लाख घरों के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी थी और 2 करोड़ 68 लाख घर बनकर तैयार हो चुके थे। मंत्रालय के मुताबिक, 2024 में 1 अप्रैल से 30 दिसंबर के बीच 28 लाख 17 हजार 22 मकानों की मंजूरी दी गई। इसमें से 22 लाख 97 हजार 880 के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी थी और 30 दिसंबर तक 54 हजार 582 घरों का निर्माण पूरा हो चुका था। पीएम नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को इस योजना के 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को अनुदान की पहली किस्त जारी की थी और आवास प्लस ऐप भी लॉन्च किया था।

2024 में 242 गांवों में ऑल-वेदर रोड बनी

मंत्रालय ने बताया कि पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 2024 में 242 गांवों में ऑल-वेदर रोड बनाई गईं। इस योजना के तहत कुल 21,584 किलोमीटर सड़कों और 427 पुलों की मंजूरी दी गई। इसमें 19,606 किलोमीटर सड़कें बनाई गईं और 3,489 पुलों का निर्माण किया गया। इस दौरान राज्यों की हिस्सेदारी सहित कुल 17,415 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

नए साल में राजद का नया नारा, आओ चलें तेजस्वी संग, सरकार बनेगी अबकी यंग

पटना। नए साल पर नए पोस्टर और नए नारे के साथ लालू यादव की पार्टी आरजेडी ने विधानसभा चुनाव की तैयारी का आगाज कर दिया है। पटना स्थित राजद मुख्यालय के बाहर पोस्टर लगा है। जिसमें एक कविता के साथ हाल ही में तेजस्वी ने जिन योजनाओं की घोषणा की थी, उनका जिक्र है। पोस्टर में लिखा है कि आओ चलें तेजस्वी संग, सरकार बनेगी अबकी यंग। पोस्टर में तेजस्वी की फोटो दिख रही है। ये पोस्टर आरजेडी के प्रदेश महासचिव भाई अरुण ने लगवाया है। पोस्टर के द्वारा लोगों को नए साल की बधाई भी दी है। राजद के नए पोस्टर में लिखा है नया साल है नई उमंग, आओ जुड़ें राजद संग। 2500 रूपए माई-बहिन को, 1500 बुजुर्ग अभिभावक को। युवाओं को रोजगार मिलेगा, मुफ्त 200 यूनिट बिजली संग। आओ चलें तेजस्वी संग, सरकार बनेगी अबकी यंग। पोस्टर के भी कई मायने निकल रहे हैं। दरअसल बीते कई दिनों से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी सीएम नीतीश पर हमलावर हैं। उन्हें थका हुआ बता चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा था कि अब मुख्यमंत्री थक चुके हैं, खुद फैसले भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें हाईजैक कर लिया है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कहा था कि उन्हीं की पार्टी के चार नेता सरकार चला रहे हैं। बिहार चलाना अब उनके बस की बात नहीं है।

मृतक इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता सुप्रीम कोर्ट में जबाव दें, कर्नाटक हाईकोर्ट का निर्देश

बेंगलुरु । कर्नाटक हाईकोर्ट ने पिछले माह बेंगलुरु में आत्महत्या करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता को उनकी पुत्रवधू और मामले में आरोपी निकिता की न्यायिक हिरासत के बारे में सुप्रीम कोर्ट को जवाब देने का निर्देश दिया है सुप्रीम कोर्ट नाबालिग पोते की अभिरक्षा मांग रहीं सुभाष की मां की याचिका पर सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदार ने निकिता की याचिका पर सुभाष के पिता को निर्देश दिया। कथित आरोपी निकिता ने खुद को गिरफ्तार करने और पति की मौत के बाद उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करने को चुनौती दी है। निकिता के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल की गिरफ्तारी गैर-कानूनी है और पुलिस गिरफ्तारी का आधार बताने में विफल साबित हुई है। कुमार ने निकिता को अंतरिम जमानत देने का अनुरोध कर कहा कि आरोपी को शीर्ष अदालत में खुद का बचाव करने की जरूरत है। हालांकि राज्य लोक अभियोजक-2 ने जांच का विवरण प्रदान करने के लिए छह जनवरी तक का समय मांगा। सुनवाई के दौरान निकिता के वकील ने कहा कि निचली अदालत ने उसकी और अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए चार जनवरी की तारीख तय की है।

जलगांव में मंत्री की कार से टक्कर लगने पर हंमागा, 6 गाड़ियां, 15 दुकानें फूंकी

जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव के पारधी में साल 2024 की रात मंत्री गुलाब राव पाटिल के समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद भीड़ ने 6 गाड़ियों और 15 दुकानों में आग लगा दी। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। इसके बाद जलगांव में 2 जनवरी सुबह 6 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंत्री गुलाब राव पाटिल की गाड़ी में उनका परिवार नए साल के जश्न में शामिल होने गया था। ड्राइवर ने हॉर्न बजाने और टक्कर लगने पर गांव वालों से बहस हो गई। झगड़े की खबर लगते ही गांव के कुछ लोग और शिवसेना के कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए। इसके बाद वहां खड़ी गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी गई। पुलिस ने 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने 8 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एडीशनल एसपी कविता नेरकर ने बताया कि 20 से 25 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धरणगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। जलगांव के कई इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है। स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

सलझंडी में सूर्यकिरण युद्धाभ्यास में जुटीं भारत-नेपाल की सेनाएं

नई दिल्ली। भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच सलझंडी (नेपाल) में सूर्यकिरण युद्धाभ्यास की शुरुआत हुई। यह 13 जनवरी 2025 तक चलेगा। सेना ने बताया कि दोनों देशों की पैदल सेना की बटालियन एक साथ अंतर-संचालनीयता और अनुभवों को साझा करने के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण करेंगे। युद्ध के अपरंपरागत खतरों जैसे आतंकवाद से मुकाबले, आतंकी अभियानों और मानवीय सहायता व आपदा राहत अभियान इसका हिस्सा होंगे। युद्धाभ्यास की शुरुआत के लिए नेपाली सेना की तरफ से एक पारंपरिक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भारत और नेपाल के सैन्य दस्ते अपनी-अपनी सैन्य धुनों के साथ कदमताल करते हुए समारोह स्थल तक पहुंचे। नेपाल सेना के मध्य पश्चिमी डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल प्रेम बहादुर गुरुंग ने समारोह को संबोधित करते हुए दोनों सैन्य टुकड़ियों से एक-दूसरे के जरूरी अनुभवों से लाभ लेने की अपील की। युद्धाभ्यास से दोनों सेनाओं की अंतर-संचालनीयता से आपसी भाईचारे की भावना बढ़ेगी। मालूम हो कि भारतीय सेना की टुकड़ी 29 दिसंबर को नेपाल पहुंच गई थी।

नए साल के पहले दिन भूकंप से थर्राई कच्छ की धरती, कोई नुकसान नहीं

अहमदाबाद । नए साल 2025 के पहले दिन ही सीमावर्ती जिले में भूकंप का झटका महसूस किया गया। कच्छ के भचाऊ में भूकंप के झटके से लोगों में दहशत फैल गई। हांलाकि भूकंप मामूली तीव्रता का होने से किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक आज नए साल 2025 के पहले दिन कच्छ जिले के भचाऊ में भूकंप से जमीन थर्रा उठी। भूकंप का केंद्र भचाऊ से 23 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में दर्ज किया गया। अचानक आए भूकंप के झटके के बाद लोग घर से बाहर निकल आए। हालांकि भूकंप से किसी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा। सुबह 10 बजकर 24 मिनट पर 3.2 तीव्रता का भूकंप आया।

मौसम विज्ञान विभाग का का दावा, 1901 के बाद से 2024 भारत में रहा सबसे गर्म साल

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 1901 में रिकॉर्ड रखने की शुरुआत के बाद से वर्ष 2024 को आधिकारिक तौर पर भारत में सबसे गर्म वर्ष घोषित किया गया है। देश में औसत न्यूनतम तापमान का अनुभव हुआ जो लंबी अवधि के औसत से 0.90 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जो जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करता है। एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में, आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने खुलासा किया कि 2024 में वार्षिक औसत भूमि सतह हवा का तापमान दीर्घकालिक औसत (1991-2020 अवधि) से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक था। इसने 2016 में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जब औसत तापमान सामान्य से 0.54 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस के अनुसार, 2024 विश्व स्तर पर सबसे गर्म वर्ष होने की उम्मीद है, जिसमें औसत तापमान पहली बार पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस की महत्वपूर्ण सीमा को पार कर जाएगा। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन और क्लाइमेट सेंट्रल की एक संयुक्त समीक्षा में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि 2024 में पिछले वर्षों की तुलना में दुनिया भर में औसतन 41 अतिरिक्त दिनों की खतरनाक गर्मी देखी गई।

बांग्लादेशी हिंदुओं को लेकर सीएम सरमा का बड़ा बयान, पीएम मोदी स्थिति को सुधारने में जुटे

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बांग्लादेशी हिंदुओं के भारत में आने को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। सीएम सरमा ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं की संख्या बहुत कम है और जो आना चाहते थे, वे 40 साल पहले ही आ चुके हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, मुझे लगता है कि हमें उन्हें भारत आने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार बांग्लादेश में सुरक्षा सुनिश्चित करने और वहां की स्थिति को स्थिर बनाने के लिए वहां की सरकार से संपर्क में हैं। बांग्लादेश के हिंदू भी परिपक्वता से काम कर रहे हैं।

असम सीएम ने दावा किया कि पिछले पांच महीनों में असम में किसी भी बांग्लादेशी हिंदू के आने की सूचना नहीं मिली है। मुख्यमंत्री का यह बयान अब आया है जब असम में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन (एनआरसी) का मुद्दा गरम है।

पिछले माह असम के मुख्यमंत्री ने कहा था कि असम पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में पांच बच्चों सहित 22 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद 16 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया, वे दक्षिण सलमार जिले की ओर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि जांच के बाद पता चला कि पकड़े गए लोग बांग्लादेशी थे।

साल 2024 में यूपी पुलिस ने तीन आतंकियों समेत 217 का किया एनकाउंटर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस के वार्षिक लेखाजोखा देर शाम को जारी किया गया। जिसमें पिछले सात साल के अंदर किये गये कार्यों का ब्योरा दिया गया था। सात साल में पुलिस ने 217 अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। इसी वर्ष पंजाब पुलिस के साथ यूपी पुलिस ने खालिस्तान के तीन आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया।

वहीं, गैंगस्टर के तहत माफिया व अन्य अपराधियों की 140 अरब रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त कर ली। साथ ही 7546 अपराधियों को सजा दिलाई है। यूपी पुलिस द्वारा जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक 20 मार्च 2017 से 28 दिसम्बर 2024 तक 217 अपराधी मुठभेड़ में ढेर किए गए। पुलिस ने 7799 बदमाश को पैर में गोली मार कर घायल कर गिरफ्तार किया। 17 पुलिसकर्मियों की जान चली गई और 1644 पुलिस कर्मी घायल हुए। 924 अपराधियों पर रासुका की कार्रवाई की गई।

लखनऊ के चिनहट स्थित आईओबी बैंक के दो बदमाशों को मार गिराया और कई आरोपितों को गिरफ्तार कर घटना का दो दिन में ही खुलासा कर दिया। पुलिस ने सुलतानपुर जिले में सराफा कारोबारी की दुकान में डकैती डालने वाले एक लाख रुपए के इनामी मंगेश यादव का भी एनकाउंटर किया। चिह्नित माफिया गिरोहों के 1391 सदस्यों को जेल भेजा गया। महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम कर रहे एंटी रोमियो टीम ने 18,926 आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की। पूरे प्रदेश में 212 अवैध टैक्सी स्टैण्ड हटाये गए। यूपी पुलिस कानून व्यवस्था के मामले में बेहतर रही है। वर्ष 2024 में अयोध्या राम मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में यूपी पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था बेहतर रही है। वहीं टी-20 क्रिकेट मैच जैसे आयोजनों का सकुशल कराकर यूपी पुलिस ने काफी प्रशंसा बटोरी। बहराइच और संभल में हिंसा भड़कने पर पुलिस ने सक्रियता दिखाई। पुलिस ने तत्काल सख्त कार्रवाई करते हुए हालात पर काबू पाया।

वर्ष 2025 उत्तराखंड के लिए नई उपलब्धियों वाला ऐतिहासिक वर्ष होगा: सीएम धामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नववर्ष के अवसर पर शुभकामनाएं दीं है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस वर्ष को नई उपलब्धियों के साथ ऐतिहासिक वर्ष बनाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस वर्ष उत्तराखंड पूरी तरह युवा हो जाएगा, क्योंकि राज्य अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर लेगा। उन्होंने कहा कि युवा राज्य पूरे जोश और उत्साह के साथ नई गति प्राप्त करेगा। एएनआई से बात करते हुए धामी ने कहा, 'मैं सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं... हम सभी को प्रधानमंत्री की प्रेरणा से इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाना है। उत्तराखंड का हर निवासी यह सुनिश्चित करने में योगदान देगा कि उत्तराखंड हर क्षेत्र में अग्रणी हो... नया साल नई उपलब्धियों के लिए होगा और हमारा संकल्प पूरा होगा और हम राज्य के रजत जयंती वर्ष में कई उपलब्धियां हासिल करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हमारे सभी सरकारी विभाग भी इसमें पूरे मनोयोग से काम करेंगे। हम इस वर्ष को नई उपलब्धियों के साथ ऐतिहासिक वर्ष बनाएंगे, क्योंकि हम 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं और 25 वर्षीय उत्तराखंड आज पूरी तरह युवा हो गया है और युवाओं को पूरे जोश और उत्साह के साथ नई गति मिलेगी।' भारत ने वर्ष 2025 का स्वागत पूरे देश में जश्न के साथ किया, क्योंकि विभिन्न शहरों में लोगों ने इस अवसर को हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया। कई शहरों में पार्टियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लाइव संगीत प्रदर्शनों और थीम आधारित सजावट के साथ नए साल का जश्न शुरू हो गया। दिल्ली में हौज खास, कनॉट प्लेस और लाजपत नगर जैसी मशहूर जगहों पर नए साल का जश्न मनाने वालों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुरक्षित जश्न सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम कर रखे थे। पंजाब के अमृतसर में लोग नए साल का स्वागत करने के लिए स्वर्ण मंदिर में एकत्र हुए। कई शहरों के होटलों में भी इस अवसर पर विशेष समारोह आयोजित किए गए। मध्य प्रदेश के भोपाल में लोग 2025 का स्वागत करते हुए सड़कों पर नाचते हुए देखे गए। इसी तरह लखनऊ में भी लोगों ने रात 12 बजते ही नाचते हुए जश्न मनाया।

सनातन धर्म वाली टिप्पणी पर कायम हूं, बीजेपी के हमलों के बीच पिनाराई विजयन ने एक फिर किया साफ

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी पर अड़े हैं, जो उन्होंने शिवगिरी तीर्थयात्रा के उद्घाटन के दौरान की थी। तिरुवनंतपुरम में मुख्यमंत्री द्वारा बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में पिनाराई विजयना ने कहा कि वह अपना बयान नहीं बदलेंगे। उन्होंने कहा मैंने कल जो कहा था, मैं उस पर कायम हूं। वे श्री नारायण गुरु को सनातन धर्म के प्रवक्ता के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह सही नहीं है। उन्होंने भाजपा के उन आरोपों का भी जवाब दिया कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं। अगर यह वोट-बैंक की राजनीति है, तो क्या मुझे कुछ और नहीं कहना चाहिए? मैंने जो कहा वह यह था कि श्री नारायण गुरु को संतान धर्म का प्रवक्ता बनाने का प्रयास न करें।

केरल के मुख्यमंत्री को तिरुवनंतपुरम जिले के वर्कला शहर में शिवगिरी तीर्थयात्रा के संबंध में एक कार्यक्रम में दिए गए अपने बयानों के लिए भाजपा नेताओं की भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। वार्षिक तीन दिवसीय शिवगिरी तीर्थयात्रा 30 दिसंबर को शुरू हुई, और यह श्री नारायण गुरु के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सनातन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण अंग 'चतुर्वर्ण्यम्' पर आधारित 'वर्णाश्रम धर्म' है। इसने क्या कायम रखा है? किसी की जाति के आधार पर नौकरियाँ। लेकिन श्री नारायण गुरु ने क्या किया है? उन्होंने किसी के धर्म के आधार पर नौकरी करने की धारणा को खारिज करने को कहा।

विजयन ने यह भी कहा कि (श्री नारायण) गुरु सनातन धर्म के प्रवक्ता या अभ्यासकर्ता नहीं थे। बल्कि, वह एक भिक्षु था जिसने उस धर्म को तोड़ा और नए युग के लिए नए युग के 'धर्म' की घोषणा की। वह समाज सुधारक को सनातन धर्म के समर्थक के रूप में चित्रित करने के प्रयास की निंदा कर रहे थे।

भाजपा सत्ता में आई तो संदेशखली मामले की जांच होगी और ममता जेल जाएंगी

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने पर भाजपा संदेशखली में हुए अत्याचारों की जांच के लिए एक आयोग का गठन करेगी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को जेल भेजेगी। भाजपा नेता अधिकारी ने यह बयान संदेशखाली में दिया। ज्ञात हो कि एक दिन पहले सीएम ममता बनर्जी ने इस इलाके का दौरा किया था। संदेशखली में भाजपा के एक आउटरीच कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने सीएम ममता पर शाहजहां शेख जैसे स्थानीय टीएमसी नेताओं के खिलाफ विरोध करने के लिए लोगों को दंडित करने के लिए 2024 के चुनावों से पहले क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बनर्जी ने लोगों से कहा है कि जो कुछ भी हुआ है उसे भूल जाएं, संदेशखली के लोग इसे नहीं भूलेंगे। मैं भी नहीं भूलूंगा। अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो संदेशखली घटनाओं की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपने संदेशखली की महिलाओं को फंसाया था और जेल भेजा था, महिलाओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने पर भाजपा आपको भी जेल भेजेगी। भाजपा नेता अधिकारी ने कहा कि हम कानून के आधार पर बदला लेंगे और संविधान की सीमा के भीतर रहेंगे।

फरवरी 2024 में संदेशखाली के इलाके में कुछ स्थानीय टीएमसी नेताओं पर आरोप लगे थे कि उन्होंने महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया था और जमीन हड़प लिया था। इस घटना का जिक्र करते हुए सीएम ममता ने सोमवार को कहा था, मुझे पता है कि इसके पीछे एक बड़ा खेल था और इसमें पैसे का प्रभाव भी था, लेकिन बाद में लोगों को एहसास हुआ कि पूरा मामला झूठा है। सच्चाई आखिरकार सामने आती है। जो बीत गई सो बात गई। मैं इन बातों को मन में नहीं रखना चाहती हूं।

मुंबई हमले का आरोपी जल्द लाया जाएगा भारत, अमेरिका अदालत ने दी प्रत्यर्पण की इजाजत

-राणा ने मुम्बई हमलों के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी

मुंबई (एजेंसी)। 26/11 मुम्बई आतंकी हमलों में शामिल तहव्वुर राणा को जल्द भारत लाया जा सकता है। राणा को भारत लाने की प्रक्रिया राजनयिक चैनलों के जरिए मिल रही है। बता दें अगस्त 2024 में अमेरिकी अदालत ने फैसला सुनाया कि राणा को दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। अदालत ने तब राणा की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने मुम्बई आतंकी हमलों में अपनी संलिप्तता के लिए भारत को प्रत्यर्पित करने का विरोध किया था। अदालत ने माना कि भारत ने राणा के खिलाफ पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत किए थे, जिससे यह साबित होता है कि प्रत्यर्पण आदेश सही था।

राणा का नाम मुम्बई पुलिस ने 26/11 हमलों के संबंध में अपनी चार्जशीट में शामिल किया था। उस पर पाकिस्तान की इंटरसर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सक्रिय सदस्य के रूप में काम करने का आरोप है। चार्जशीट में कहा गया है कि राणा ने मुम्बई हमलों के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी, जिसने हमलों के लिए मुम्बई में जगहों की रेकी की थी।

अदालत ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण संधि में नॉन-बिस इन आइडम अपवाद है। यह तब लागू होता है जब आरोपी को उस अपराध के लिए पहले ही दोषी ठहराया या बरी किया जा चुका हो। अदालत ने यह भी कहा कि राणा के खिलाफ भारत में लगाए गए आरोप अमेरिकी अदालतों में उनके खिलाफ चलाए गए मामलों से अलग हैं, इसीलिए नॉन-बिस इन आइडम अपवाद लागू नहीं होता।

26/11 मुम्बई आतंकी हमलों के करीब एक साल बाद एफबीआई ने शिकागो में राणा को गिरफ्तार किया था। राणा और उसके साथी डेविड कोलमैन हेडली ने मिलकर मुम्बई हमलों के लिए जगहों की रेकी की थी और पाकिस्तान के आतंकवादियों को हमले को अंजाम देने के लिए खाका तैयार किया था।

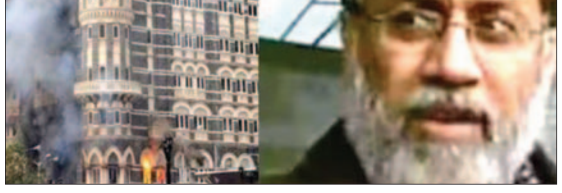

एअर इंडिया की कुछ घरेलू फ्लाइट्स में अब वाई-फाई की सुविधा भी

मुंबई ।

एअर इंडिया की कुछ घरेलू फ्लाइट्स में अब वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। फिलहाल ये सर्विस एयरबस, बोइंग 787-9 और कुछ ए321 निओ विमानों में ही मिलेगी। एअर इंडिया घरेलू फ्लाइट्स में वाई-फाई इंटरनेट सर्विस देने वाली देश की पहली एयरलाइन बन गई है।

इंट्रोडक्टरी पीरियड के लिए वाई-फाई फ्री है और समय के साथ धीरे-धीरे इसे बेड़े के अन्य विमानों में शामिल किया जाएगा। इन-फ्लाइट वाई-फाई 10,000 फीट से ऊपर होने पर एक साथ कई डिवाइस कनेक्ट करने की अनुमति देगा। ये सर्विस सैटेलाइट कनेक्टिविटी और गवर्नमेंट रेस्ट्रिक्शन्स जैसे फैक्टर्स पर निर्भर करेगी।

अभी तक वाई-फाई सर्विस एयरबस ए350, चुनिंदा एयरबस ए321 नियो और बोइंग बी787-9 विमानों में पायलट प्रोग्राम के तहत इंटरनेशनल रूट पर मिलती थी। सक्सेसफुल पायलट रन के बाद अब सर्विस को घरेलू रूट पर शुरू किया जा रहा है।

डिवाइस में वाई-फाई ऑन करने के बाद एअर इंडिया वाई-फाई नेटवर्क सिलेक्ट करें, नेटवर्क सिलेक्ट करने के बाद डिवाइस के ब्राउजर में एअर इंडिया पोर्टल ओपन होगा, पीएनआर और लास्ट नेम जैसी जानकारी भरने के बाद इंटरनेट एक्सेस कर सकते है।

एअर इंडिया के प्रमुख ग्राहक अनुभव ऑफिसर ने बताया कि कनेक्टिविटी अब मॉडर्न ट्रैवल का एक अभिन्न अंग है। कुछ के लिए, यह रियल-टाइम शेयरिंग करने की सुविधा और कंफर्ट के बारे में है, जबकि अन्य के लिए, यह ज्यादा प्रोडक्टिविटी और एफिशिएंसी के बारे में है। उद्देश्य जो भी हो, हमें विश्वास है कि हमारे गेस्ट वेब से जुड़ने के विकल्प की सराहना करते और इन विमानों में एअर इंडिया के नए अनुभव का आनंद ले सकते है।

एयरक्राफ्ट एंटीना- हवाई जहाज में एक स्पेशल एंटीना होता है जिसे डेटा सिग्नल भेजने और रिसीव करने के लिए तैयार किया गया है। यह एंटीना आमतौर पर हवाई जहाज के टॉप पर स्थित होता है और जमीन पर स्थित सेलुलर टावरों या सैटेलाइट से जुड़ता है।

गुजरात की कंपनी ने पांच साल में निवेशकों को बना दिया करोड़पति

शेयरों में लगा रहा अपर सर्किट, कंपनी का मार्केट कैप 1.71 हजार करोड़

नई दिल्ली।

साल 2024 के आखिर दिन जहां शेयर मार्केट में गिरावट देखने को मिली वहीं कुछ शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। ऐसे ही एक शेयर में मंगलवार को अपर सर्किट लगा। इसने निवेशकों को पांच साल से भी काफी कम समय में करोड़पति बना दिया है। इस शेयर का नाम है मर्करी ईवी-टेक लिमिटेड।

यह गुजरात की कंपनी है। इस कंपनी के शेयर में मंगलवार को पांच फीसदी का अपर सर्किट लगा।

शेयर की कीमत 90 रुपए हो गई है। कंपनी का मार्केट कैप 1.71 हजार करोड़ रुपए है।

पिछले 6 महीने में इस कंपनी के शेयर ने निवेशकों को 26.57 फीसदी का फायदा दिया है। वहीं एक साल के रिटर्न को देखें तो इसने निवेशकों का नुकसान किया है। एक साल में इसमें 22.78 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले एक साल में इस शेयर ने बेशक निवेशकों का नुकसान किया हो, लेकिन तीन साल में इसने करोड़पति बना दिया है। 31 दिसंबर 2021 को इसके शेयर की कीमत 85 पैसे थी। अब इसकी कीमत बढ़कर 90 रुपए हो गई है। ऐसे में तीन वर्षों में इसने 10493 फीसदी रिटर्न दिया है।

तीन साल पहले इसमें अगर एक लाख रुपए निवेश किए होते तो आज उनकी वैल्यू एक करोड़ रुपए ज्यादा होती यानी आप एक लाख रुपएनिवेश करके तीन साल में करोड़पति बन चुके होते।

इस शेयर ने पांच साल में 25625 फीसदी रिटर्न दिया है। पांच साल पहले इसके शेयर की कीमत मात्र 35 पैसे थी। अगर आपने पांच साल पहले इसमें एक लाख रुपए निवेश किए होते तो आज उनकी वैल्यू ढाई करोड़ रुपए से ज्यादा होती।

विश्लेषण में दिए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं।

किसी भी बैंक से निकाल सकते हैं पेंशन

नए साल में 10 बड़े वित्तीय परिवर्तन

नई दिल्ली ।

1 जनवरी 2025 से कई बड़े वित्तीय बदलाव किए गए हैं इसमें पेंशनर को सबसे ज्यादा लाभ है इसके साथ ही किसानों को बिना गारंटी दो लाख रुपए लोन की सीमा को बढ़ाया गया है। यूपीआई के माध्यम से अब 10000 रूपये तक का भुगतान किया जा सकता है।

- फीचर फोन यूजर्स के लिए यूपीआई के माध्यम से लेनदेन की सीमा को 5000 से बढाकर 10000 कर दिया गया है। यूपीआई लाइट के लिए भी प्रति लेनदेन अधिकतम सीमा 500 रूपये से बढ़कर 1000 रूपये कर दी गई है।
- किसान बिना किसी गारंटी के अब 200000 रूपये तक का लोन ले सकेंगे। पहले यह सीमा 1.6 लाख थी।
- ईपीएफओ के 78 लाख से ज्यादा पेंशन भोगी किसी भी बैंक की ब्रांच से अपनी पेंशन निकाल सकेंगे।
- 1 जनवरी से मारुति सुजुकी हुंडई महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और अन्य वाहन की कीमतें 2 से 4 फीसदी तक महंगी हो जाएंगी।
- बैंक और एनबीएएफसी वित्तीय संस्थाओं को अब एक माह के स्थान पर हर 15 दिन में क्रेडिट स्कोर को अपडेट करना होगा।
- जीएसटी पोर्टल पर एक्सेस के लिए अब कारोबारी को ओटीपी जैसे मल्टी फैक्टर पहचान को जरूरी बनाया गया है।
- जीएसटी के ई वे बिल अब 180 दिनों के भीतर जारी किए गए दस्तावेज के आधार पर ही बनाने की अनुमति होगी।
- बीएससी और बैंक के सेंसेक्स के साप्ताहिक अनुबंध को शुक्रवार के स्थान पर मंगलवार कर दिया गया है।
- राशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने 31 दिसंबर 2024 तक अपना केवाईसी अपडेट नहीं कराया है। उनके राशन कार्ड रद्द हो गए हैं। अब उन्हें राशन नहीं मिलेगा।
- अमेरिका के इमिग्रेंट वीजा के लिए एक बार अपॉइंटमेंट रीशेड्यूल करने पर अब अलग से शुल्क नहीं लगेगा।

व्हाट्सएप करेगा यूपीआई सर्विस का विस्तार, यूजर्स कर सकेंगे आसानी से पेमेंट

-एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे पर लगी यूपीआई यूजर्स की लिमिट हटाई

नई दिल्ली।

व्हाट्सएप यूज करने वाले यूजर्स के लिए नए साल के शुरुआत होते ही गुड न्यूज आई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने व्हाट्सएप पे पर लगी यूपीआई यूजर्स की लिमिट हटा दी है। एनपीसीआई ने कहा है कि इस सीमा को हटाए जाने के साथ ही व्हाट्सएप पे अब भारत में अपने सभी यूजर्स तक यूपीआई सर्विसेज का विस्तार कर सकेगा।

इससे पहले एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे को चरणबद्ध तरीके से अपने यूपीआई यूजर बेस का विस्तार करने की इजाजत दी थी। पहले यह सीमा 10 करोड़ यूजर्स तक थी जिसे एनपीसीआई ने अब हटा दिया है। एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे पर यूजर्स को जोड़ने की सीमा पर लगी पाबंदी हटा दी है। हालांकि व्हाट्सएप पे इस समय थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स पर लागू सभी यूपीआई दिशा-निर्देशों और परिपत्रों का पालन करना जारी रखेगा। एनपीसीआई भारत में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस स्ट्रक्चर को कंट्रोल करता है। यह देश में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली (आईबीए) के संचालन की मूल इकाई है। व्हाट्सएप के भारत में 50 करोड़ से भी ज्यादा यूजर्स हैं।

इसके लिए आपके स्मार्टफोन पर व्हाट्सएप का लेटेस्ट वर्जन होना चाहिए। व्हाट्सएप खोलिए और पेमेंट्स सेक्शन में जाइए। ऐड पेमेंट मेथड सेलेक्ट कीजिए। अपना बैंक चुनिए और इससे जुड़ा फोन नंबर एंटर कीजिए। व्हाट्सएप को एसएमएस भेजने और रिसीव करने की अनुमति दीजिए। इसके बाद अपना अकाउंट वेरिफाई करने के लिए यूपीआइ पिन डाल दीजिए। एक बार आपका अकाउंट वेरिफाई होने के बाद आप किसी को भी पैसा भेज सकते हैं।

पांच प्रमुख कंपनियां इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

देश की पांच प्रमुख कंपनियां मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, टोयोटा और महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयार कर रही हैं। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए साल 2025 क्रांतिकारी साबित होने वाला है।

यह नई पीढ़ी की गाड़ियां अत्याधुनिक तकनीक, लंबी रेंज और बेहतरीन फीचर्स के साथ बाजार में उतारी जाएंगी। हुंडई अपनी मशहूर एसयूवी क्रेटा का इलेक्ट्रिक वर्जन पेश करेगी। यह 5-सीटर ईवी एक बार चार्ज करने पर 450 किलोमीटर की रेंज देने का वादा करती है। इसका इंटीरियर और एक्सटीरियर मौजूदा क्रेटा जैसा होगा लेकिन ईवी-स्पेसिफिक टच के साथ इसे और आकर्षक बनाया जाएगा। जापानी कंपनी टोयोटा अपनी अर्बन क्रूजर ईवी लॉन्च करेगी, जो मारुति की ई-विटारा के डेरिवेट के रूप में पेश की जाएगी। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज के साथ दो बैटरी विकल्पों में उपलब्ध होगी।

मारुति सुजुकी भी अपनी बहुप्रतीक्षित मारुति सुजुकी ई वितारा पेश करने जा रही है, जिसमें दो बैटरी पैक और 500 किलोमीटर तक की रेंज होगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, जो एसयूवी मार्केट में पहले से ही अग्रणी है, अब अपनी एक्सयूवी3एक्सओ ईवी के जरिए इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में प्रवेश करेगी। यह एसयूवी 400 किलोमीटर की रेंज और आधुनिक फीचर्स के साथ आएगी। टाटा मोटर्स भी अपनी हैरियर का इलेक्ट्रिक वर्जन लॉन्च करेगी। टाटा हेरियर ईवी सिंगल और डुअल मोटर कॉन्फिगरेशन में आएगी, जिसकी रेंज 500 किलोमीटर से अधिक होगी। इन नई इलेक्ट्रिक एसयूवी की लॉन्चिंग से न केवल ईवी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, बल्कि ग्राहकों को भी बेहतर विकल्प मिलेंगे।

छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें पहले की तरह रहेंगी

नई दिल्ली ।

अब स्मॉल सेविंग स्कीम्स (छोटी बचत) की ब्याज दरें पहले की तरह ही रहेंगी और इनमें चौथी तिमाही में भी कोई बदलाव नहीं किया गया ह है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल-जून , जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। यानी पब्लिक प्रोविडेंट फंड नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र सहित सभी स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर मिलने वाले ब्याज दर अपरिवर्तित रहेंगी। अभी पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1 फीसदी और सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2 फीसदी ब्याज दर मिलती है। सरकार छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों पर फैसला लेने से पहले देश की तरलता स्थिति और महंगाई को ध्यान में रखती है। हालांकि सरकार छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की हर तीन महीने पर समीक्षा करती है। स्मॉल सेविंग्स स्कीमों पर ब्याज दरें 4 फीसदी से 8.2 फीसदी के बीच हैं। सरकार ने दिसंबर 2023 में ब्याज दरों में बढ़ौतरी की है। स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों का हर तिमाही में रिव्यू होता है।

साल के पहले दिन भी रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को साल के पहले दिन तीन पैसे की गिरावट के साथ ही सबसे निचले स्तर 85.64 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया एक समया पहले सत्र में गिरावट के साथ 85.69 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार ब्याज दरों में कटौती को लेकर फेडरल रिजर्व के सतर्क रुख तथा अमेरिकी 10 साल के बॉण्ड प्रतिफल में मजबूती से रुपया लगातार दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.63 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 85.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.61 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

काले और नीले रंग की कारों के ग्राहकों की संख्या बढी

नई दिल्ली । भारत में काले और नीले रंग की कारों के खरीददारों की संख्या बढती जा रही है। इससे पता चलता है कि इन रंगों की कारों की लोकप्रियता अब बढ़ी है, और इन रंगों को खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2021 में काले रंग की कारों का खरीदी प्रतिशत 14.8 प्रतिशत था, जो अब 2024 में बढ़कर 20.2 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह, नीले रंग की कारों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। 2021 में नीले रंग की कारों का हिस्सा 8.8 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 10.9 प्रतिशत हो गया है। हालांकि गहरे रंगों की कारों की लोकप्रियता बढ़ी है, सफेद रंग की कारें अब भी भारत में सबसे अधिक पसंद की जाती हैं। 2021 में सफेद कारों की खरीददारी 43.9 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 39 प्रतिशत हो गई थी। लेकिन 2024 में सफेद रंग की कारों की मांग फिर से बढ़ी है, और अब ये बाजार में 39.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती हैं। ह्युंडै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि काले रंग की कारों की लोकप्रियता में बढ़ोतरी हुई है। 2021 में एचएमआईएल के घरेलू बिक्री में काले रंग की कारों का हिस्सा 9 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 19 प्रतिशत हो गया है। हालांकि, सफेद रंग की कारें अब भी कंपनी की घरेलू बिक्री का बड़ा हिस्सा बनी हुई हैं, और पिछले चार वर्षों में इनकी हिस्सेदारी 54 प्रतिशत रही है। इसके साथ ही, गहरे हरे रंग की कारों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। 2021 में इस रंग की केवल 1 प्रतिशत कारें बिकी थीं, जबकि 2024 के पहले 11 महीनों में इसकी बिक्री 5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। तरुण गर्ग के अनुसार, युवाओं में नए रंगों को अपनाने का रुझान बढ़ रहा है, और एसयूवी वाहनों की बढ़ती मांग के कारण गहरे रंगों की कारों की बिक्री में भी अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। जैटो डायनैमिक्स के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय उपभोक्ताओं का रंग चयन वैश्विक रुझान के अनुरूप बदल रहा है। बीएएसएफ की जनवरी रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर काले रंग की कारों की लोकप्रियता 2022 में 18 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 21 प्रतिशत हो गई, जबकि सफेद रंग की कारों की हिस्सेदारी घटकर 36 प्रतिशत रह गई।

जल्द लांच होगी रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750

नई दिल्ली । हाल ही में रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 बाइक को दक्षिणी यूरोप में टेस्टिंग के दौरान देखा गया, और इसकी तस्वीरों से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह बाइक जल्द ही बाजार में आ सकती है। रॉयल एनफील्ड के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित हिमालयन 750 अब प्रोडक्शन के करीब है। हालांकि, इसकी आधिकारिक लॉन्चिंग 2026 में होने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में इसे कंपनी प्रोजेक्ट आर2जी के नाम से पहचान रही है। नई हिमालयन 750 का डिजाइन पिछली बाइक्स से अलग और ज्यादा एडवांस है। इसमें 19 इंच फ्रंट और 17 इंच रियर स्पोक व्हील सेटअप होगा, जो कि एडजस्टेबल अपसाइड-डाउन फोर्क्स और मोनोशॉक के साथ आएगा। साथ ही, इसमें ड्यूल फ्रंट डिस्क ब्रेक सेटअप मिलेगा, जिसमें बॉब्रे कैलिपर्स का उपयोग किया जाएगा। यह रॉयल एनफील्ड का अब तक का सबसे एडवांस ब्रेकिंग सिस्टम होगा, जो बाइक के राइडिंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। बाइक में नया फ्रंट काउल और बड़ी विंडस्क्रीन भी दी गई है, जो इसे एडवेंचर और टूरिंग के लिए आदर्श बनाती है। इसमें बड़ा टीएफटी डिस्प्ले, गियर पोजिशन इंडिकेटर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और नेविगेशन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। नई हिमालयन 750 में एक नया 750सीसी ट्विन-सिलेंडर इंजन होगा, जो मौजूदा 650सीसी इंजन का ज्यादा पावरफुल वर्जन होगा। यह इंजन 50+ बीएचपी और 55+ एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा, और इसे 6-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा।

साल के पहले दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ नए साल के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल मारुति सुजुकी सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में उछाल से आया है। आज सुबह कारोबार की मिली जुली शुरुआत हुई पर समय बढ़ने के साथ ही बाजार में खरीददारी बढ़ने से तेजी आने लगी। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 368.40 अंक करीब 0.47 फीसदी ऊपर आकर 78,507.41 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 98.10 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी बढ़कर 23,742.90 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 23 शेयरों में तेजी रही जबकि 7 शेयर नीचे आये। इनमें से मारुति सुजुकी का शेयर 3.26 फीसदी की बंपर उछाल के साथ 11221.20 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर बंद हुआ। वहीं मारुति के अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फानइेंस, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी उछले हैं। दूसरी ओर टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, जोमैटो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया के शेयर गिरे हैं। निफ्टी के 37 शेयर लाभ में रहे, जबकि 13 शेयरों में गिरावट रही। लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस और टाटा मोटर्स के शेयर शामिल हैं। जिन कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे, उनमें हिंडाल्को, डॉ रेड्डीज, अदाणी पोर्ट्स, ओएनजीसी और टाटा स्टील शामिल हैं। वहीं एशिया के दूसरे बाजारों की बात करें, तो नए साल के अवसर पर जापान के निक्केई 225, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी, हांगकांग के हैंगसेंग और चीन के शंघाई कंपोजिट बंद रहे जबकि यूरोपीय बाजारों में भी कोई कामकाज नहीं हुआ। गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे वहीं इससे पहले बाजार की नये साल के पहले दिन सुबह मिली-जुली

शुरुआत हुई। सुबह कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 126 अंकों के लाभ के साथ ही 78265 के लेवल पर खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23 अंकों की गिरावट के साथ 23621 पर खुला है। कारोबार के दौरान बजाज ऑटो, आईसीआईसीआई बैंक, डॉक्टर रेड्डी, जेएसडब्ल्यू स्टील और अडानी पोर्ट्स के शेयर नीचे आये हैं जबकि अपोलो हॉस्पिटल, अडानी एंटरप्राइजेज, एशियन पेंट्स, एलएंडटी के शेयर उछले हैं। गिफ्ट निफ्टी टुडे गिफ्ट निफ्टी 23,733 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा था, निफ्टी फ्यूचर्स के पिछले बंद से लगभग 72 अंकों की गिरावट है, जो भारतीय शेयर बाजार सूचकांकों के लिए नकारात्मक शुरुआत का संकेत दे रहा था।

जनवरी में विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते बाजार लाल निशान पर

मुंबई।

पिछले 6 साल से जनवरी माह में शेयर बाजार में अमूमन गिरावट का ट्रेंड दिख रहा है। बीते 10 साल में 7 मौकों पर जनवरी में निफ्टी नुकसान में दिखाई दिए है। यह गिरावट मुख्य रूप से विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के चलते देखी गई। 2015 से लेकर 2024 के बीच 6 बार विदेशी निवेशक नेट सेलर्स रहे हैं। पिछले 10 साल जनवरी में निफ्टी का औसत रिटर्न 0.38 प्रतिशत रहा है।

पिछले 3 वर्षों में एफआईआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 87,899 करोड़ रुपए निकाले। इसके पहले जनवरी 2016, 2017 और 2019 में भी एफआईआई नेट सेलर्स थे। हालांकि 2015, 2018, 2020 और 2021 के जनवरी में इन्होंने भारतीय शेयर में खरीदारी की थी।

घरेलू संस्थाओं ने 10 में से 7 साल निवेश बढ़ाया

डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल निवेश (डीआईआई) जनवरी में 10 में से 7 मौकों पर खरीदार रहे। बीते 3 साल जनवरी में इन्होंने 87,899 करोड़ रुपए लगाए हैं। हालांकि 2015, 2020 और 2021 के जनवरी में ये नेट सेलर्स थे। वहीं, 2016 से 2019 तक 4 साल इन्होंने जनवरी में खरीदारी की।

साल के पहले दिन सेंसेक्स में 400 अंक की बढ़त, निफ्टी में 100 अंक की तेजी

शेयर बाजार में बुधवार साल के पहले दिन (1 जनवरी) बढ़त देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 400 अंक की बढ़त के साथ 78,650 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 100 अंक से ज्यादा की तेजी है, ये 23,750 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा

है। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट देखने को मिल रही है।

2024 में 27 प्रतिशत बढ़े इक्विटी निवेशक

नए निवेशकों के लिहाज से 2024 बेहद शानदार रहा है। इस दौरान बाजार ने कई कीर्तिमान बनाए। बीते साल रिटेल निवेशक सालाना आधार पर 27 प्रतिशत से बढ़कर 11 करोड़ के करीब पहुंच गए। महाराष्ट्र और यूपी में निवेशकों की संख्या पहली बार 1 करोड़ पार निकल गई। हालांकि महिला निवेशकों की भागीदारी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही।

नए साल 2025 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई चुनौतियां संभल कर करें निवेश

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत में निवेश करना शानदार समय होता है। इससे पूरे साल अपने निवेश का ट्रैक रखने में आसानी होती है। 2025 में अंतराष्ट्रीय बाजार में व्यापारिक तनाव, भू-राजनीतिक मुद्दे, मजबूत डॉलर और अन्य चुनौतियां देखने को मिल सकती हैं। भारतीय बाजार घरेलू आर्थिक स्थिरता और सही रणनीति से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। हीरो मोटोकॉर्प (टारगेट प्राइस: 5324 रुपए) मौजूदा कीमत: 4161.50 रुपए। दोपहिया वाहनों की बढ़ती मांग, नए मॉडल लॉन्च, और बेहतर शहरी-ग्रामीण संतुलन इमसें संभावित बढ़ोतरी 25 फीसदी है। नेशनल एलुमीनियम कंपनी का टारगेट प्राइस 256 रुपए है। एलुमीनियम की ऊंची कीमतें, परिचालन दक्षता, और कोयले का बेहतर उपयोग है इसमें संभावित बढ़ोतरी 20 फीसदी रह सकती है। सोनाटा सॉफ्टवेयर का टारगेट प्राइस 714 रुपए का है। एआई और क्लाउड सेवाओं पर फोकस, बड़े सौदों की पाइपलाइन में संभावित बढ़ोतरी 16 फीसदी। अशोक लेलैंड टारगेट प्राइस 250 रुपए के साथ वाणिज्यिक वाहनों की बढ़ती मांग, लागत नियंत्रण इसकी संभावित बढ़ोतरी 14 फीसदी और ऑयल इंडिया टारगेट प्राइस 600 रुपए है। परिचालन सुधार, ऊर्जा की बढ़ती मांग। इसमें संभावित बढ़ोतरी 41 फीसदी है। बाजार में उतार-चढ़ाव का ध्यान रखें। लंबी अवधि के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के आधार पर निवेश करें।

अब मुझे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती : धोनी

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने का कहना है कि उन्हें अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती है। पहली बार अपने संन्यास को लेकर धोनी ने कोई बात कही है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि मुझे और समय मिलेगा पर अब नहीं। मैं हमेशा मानता हूं कि आप कुछ सोच समझ कर अपने फैसले लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब आपने फैसला ले लिया तो उसके बारे में सोचने का कोई अर्थ नहीं है। इसलिए मैं भगवान की कृपा से अपने देश के लिए जो कुछ भी कर पाया उसये बहुत खुश हूं। साथ ही कहा कि उन्होंने इस खेल से देश को गौरवान्वित करने की अपनी भूमिका निभा ली है। उन्होंने कहा कि पहले मैंने सोचा था कि मुझे और समय मिलेगा पर यह थोड़ी निराशा की बात है कि मुझे ज्यादा समय नहीं मिला।

धोनी ने कहा कि संन्यास से लाभ भी हुआ है। अब मैं दोस्तों के साथ काफी समय बिता पाता हूं। मैं काफी अधिक मोटरसाइकिल सवारी कर सकता हूं। यह हालांकि लंबी यात्रा नहीं होती है। यह मुझे अच्छी लगती है। धोनी ने कहा कि यह अच्छा रहा, परिवार के साथ समय बिता पा रहा हूं। धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिनमें से उन्होंने 27 बार जीत हासिल की, 18 हारे और 15 ड्रा रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ, वह सभी प्रारुपों में भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं।

धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान तक पहुंचा था। वह इतिहास में एकमात्र कप्तान है जिन्होंने आईसीसी के सभी तीन सीमित ओवरों के खिताब 2007 में टी20 विश्व कप, 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीते हैं। धोनी ने 200 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की। भारतीय टीम ने इसमें 110 मैच जीते, 74 हारे और पांच मैच ड्रा रहे। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 74 मैचों में भारत का नेतृत्व किया और टीम को 41 जीत दिलाई।धोनी ने जीवन में अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और करीबी दोस्तों को दिया है। संन्यास के बाद भी अब वह केवल आईपीएल ही खेलते हैं।

दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने तोड़ा अपना ही विश्व रिकॉर्ड

बार्सिलोना (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने महिलाओं की पांच हजार मीटर की दौड़ का अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़कर कर्सा डेल्स नैसोस रोड रेस का खिताब जीता। बार्सिलोना में हुई इस दौड़ को 24 वर्षीय केन्याई खिलाड़ी ने 13 मिनट और 54 सेकंड में पूरा किया।

पेरिस ओलंपिक में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर में स्वर्ण जीतने वाली चेबेट ने इसी दौड़ में एक साल पहले बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को 19 सेकंड से पीछे छोड़ दिया। दौड़ के बाद चेबेट ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ। मुझे लगा कि मैं 14 मिनट से कम समय में दौड़ सकती हूं और मैं ऐसा करने में सफल रही। बार्सिलोना में दो दौड़ और दो विश्व रिकॉर्ड, क्या मैं इससे अधिक की उम्मीद कर सकती हूं।'

उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान अगले वर्ष टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर है।'

ऑस्ट्रेलिया का भी डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना अभी तक पक्का नहीं

मेलबर्न (एजेंसी)। बॉक्सिंग डे टेस्ट में हार से जहां भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम पर खतरा अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। अगर भारत सिडनी में ऑस्ट्रेलिया को ड्रॉ पर रोक देता है और उसके बाद श्रीलंका सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को दोनो ही टेस्ट में हरा देती है तो श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी और ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगी।

मेलबर्न में हार से भारतीय टीम के अंक प्रतिशत तालिका में 55.89 से गिरकर 52.78 हो गए है जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम पर अब 61.46 प्रतिशत अंक हैं।

वहीं पाकिस्तान पर जीत से दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय टीम अगर सिडनी में जीत दर्ज करती है तो उसके 55.26 प्रतिशत अंक हो जाएंगे और ऑस्ट्रेलिया के 54.26 प्रतिशत अंक रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया अगर श्रीलंका में एक भी टेस्ट जीत लेता है तो उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से टक्कर तय हो जाएगी। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया की जीत ने उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को बढ़ाया है और टीम अगले साल लार्ड्स में होने वाले फाइनल में जगह बनाने से केवल एक जीत दूर है।

भारतीय टीम ने 2024-25 सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बांग्लादेश को स्वदेश में 2-0 से हराया था। इसके बाद हालांकि भारत का अभियान पटरी से उतर गया। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ स्वदेश में तीन मैच की श्रृंखला में 0-3 से करारी का सामना करना पड़ा और अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम 1-2 से पिछड़ रही है। रोचक बात यह है कि सिर्फ भारत के ऊपर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से बाहर होने का खतरा नहीं है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया भी बाहर हो सकता है। अगर भारत मेजबान को सिडनी में ड्रॉ खेलता है और उसके बाद पैट कमिंस की टीम श्रीलंका में दोनों टेस्ट हार जाए तो श्रीलंकाई टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी।

बुमराह ने गेंदबाजी रैंकिंग में हासिल किए सबसे ज्यादा अंक, अश्विन का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में गेंदबाजी में 907 रेटिंग अंक का आंकड़ा छूकर नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया। बुमराह ने हाल में संन्यास लेने वाले स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2016 में 904 अंकों की अपनी सर्वोच्च रेटिंग हासिल की थी।

बुमराह ने हाल में अश्विन की बराबरी की थी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर वह नया भारतीय रिकार्ड बनाने में सफल रहे। बुमराह 907 रेटिंग अंकों के साथ सर्वकालिक सूची में इंग्लैंड के डेरेक अंडरवुड के साथ संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। इस तेज गेंदबाज ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में नौ विकेट हासिल किए थे जिससे उन्होंने गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। भारत हालांकि इस मैच में हार गया था।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने एमसीजी में अपने छह विकेटों के दम पर 15 रेटिंग अंक हासिल किए जिससे वह एक पायदान चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। कमिंस ने चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 184 रन की जीत के दौरान दो पारियों में 90 महत्वपूर्ण रन बनाने के बाद टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भी तीसरा स्थान हासिल किया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की पहली पारी में 82 रन की पारी ने उन्हें 854 रेटिंग अंकों के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी के पहले टेस्ट शतक ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 20 स्थान ऊपर 53वें नंबर पर पहुंचा दिया।

गंभीर ने टीम को आड़े हाथों लिया, बेहतर प्रदर्शन करें या बाहर होने तैयार रहें

मेलबर्न ।ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन से मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद नाराज हैं और उन्होंने इसी कारण टीम को आड़े हाथों लिया। जिस प्रकार से भारतीय टीम ने मेलबर्न में हाथ में आया मैच खो दिया उससे कोच बेहद नाराज बताये गये हैं। मेलबर्न की हार से भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से भी तकरीबन बाहर हो गयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण भड़के गंभीर ने हर किसी को जमकर फटकारा और कहा, बस बहुत हो गया अब उन्हें संभल जाना चाहिये। गंभीर ने इस दौरान नाम लिए बिना ही स्वाभाविक गेम खेलने के नाम पर आउट होने के लिए अलग-अलग बहाने ढूंढने वाले खिलाड़ियों को भी चेतावनी दी। माना जा रहा है कि उनका संकेत विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और विराट कोहली की ओर था। गंभीर के कोच पद संभालने के बाद से ही से अब तक का टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। उनके कोच पद संभालने के बाद टीम को केवल बांग्लादेश पर जीत मिली। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर उसे हार का सामना करना पड़ा। ड्रेसिंग रूम में कोच ने एक लाइन में कहा कि अगर टीम की योजना के अनुसार नहीं चल सकते हैं तो बाहर जाने के लिए तैयार रहें। गंभीर ने कहा कि उन्होंने पिछले 6 महीने टीम को अपने अनुसार खेलने की आजादी दी थी पर उससे नुकसान ही हुआ है। अब टीम को उनके अनुसार खेलना होगा। मेलबर्न में हार के बाद भारतीय टीम को ने केवल सिडनी में जीतना होगा, बल्कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा।

जोकोविच ने कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर बनाई रणनीति, नए खिलाड़ियों को देंगे चुनौती

ब्रिस्बेन। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक के रूप में एकमात्र खिताब जीत पाए थे लेकिन अब उन्होंने नए कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर यानिक सिनर और कार्लोस अल्कराज जैसे युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने के लिए नई रणनीति तैयार की है। वर्तमान में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी 23 वर्षीय सिनर ने बीते साल ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी ओपन तथा 21 वर्षीय अल्कराज ने विंबलडन और फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल के खिताब जीते थे। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में अपने पहले दौर का मैच जीतने के बाद 37 वर्षीय जोकोविच ने कहा कि उन्होंने 12 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले मर्रे के साथ मिलकर अपने युवा प्रतिद्वंदियों के वीडियो देखकर उनके खेल का आकलन किया है। अपने 100वें एटीपी खिताब की कवायद में लगे जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले रिंकी हिजिकाटा को 6-3, 6-3 से हराने के बाद कहा कि वह मर्रे साथ मिलकर अपने खेल में छोटे-छोटे बदलाव करेंगे। जोकोविच ने कहा, 'मैं अपने खेल में आमूलचूल बदलाव करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं जियोवानी (फ्रांस का 21 वर्षीय स्टार जियोवानी एमपेत्शी पेरीकार्ड) की तरह नहीं बनने जा रहा हूं, जो पहले दो सर्विस करके नेट पर आ जाए।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं निश्चित रूप से सुधार करना चाह रहा हूं, भले ही यह मामूली हो। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से भी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हूं। चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े, चाहे युवाओं के साथ कितने भी घंटे खेलना पड़े।'

पंजाब किंग्स को इस साल आईपीएल खिताब जिता पायेंगे श्रेयस?

मुम्बई ।आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। साल 2024 में 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौसले बुलंद हैं। ऐसे में उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाना है। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि घरेलू क्रिकेट खिताबों के बाद अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

चैंपियंस ट्रॉफी के पुन: आयोजन पर बोले एफआईएच अध्यक्ष, हमें कैलेंडर में जगह चाहिए

राउरकेला (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने बुधवार को प्रतिष्ठित चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की लेकिन साथ ही उन्होंने पहले से ही व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में इस टूर्नामेंट को शामिल करने की मुश्किलों को भी उजागर किया।

चैंपियंस ट्रॉफी 1978 में एक सालाना टूर्नामेंट के तौर पर शुरू हुई और 2014 में यह द्विवार्षिक हो गई। यह टूर्नामेंट एक समय हॉकी की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल था जो केवल विश्व कप और ओलंपिक से पीछे था। इसका अंतिम चरण 2018 में आयोजित कराया गया था। इसके बाद एफआईएच ने इसे बंद कर दिया था।

इकराम ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 'हम इस बात से इनकार नहीं कर रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी या इसी तरह के किसी टूर्नामेंट को फिर से शुरू किया जा सकता है। लेकिन हमें कैलेंडर में जगह देखने की जरूरत है।' उन्होंने खिलाड़ियों के व्यस्त कार्यक्रम और उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए 'बेहतर और अधिक रोमांचक टूर्नामेंट' शुरू करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इकराम ने हॉकी की वैश्विक पहुंच का विस्तार करने और शीर्ष नौ टीमों से परे देशों के लिए मौका प्रदान करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास दूसरे दर्जे के देशों के लिए कुछ नहीं था। शीर्ष नौ-10 देशों के बाद हमने अगले आठ देशों के लिए नेशन्स कप शुरू किया है। एफआईएच के लिए मेरा लक्ष्य है कि शीर्ष 35 देश एफआईएच टूर्नामेंट में शामिल हों, जो इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है।'

उन्होंने कैलेंडर की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए एलीट और उभरते हॉकी देशों के बीच की खाई को पाटने के महत्व को रेखांकित किया। इकराम ने कहा, 'अंतर पाटने का एकमात्र तरीका है कि हमें अन्य देशों को भी शामिल करना होगा। इसलिए समस्या यह होगी कि आपका कैलेंडर अधिक भरा होगा।'

एफआईएच का एक प्रमुख टूर्नामेंट प्रो लीग 2019 से चल रहा है। इसके बारे में बोलते हुए इकराम ने 'प्रो लीग कनेक्ट' नाम की एक नयी परियोजना के शुरू होने की घोषणा की जिसका उद्देश्य शीर्ष हॉकी देशों के बाहर के देशों को शामिल करना है। इकराम ने इसके बारे में अधिक जानकारी दिये बिना कहा, 'पिछले साल के अंत में मैंने हमारे प्रतियोगिता विभाग और प्रो लीग टीम के साथ एक बैठक की थी। हम 'प्रो लीग कनेक्ट नामक' की एक परियोजना शुरू कर रहे हैं।'

हेड ने अपने अजीब जश्न को लेकर सफाई दी

मेलबर्न ।ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भारतीय टीम के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऋषभ पंत को आउट करने के बाद अपने अजीब से जश्न को लेकर सफाई दी है। हेड के इस जश्न को लेकर कई लोगों ने हैरानी जतायी थी। वहीं कई लोगों ने इसे विवादित बताते हुए सवाल भी उठाये थे। साथ ही कइने कहा कि यह बर्फ पर अंगुली का संकेत था। साथ ही कहा कि यह अजीब इशारा उन्होंने पहली बार श्रीलंका दौरे में दिखाया था। इस मैच में ऋषभ जब अच्छी बल्लेबाजी करने लगे थे और मैच को ड्रॉ कराने की ओर बढ़ रहे थे। तभी हेड ने उन्हें आउट कर मैच का रुख ही मोड़ दिया। भारतीय बल्लेबाज ने पुल शॉट खेलने का प्रयास किया था जिसपर वह कैच हो गये थे। इसके बाद हेड ने अपने बाएं हाथ की अंगुलियों को एक मोड़कर और दाहिने हाथ की तर्जनी अंगुली को उसमें डुबाकर इस क्षण का जश्न मनाया। हेड ने मेलबर्न टेस्ट के बाद कहा, ' फिंगर ऑन द आइस। मैंने इसकी शुरुआत श्रीलंका में की। मैं अपनी अंगुली बर्फ पर रखी और गेंदबाजी के लिए तैयार हुआ। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से जब हेड के इस अजीब से जश्न को इसके बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा, ' मैं इसे समझा सकता हूं। उसकी अंगुली इतनी गर्म है कि उसे इसे एक कप बर्फ में डालना पड़ा। यही बात है। कमिंस ने कहा, ' यह आम तौर पर किया जाने वाला मजाक है हालांकि हेड का जश्न पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को पसंद नहीं आया जिन्होंने इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के खिलाफ 'कड़ी कार्रवाई की मांग की और इसे 'घृणित बताया।

इंग्लैंड के पूर्व किकेटर ने नितीश की तुलना डिविलियर्स से की

लंदन ।इंग्लैंड के पूर्व किकेटर मार्क निकोलस ने भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की जमकर प्रशंसा की है। निकोलस ने कहा कि जिस प्रकार से नितीश ने मेलबर्न टेस्ट में बल्लेबाजी की थी उससे तय है कि वह विश्व क्रिकेट के दूसरे ए बी डिविलियर्स बनकर उभरेंगे। निकोलस ने इस प्रकार नितीश की तुलना डिविलियर्स से की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण जाने जाते हैं। नितीश को लेकर निकोलस ने कहा कि, 卐उनकी ट्रिगर मूवमेंट मुझे डिविलियर्स की याद दिलाती है जिस तरह से वह पीछे जाते हैं और आगे की ओर दबाव डालते हैं, वैसा डिविलियर्स ही करते थे। इसी कौशल से डिविलियर्स ने जमकर रन बनाये हैं। यही अब नितीश कर रहे हैं। साथ ही कहा कि मुझे उनका साहस और अपना समर्थन करने की क्षमता पसंद है। वह शीर्ष पर जाने और दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना करने में जरा भी संकोच नहीं करते हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आगे कहा कि अगले मैच में छह बल्लेबाजों और फिर पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों को रखना चाहिये और नितीश को शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल किया जाना चाहिये। इस सीरीज में नितीश ने अबतक खेले 4 मैच में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा 294 रन बनाये हैं।

सैमी अप्रैल में संभालेंगे पद

जमैका ।वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी अप्रैल में वेस्टइंडीज टीम के कोच पद को संभालेंगे। सैमी ने वेस्टइंडीज की ओर से 232 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज ने दो बार टी20 विश्व कप जीता है। अब बोर्ड ने उन्हें तीनों प्रारुपों में कोच की जिम्मेदारी दी है। सैमी को 2023 में सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम में कोच बनाया गया था। सैमी को तब आंद्रे कोल की जगह एकदिवसीय और टी20 टीम का कोच बनाया गया था। इससे पहले सैमी लाल गेंद क्रिकेट में वेस्टइंडीज टीम के अंतरिम कोच थे। सैमी ने बतौर कोच जून में यूएई के खिलाफ एकदिवसय में पहली बार कोचिंग की। विंडीज के पूर्व विकेटकीपर कूले ने पिछले साल जुलाई में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में अंतिम बार कोचिंग की थी। सैमी के मार्गदर्शन में वेस्टइंडीजी ने सफेद गेंद क्रिकेट में यूएई के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीती थी जबकि बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ भी उसे जीत मिली थी। इसके बावजूद टीम विश्वकप क्वालीफायर के फाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। टीम पिछले काफी समय से एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। उसे भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार मिली। वहीं उसने ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश से ड्रॉ खेला। उसका टेस्ट में सबसे अच्छा प्रदर्शन जनवरी 2024 में आया। तब उसने ने ऑस्ट्रेलिया को गाबा में हराया था। वेस्टइंडीज ने 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में 11 में से सिर्फ 2 टेस्ट मैच जीते जबकि 7 में उसे हार मिली। डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में वेस्टइंडीज सबसे निचले स्थान पर है।

विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज : मैगनस कार्लसन और नेपोमनिशी सयुंक्त विजेता, महिला वर्ग मे वेंजून जीती, वैशाली को कांस्य पदक

न्यू यॉर्क (एजेंसी)। फीडे विश्व शतरंज ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप का समापन गत वर्ष की अंतिम संध्या को सम्पन्न हो गया और इस बार रोचक तौर पर पुरुष वर्ग में एक की जगह हमें दो विजेता मिले, नॉर्वे के मैगनस कार्लसन और रूस के यान नेपोमनिशी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट के सयुंक्त विजेता रहे जबकि महिला वर्ग में यह खिताब चीन की मौजूदा क्लासिकल विश्व चैम्पियन जू वेंजून नें अपने नाम किया, भारत की वैशाली नें कांस्य पदक अपने नाम किया।

पुरुष वर्ग में क्वाटर फाइनल में मैगनस कार्लसन नें यूएसए के नीमन हंस को 2.5-1.5 से और सेमी फाइनल में पोलैंड के यान डूड़ा को 3-0 से मात देते हुए फाइनल में प्रवेश किया, वहीं रूस के यान नेपोमनिशी नें क्वाटर फाइनल में हमवतन मुरजिन वोलोदर को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल मे यूएसए के वेसली सो को 3-2 से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई।

बेस्ट ऑफ 4 के मुक़ाबले में कार्लसन नें पहले दो मुक़ाबले जीतकर 2-0 से बढ़त बना ली थी और नेपो की हार तय नजर आ रही थी पर नेपो नें शानदार वापसी करते हुए लगातार दो जीत के साथ स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद टाईब्रेक के तौर पर लगातार तीन मुक़ाबले बेनतीजा रहे और उसके बाद मैगनस कार्लसन नें नेपोमनिशी को सयुंक्त विजेता बनने का प्रस्ताव दिया नेपो मान गए पर नियमानुसार परिणाम आने तक मुक़ाबले होने थे, दोनों ने यह प्रस्ताव फीडे को दिया और इसे स्वीकार कर लिया गया और दोनों को सयुंक्त विजेता घोषित कर दोया गया। इस परिणाम को लेकर दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों और शतरंज प्रेमियों के बीच एक नयी बहस छिड़ गयी है। सेमी फाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों यान डूड़ा और वेसली सो को कांस्य पदक दिया गया और इस तरह रजत पदक किसी को मिला ही नहीं !

महिला वर्ग में चीन की जू वेंजून नें हमवतन लेई टिंगजे को एक बेहद कड़े मुक़ाबले में 3.5-2.5 से पराजित करते हुए खिताब जीतकर अपना पहला ब्लिट्ज़ खिताब हासिल कर लिया। वेंजून नें क्वाटर फाइनल में रूस की गुनिना वालेंटीना को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल में भारत की आर वैशाली को इसी अंतर से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई जबकि लेई टिंगजे नें कज़ाकिस्तान की बीबीसारा को 2.5-1.5 और रूस की लागनों काटेरयना को 3.5-2.5 से मत देते हुए फाइनल में जगह बनाई थी।

लीग चरण में शीर्ष में रहने वाली भारत की आर वैशाली को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा, पर शतरंज के इस फॉर्मेट में यह उनका पहला पदक है। भारत को कोनेरु हम्पी को भी रैपिड का स्वर्ण पदक दिया गया और इस तरह भारत नें दो पदको के साथ टूर्नामेंट और साल का अंत किया।

संक्षिप्त समाचार

द. कोरिया में मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में हाल ही में रातों रात मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति यून की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने मंगलवार को राष्ट्रपति यून सुक येओल को हिरासत में लेने और उनके दफ्तर और घरों की तलाशी लेने के लिए वारंट जारी किए हैं। देश में भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एजेंसी ने कहा है कि वह इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या उनकी घोषणा विद्रोह के बराबर थी। वहीं विपक्षी दलों ने संसद में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी पेश किया है। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों के एक बयान के मुताबिक सियोल की एक कोर्ट ने यून को हिरासत में लेने और कार्यालय और घर की तलाशी लेने के लिए वारंट जारी किए। दक्षिण कोरिया के कानून की बात करें तो विद्रोह का दोषी पाए जाने पर उन्हें मौत की सजा या आजीवन कारावास की सजा भी दी जा सकती है। फिलहाल राष्ट्रपति पद पर होने की वजह से यून को ज्यादातर आपराधिक मुकदमों से छूट मिली है। हालांकि यह विशेषाधिकार विद्रोह या देशद्रोह के आरोपों में नहीं मिलता है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक यून को औपचारिक रूप से पद से नहीं हटाया जाता तब तक हिरासत में लेने या तलाशी लेने की संभावना कम है। यून ने दिए थे तर्क गौरतलब है कि 14 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू लगने के बाद विपक्ष द्वारा नियंत्रित नेशनल असेंबली ने यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था। तब से राष्ट्रपति यून की शक्तियां निलंबित हैं। देश में अचानक लगाए गए मार्शल के बाद सैकड़ों सैनिक और पुलिस अधिकारी सियोल की सड़कों पर उतर आए थे। यून ने तर्क दिया था कि उनका आदेश पूरी तरह वैध था। उन्होंने कहा था कि विपक्षी पार्टियों उत्तर कोरिया के साथ मिलकर देश को कमजोर करने का काम कर रही है। द कोरिया की संवैधानिक कोर्ट को यह तय करना है कि यून को राष्ट्रपति पद से बर्खास्त किया जाए या नहीं। विशेषज्ञों ने कहा कि यून वारंट की अनदेखी कर सकते हैं। यून के एक वकील ने सोमवार को भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी के वारंट को खारिज करते हुए कहा है कि विद्रोह के आरोपों की जांच करने के लिए उनके पास कानूनी अधिकार नहीं है।

राष्ट्रपति पद छोड़ने से पहले यूक्रेन की बड़ी मदद कर गए बाइडन, 2.5 बिलियन डॉलर देने का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस के खिलाफ युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के लिए अमेरिका ने फिर मदद का हाथ बढ़ाया है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को कहा कि यूएस यूक्रेन को लगभग 2.5 बिलियन डॉलर और हथियार भेजेगा। अमेरिकी प्रशासन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यालय संभालने से पहले कीव को मजबूती देना चाहता है। रूस से लड़ने में मदद के लिए संसाधन मुहैया कराने का काम तेजी से चल रहा है। ताजा पैकेज में राष्ट्रपति के ड्रॉडाउन अथॉरिटी का 1.25 बिलियन डॉलर शामिल है, जिससे सेना को युद्ध के मैदान में तेजी से हथियार पहुंचाने की इजाजत मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन सुरक्षा सहायता पहल के तहत करार पर रखा जाने वाला 1.22 बिलियन डॉलर का हथियार पैकेज भी है। जो बाइडन ने कहा कि सभी दीर्घकालिक यूएसएआई फंड अब खर्च हो चुके हैं। साथ ही, वह ऑफिस छोड़ने से पहले बाकी सभी ड्रॉडाउन मनी का पूरा उपयोग करना चाहते हैं। बाइडन ने बयान जारी करके कहा, मैंने अपने प्रशासन को निर्देश दिया है कि यूक्रेन को जितनी जल्दी हो सके उतनी सहायता जारी की जाए। अमेरिका कार्यालय में मेरे शेष समय तक युद्ध में यूक्रेन को मजबूत करने के लिए लगातार काम करना जारी रखेगा। गौरतलब है कि यूक्रेन ने पिछले दिनों रूसी सेना के साथ लड़ाई में अपने 1,400 सैनिक खो दिए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन ने रूस के सेंटर समूह के साथ झड़प में 480 से अधिक सैनिकों को खो दिया, जिसने 11 यूक्रेनी जवाबी हमलों को विफल कर दिया। रूसी सेना के जैपाद समूह ने चार जवाबी हमलों को विफल कर दिया और 420 यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया।

अमेरिकी ट्रेजरी पर चीन का साइबर अटैक, अहम दस्तावेजों तक बनाई पहुंच

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन के हैकरों ने अमेरिका पर बड़ा साइबर अटैक किया है। व्हाइट हाउस की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एक बड़े साइबर सुरक्षा उल्लंघन में राज्य-प्रायोजित चीनी अभिनेता ने कथित तौर पर अमेरिकी कार्यालयों और अवर्गीकृत दस्तावेजों तक पहुंच प्राप्त कर ली। ट्रेजरी अधिकारियों द्वारा जारी आंतरिक ट्रेजरी विभाग के बयान में सरकारी एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर सिस्टम में कमजोरियों को उजागर किया गया है। सीएनएन द्वारा समीक्षा किए गए एक दस्तावेज़ में पाया गया कि उल्लंघन तब हुआ जब एक धमकी देने वाले अभिनेता ने बैंक कार्यालयों और अनएन्क्रिप्टेड दस्तावेज़ों तक दूरस्थ पहुंच प्राप्त करने के लिए चोरी की चाबियों का उपयोग किया। इस समझौते का पता 8 दिसंबर को एक तृतीय-पक्ष सॉफ़्टवेयर सेवा प्रदाता द्वारा एक अधिसूचना के माध्यम से चला। अमेरिकी ट्रेजरी में प्रबंधन की सहायक सचिव अदिति हार्डिकर के अनुसार, इस घटना के लिए एक चीनी राज्य प्रायोजित एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट (एपीटी) अभिनेता को जिम्मेदार ठहराया गया है।

चुनाव में जीत के बावजूद यौन शोषण मामले में ट्रंप को राहत नहीं, 42 करोड़ रुपए का हर्जाना बरकरार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एक संघीय अपील न्यायालय ने सोमवार को एक सिविल मामले में ट्रंप को झटका दिया है. अदालत ने जूरी के निष्कर्ष को बरकरार रखा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 1990 के दशक के मध्य में एक अपस्केल डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में एक स्तंभकार का यौन शोषण किया था. द्वितीय यूएस सर्किट कोर्ट ऑफ अपील ने मानहानि और यौन शोषण के लिए मैनहट्टन जूरी द्वारा ई. जीन कैरोल को दिए गए 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (42 करोड़ 79 लाख 88 हजार रुपये) का हर्जाना बरकरार रखते हुए एक लिखित राय जारी की. लंबे समय से पत्रिका स्तंभकार रहे कैरोल ने 2023 के मुकदमे में गवाही दी थी कि ट्रंप ने वसंत 1996 में एक दोस्ताना मुलाकात को हिंसक हमले में बदल दिया, जब वे स्टोर के ड्रेसिंग रूम में मजाकिया ढंग से घुस गए. हमले की घटना से बार-बार इनकार करने के बाद ट्रंप ने मुकदमे में भाग नहीं लिया. लेकिन उन्होंने इस साल की शुरुआत में एक अनुवर्ती मानहानि मुकदमे में संक्षिप्त रूप से गवाही दी, जिसके परिणामस्वरूप 83.3 मिलियन का पुरस्कार मिला. दूसरा मुकदमा तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा 2019 में की गई टिप्पणियों के परिणामस्वरूप हुआ, जब कैरोल ने पहली बार एक संस्मरण में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाए थे. अपने फैसले में, अपील अदालत के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने ट्रंप के वकीलों के

दावों को खारिज कर दिया कि ट्रायल जज लुईस ए. कपलान ने कई ऐसे फैसले दिए थे, जिससे ट्रायल खराब हो गया, जिसमें दो अन्य महिलाओं को गवाही देने की अनुमति देना भी शामिल था, जिन्होंने ट्रंप पर यौन शोषण का आरोप लगाया था. न्यायाधीश ने जूरी को कुख्यात एक्सेस हॉलीवुड टेप देखने की भी अनुमति दी थी, जिसमें ट्रंप ने 2005 में महिलाओं के जननांगों को पकड़ने के बारे में दावा किया था क्योंकि जब कोई स्टार होता है, तो आप कुछ भी कर सकते हैं. दूसरे सर्किट कोर्ट ने कहा कि हम निष्कर्ष निकालते हैं कि ट्रंप ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि जिला न्यायालय ने चुनौती दिए गए किसी भी फैसले में गलती की है. इसके अलावा, उन्होंने यह दिखाने का अपना दायित्व नहीं निभाया है कि किसी भी दावा की गई त्रुटि या दावा की गई त्रुटियों के संयोजन ने उनके पर्याप्त अधिकारों को प्रभावित किया है, जो एक नए परीक्षण को वारंट करने के लिए आवश्यक है. सितंबर में, कैरोल, 81, और ट्रंप, 78, दोनों ने द्वितीय सर्किट द्वारा मौखिक तर्कों में भाग लिया. स्टीवन चेउंग, ट्रंप के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि ट्रंप को मतदाताओं द्वारा चुना गया था जिन्होंने एक भारी जनादेश दिया था, और वे हमारी न्याय प्रणाली के राजनीतिक हथियारीकरण को तत्काल समाप्त करने और डेमोक्रेट द्वारा वित्तपोषित कैरोल होक्स सहित सभी विच हंट्स को तुरंत खारिज करने की मांग करते हैं, जिस पर अपील जारी रहेगी. रोबर्टा कपलान, एक वकील जिसने मुकदमे के दौरान कैरोल का प्रतिनिधित्व किया और जो न्यायाधीश से संबंधित नहीं है, ने एक बयान में कहा कि ई. जीन कैरोल और मैं दोनों आज के फैसले से संतुष्ट हैं. हम पक्षों की दलीलों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के लिए द्वितीय सर्किट कोर्ट को धन्यवाद देते हैं.

साउथ कोरिया में 7 दिन का राष्ट्रीय शोक, राष्ट्रपति ने सभी एयरलाइन की जांच का आदेश दिया

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया में प्लेन क्रैश हादसे के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने सोमवार को देश में 7 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने सभी एयरलाइन सिस्टम की जांच के आदेश दिया है। रविवार को बैंकॉक से आ रहा जेजू एयर का बोइंग 737-800 प्लेन मुआन एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था, लेकिन गियर में खराबी की वजह से इसके पहिए नहीं खुले। बेली लैंडिंग की कोशिश में प्लेन क्रैश कर गया, जिससे उसमें सवार 181 लोगों में से 179 की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में जान गंवाने वालों में 84 पुरुष और 85 महिलाएं हैं। जबकि 10 शवों के जेंडर का पता नहीं चल पाया। मरने वालों में से 146 लोगों की पहचान कन्फर्म हो चुकी है, बाकी बचे लोगों की पहचान जानने के लिए डीएनए टेस्ट किया जाएगा। हादसे में जिंदा बचे दोनों क्रू मेंबर का इलाज जारी है। होश में आने के बाद दोनों गहरे सदमें है। उन्हें हादसे को लेकर साफ तौर पर कुछ भी याद नहीं है। क्रू मेंबर को हादसे के बारे में साफ तौर पर कुछ याद नहीं कोरियन टाइम्स के मुताबिक हादसे में बच गए दोनों क्रू मेंबर पैसेंजर्स की मदद के लिए प्लेन के पिछले हिस्से में तैनात थे। इनमें से एक 32 साल के ली सदमे में हैं। वे बार-बार पूछ रहे हैं कि उन्हें क्या हुआ है? और वह यहां क्यों हैं? डॉक्टर का कहना है कि ली के बाएं कंधे में फ्रैक्चर और सिर में चोटें आईं हैं, लेकिन उनका स्वास्थ्य स्थिर हैं। 25 साल की फ्लाइट अटेंडेंट क्वोन भी हादसे में बाल-बाल बच गईं। उनका भी हॉस्पिटल में इलाज जारी है। क्वोन को भी हादसे के बारे में कुछ याद नहीं है। उन्होंने अपने सिर, टखने और पेट में तेज दर्द की बात कही है। डॉक्टर्स ने कहा कि क्वोन की चोटें गंभीर हैं लेकिन जान को कोई खतरा नहीं है।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति बोले- भारत हमारे लोकतंत्र का समर्थक

माले, एजेंसी। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति और विपक्षी पार्टी के नेता, मोहम्मद नशीद ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग लाने की साजिश और उसमें भारत की भूमिका को खारिज किया है। दरअसल सोमवार को अमेरिकी अखबार द वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था मुइज्जू को पद से हटाने के लिए विपक्ष ने साजिश रची थी। इसके लिए भारत से 51 करोड़ की मदद मांगी जानी थी।

इस रिपोर्ट पर नशीद ने बताया कि उन्हें ऐसी किसी साजिश की जानकारी नहीं और भारत कभी भी ऐसी साजिश का समर्थन नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत कभी ऐसा कदम नहीं उठाएगा, क्योंकि वह हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थन करता है। भारत ने कभी हम पर शर्तें नहीं थोपीं।

दावा- 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्लान था वाशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि उसके पास डेमोक्रेटिक रिन्यूअल इनिशिएटिव नाम के कुछ दस्तावेज मौजूद हैं। इनमें मुइज्जू को सत्ता से हटाने की प्लानिंग है। रिपोर्ट के मुताबिक मुइज्जू को सत्ता से हटाने के लिए 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्लान बनाया गया था। इनमें मुइज्जू की पार्टी के सांसद भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सांसदों के अलावा सेना और पुलिस के 10 सीनियर अधिकारियों और कुछ आपराधिक गिरोहों को भी पैसे देने का प्लान बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक इसके लिए साजिश करने वालों ने 51 करोड़ रुपए की मांग रखी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने मालदीव के दो अधिकारियों के हवाले बताया है कि ये रकम भारत से मांगी जानी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि, भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू) के सीनियर अधिकारी ने मुइज्जू को राष्ट्रपति पद से हटाने की योजना पर बात की थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया उसे मुइज्जू के परिवार के एक सदस्य ने कुछ रिकॉर्डिंग दिए हैं। इनमें आरएडब्ल्यू के एक सीनियर खुफिया अधिकारी और अन्य भारतीय मीडिएटर्स के बीच मुइज्जू को पद से हटाने को लेकर हुई बातचीत रिकॉर्ड है।

अमेरिका के लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर टकराने से बचे विमान, एटीसी की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

लॉस एंजेलिस , एजेंसी। हाल ही में अजरबैजान और दक्षिण कोरिया में हुए दो बड़े विमान हादसों से लोग उबरे भी नहीं है कि अमेरिका के लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर एक और बड़ा विमान हादसा होने से बाल-बाल बच गया। दरअसल हवाई अड्डे पर दो विमान आपस में टकराने से बच गए और एटीसी की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कुछ सेकेंड की देरी सैंकड़ों जिंदगियों पर भारी पड़ सकती थी। गौरतलब है कि एक विमान में वॉशिंगटन के गोंजागा विश्वविद्यालय की बास्केटबॉल टीम भी सफर कर रही थी। अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। एफएए ने बयान में कहा कि लाइम एयर फ्लाइट 563 लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर उतरी थी और जैसे ही वह रनवे को पार करने वाली थी, तभी बास्केटबॉल टीम को ले जा रहा निजी विमान भी टेकऑफ कर रहा था। स्थिति ऐसी बनी कि दोनों विमान बेहद करीब आ गए। हालात को देखते हुए एटीसी ने तुरंत की लाइम एयरलाइंस के विमान को तुरंत रुकने को कहा। इससे विमानों की टक्कर बच गई। जब निजी विमान ने उड़ान भर ली, उसके बाद दूसरे विमान को रनवे पर जाने की इजाजत दी गई।

क्या पाकिस्तान में सरकार-विपक्ष के बीच सब ठीक हो जाएगा? दो जनवरी को होगी इमरान खान की पार्टी से बातचीत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार और इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के बीच महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इसका उद्देश्य राजनीतिक मतभेदों को सुलझाना है। यह बैठक गुरुवार को संसद भवन में सुबह 11 बजे होने वाली है, जिसे नेशनल असेंबली स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने बुलाया है। वह दोनों पक्षों के बीच बातचीत करवाना चाह रहे हैं, जिससे मतभेद सुलझाए जा सकें।

इससे पहले हो चुकी है बैठक : यह बैठक 23 दिसंबर को शुरू हुई बातचीत पर आधारित होगी और इसका उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता की दिशा में एक कदम बढ़ाना है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पीटीआई पार्टी दो प्रमुख मांगें प्रस्तुत करने की योजना बना रही है, जो आगामी सत्र के दौरान लिखित रूप सरकार के सामने रखेगी।

इन दो मांगों पर अड़ी पीटीआई : इन मांगों में पिछले साल की नौ मई को हुई हिंसक घटनाओं और 26 नवंबर को इस्लामाबाद में पीटीआई कार्यकर्ताओं पर की गई कार्रवाई की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग का गठन करना तथा 72 वर्षीय इमरान खान समेत सभी राजनीतिक बंदियों की रिहाई करना शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रीय असेंबली स्पीकर और पीटीआई नेता असद कैसर ने इन मांगों को दोहराते हुए कहा कि पार्टी आयोग के गठन और खान की रिहाई की अपनी मांगों पर अडिग है। 23 दिसंबर को हुई पहली बैठक को सकारात्मक देखा गया, जिसमें दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने पर

सहमति जताई थी। इस बैठक में पीटीआई का प्रतिनिधित्व कैसर, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के अध्यक्ष साहिबजादा हामिद रजा और मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) के नेता अल्लामा राजा नसर अब्बास ने किया था। एसआईसी और एमडब्ल्यूएम दोनों ही खान के प्रमुख सहयोगी हैं।

सरकार की तरफ से ये लोग कर रहे नेतृत्व : सरकारी पक्ष का नेतृत्व करने वाली नौ सदस्यीय समिति में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह, सेनटर इरफान सिद्दीकी, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के राजा परवेज अशरफ और नवीद कमर, इत्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) के नेता अलीम खान, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्वैद (पीएमएल-क्यू) के नेता चौधरी सलीक हुसैन, बलूचिस्तान अवामी पार्टी के सरदार खालिद माग्सी और मुताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान के नेता डॉ. खालिद मकबूल सिद्धिकी शामिल हैं। अयाज सादिक ने दोनों सरकार और विपक्ष के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि दोनों पक्षों ने एक सकारात्मक माहौल बनाया है और उन्हें उम्मीद है कि इस प्रयास से पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिरता बढ़ेगी तथा देश की चुनौतियों का समाधान होगा।

नौ जनवरी को होगा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार, अमेरिका में शोक दिवस का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 100 साल की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार नौ जनवरी को वॉशिंगटन डीसी में होगा। राष्ट्रपति जो बाइडन ने नौ जनवरी को राष्ट्रीय शोक दिवस का एलान किया है। उन्होंने कहा है कि नौ जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति कार्टर के सम्मान में संघीय कार्यालय बंद रहेंगे। वहीं अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी नौ जनवरी को न्यायालय बंद रखने के लिए कहा है।

जिमी कार्टर का रविवार देर रात 100 साल की उम्र में निधन हो गया। जिमी कार्टर अमेरिकी इतिहास के सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले राष्ट्रपति थे। राष्ट्रपति जो बाइडन ने जिमी कार्टर के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि आज अमेरिका और दुनिया ने एक असाधारण नेता, राजनेता और मानवतावादी खो दिया है। पूर्व राष्ट्रपति कार्टर को श्रद्धांजलि देने के लिए समारोह चार जनवरी से शुरू होंगे। इस दौरान उनके पार्थिव शरीर को दर्शन के लिए जॉर्जिया स्थित आवास और जॉर्जिया राज्य कैपिटल में रखा जाएगा। इसके बाद सात जनवरी

तक पूर्व राष्ट्रपति के पार्थिव शरीर को अटलांटा स्थित कार्टर प्रेसिडेंशियल सेंटर में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। यहां से पार्थिव शरीर को अमेरिकी नौसेना स्मारक और अंतिम यात्रा के साथ वॉशिंगटन डीसी ले जाया जाएगा। सात जनवरी को अमेरिकी सांसद दिवंगत राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि देंगे। नौ जनवरी तक पूर्व राष्ट्रपति का पार्थिव शरीर वॉशिंगटन डीसी में रहेगा। यहां सुबह 10 बजे राष्ट्रीय कैथेड्रल में उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा। सोमवार को अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने पूर्व राष्ट्रपति कार्टर के बेटे जेम्स कार्टर तृतीय और कार्टर सेंटर को पत्र लिखकर कहा था कि दिवंगत राष्ट्रपति का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार वॉशिंगटन डीसी में किया जाए। बाइडन-ट्रंप ने दी श्रद्धांजलि राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को एक बयान में कार्टर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने बयान में कार्टर को प्रिय मित्र और असाधारण नेता के रूप में याद किया। वहीं, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकियों पर पूर्व राष्ट्रपति की कृतज्ञता का ऋण है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया। पीएम नरेंद्र मोदी ने उनको महान दूरदर्शी राजनेता बताया। पीएम ने कहा कि उन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए अथक प्रयास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन से बहुत दुख हुआ। वह एक महान दूरदर्शी राजनेता थे। उन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए अथक प्रयास किया। भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने में उनका योगदान एक स्थायी विरासत छोड़ गया है। उनके परिवार, दोस्तों और अमेरिका के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

पाकिस्तान 2025 में सुरक्षा परिषद में होगा शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के कई सदस्य बुधवार (1 जनवरी, 2025) से बदलने जा रहे हैं। इसमें कुछ गैर-स्थायी सदस्यों की एंट्री हो रही है, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। उसे अब आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने के मामले में एक तरह की वीटो शक्ति प्राप्त हो जाएगी जिन्हें वह पनाह देता आया है। जून में अस्थायी सदस्य के रूप में चुने जाने के बाद, पाकिस्तान सुरक्षा परिषद में एशिया-प्रशांत देशों के लिए दो सीटों में से एक पर जापान की जगह लेगा और दो साल तक यह सीट पर रहेगा। इस्लामाबाद को अब 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड साजिद मीर जैसे अपने आतंकवादियों की सुरक्षा के लिए इस्लामिक स्टेट और अलकायदा प्रतिबंध समिति में बीजिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जो इन दोनों संगठनों से जुड़े व्यक्तियों और समूहों को आतंकवादी घोषित करती है और उन पर प्रतिबंध लगाती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में केवल स्थायी सदस्यों के पास निर्णयों पर वीटो की शक्ति होती है, लेकिन गैर-स्थायी सदस्यों के पास भी आतंकवाद के लिए प्रतिबंध समितियों में एक प्रकार की वीटो शक्ति होती है क्योंकि वे स्वीकृत मानदंडों के तहत आम सर्वसम्मति से कार्य करती हैं। सर्वसम्मति प्रक्रिया द्वारा दिए गए वर्चुअल वीटो की निंदा की जाती रही है, इस्लामिक स्टेट-अल-कायदा प्रतिबंध पैनल के पूर्व प्रमुख न्यूजीलैंड ने इसे समिति की प्रभावशीलता में सबसे बड़ा अवरोधक बताया है। भारत ने प्रतिबंध समितियों की कार्यप्रणाली को भूमिगत करार दिया है, जो कानूनी आधार के बिना अस्पष्ट प्रथाओं पर आधारित है। साथ ही पारदर्शिता की मांग की है ताकि निर्णयों के औचित्य और उन्हें कैसे लिया जाता है, यह स्पष्ट हो सके। पाकिस्तान को अब सुरक्षा परिषद में कश्मीर पर अपनी अभियान को और जोरदार तरीके से उठाने का मंच मिल जाएगा, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे वह चर्चा के विषय की परवाह किए बिना नियमित रूप से उठाता है, तथा भारत पर तीखे हमले करता है। हालांकि, यह एक निरंतर प्रचार स्टंट ही रहेगा क्योंकि पाकिस्तान एक ऐसी आवाज रहा है जो सुनसान में गूंजती है। इस्लामाबाद कश्मीर को फिलिस्तीन समस्या से जोड़ने की कोशिश करता रहा है लेकिन किसी अन्य देश को अपने साथ नहीं जोड़ सका। जुलाई में जब पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा, तो वह अपनी पसंद के विषयों पर कम से कम दो सिग्नेचर इवेंट्स आयोजित कर सकता है, जिनमें उच्च-स्तरीय भागीदारी होगी, जिसमें उसके अपने और आमंत्रित सदस्य दोनों शामिल होंगे। भले ही यह सीधे तौर पर इसे भारत विरोधी शो न बनाए, लेकिन यह किसी ऐसे विषय को उठा सकता है जिसका इस्तेमाल वह भारत और कश्मीर पर दुष्प्रचार के लिए कर सकता है। जापान के हटने के साथ, ध्रुवीकृत परिषद में संतुलन में एक सूक्ष्म बदलाव आ गया है, जहां चीन, रूस और पाकिस्तान का त्रिकोण कई मुद्दों पर उभर कर सामने आएगा। अन्य एशियाई सदस्य दक्षिण कोरिया है, जो जापान की तरह पश्चिम समर्थक है।

सांसद रानिल जयवर्धने को मिलेगा नाइटहुड सम्मान, ब्रिटिश नववर्ष सम्मान सूची में 30 से ज्यादा भारतवंशी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में नए साल के मौके पर ब्रिटिश सम्राट किंग चार्ल्स तृतीय देश और समाज के उत्थान के काम करने वाले गुमनाम नायकों को प्रतिष्ठित सम्मान देंगे। नववर्ष सम्मान सूची में 30 से अधिक भारतवंशी शख्सियतों के नाम शामिल हैं। इस साल किंग चार्ल्स तृतीय श्रीलंका और भारतीय मूल के कंजर्वेटिव सांसद रानिल मैल्कम जयवर्धने को राजनीतिक और सार्वजनिक सेवा के लिए प्रतिष्ठित नाइटहुड सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही इंग्लैंड फुटबॉल टीम के मैनेजर गैरेथ साउथगेट को भी खेल सेवाओं के लिए नाइटहुड सम्मान से नवाजा जाएगा।

सम्मान के लिए जारी की गई सूची में 1200 से अधिक शख्सियतों के नाम हैं। इसमें खेल, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और स्वैच्छिक सेवा देने वाले शामिल हैं। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने कहा कि हर दिन साधारण लोग देश और समाज के लिए असाधारण काम करते हैं। ऐसे लोगों का नाम नए साल की सम्मान सूची में शामिल किया गया। उनका योगदान अविश्वसनीय है।

सूची में इन भारतीयों के नाम : सम्मान के लिए जारी की गई सूची के मुताबिक कमांडर्स ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (सीबीई) के लिए शिक्षा क्षेत्र में सेवा देने वाली सतवंत कौर देओल, खुदरा और उपभोक्ता क्षेत्र में सेवाओं के लिए लीना नायर, प्रौद्योगिकी पेशेवर ब्रिटिश कंप्यूटिंग सोसायटी के अध्यक्ष मयंक प्रकाश को चुना गया है। ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (ओबीई) के लिए कानून क्षेत्र में सेवाओं के लिए चार्ल्स प्रीतम सिंह धनोवा, स्वास्थ्य सेवा, विज्ञान और नवाचार एवं

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सेवा के लिए सर्जन प्रोफेसर स्नेह खेमका, हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर संजय आर्य; ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एक्सेटर कॉलेज में प्रारंभिक आधुनिक साहित्य और संस्कृति की प्रोफेसर और ट्यूटोरियल फेलो नंदिनी दास, आइसलैंड फूड्स के सीईओ तरसेम सिंह धालीवाल, जैस्मीन डोटीवाला का नाम शामिल किया गया। इसके अलावा ओबीई में महिला अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और व्यापार संघ यूके की अध्यक्ष मोनिका कोहली, क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) से सौम्या मजूमदार, घोटाले से प्रभावित उप-डाकपालों के पक्ष में अभियान के लिए सीमा मिश्रा, परोपकारी मनदीप कौर संघेरा, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के पेशेवर सवराज सिंह सिद्धू, और फैशन उद्योग की पेशेवर स्मृति श्रीराम को शामिल किया गया। ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर के सदस्यों (एमबीई) और ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर के पदक विजेताओं (बीईएम) की 2025 की सूची में प्रधानमंत्री की डायरी प्रबंधक ऊष्मा मनहर पटेल, मानसिक स्वास्थ्य अभियानकर्ता ज्ञान सिंह पावर और व्यापार विभाग से श्रव्या राव, तकनीकी विशेषज्ञ दलिम कुमार बसु, नर्सिंग प्रमुख मारिमौट्टू कुमारसामी, रुमेटोलॉजिस्ट प्रोफेसर भास्कर दासगुप्ता और बाल रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर अजय जयकिशोर वोरा, सामुदायिक कार्यकर्ता संजीब भट्टाचार्जी और जगरूप बिनिग, डाक कर्मचारी हेमंद्र हिंडोचा और चैरिटी कार्यकर्ता जसविंदर कुमार, संगीतकार बलबीर सिंह खानपुर भुजंगी के नाम शामिल हैं। भुजंगी को इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में भांगड़ा और पंजाबी संस्कृति के लिए सेवाओं के लिए सम्मानित किया जा रहा है। इसके साथ ही कम्पेनियन ऑफ ऑनर सम्मान से लेखक काजुओ इशिगुरो को और अंग्रेजी अभिनेता, लेखक को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए स्टीफन फ्राई को नाइटहुड सम्मान दिया जाएगा।

खादी महोत्सव में 25000 लोगों ने किया भ्रमण, दो करोड़ से ज्यादा की हुई बिक्री

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 के 13 वे दिन 1 जनवरी 2025 होने के कारण नव वर्ष को लेकर भारी उत्साह है। महोत्सव में लोगों द्वारा नव वर्ष का जश्न मनाया जा रहा है। सुबह से ही खीली एवं गुनगुनी धूप में लोगों को आगमन शुरू हो गया था। महोत्सव में लगभग 20000 टिकट बिके एवं लगभग 25000 लोगों ने भ्रमण किया। महोत्सव परिसर में झारखंड पर्यटन विभाग की तरफ से लगाए गए स्टाल में झारखंड के सभी पर्यटन स्थलों की जानकारी विस्तृत रूप से दी जा रही है। मेला परिसर में स्केचिंग का जीवन प्रदर्शन किया जा रहा है। कालीन जोन में लोगों द्वारा कालीन बहुत पसंद किया जा रहा है ईरानियन कारपेट करीब ढाई लाख का बिक्री किया जा रहा है कालीन में बहुत बारीक काम किया गया है। बारीकी का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि कालीन की 2 इंच की बुनाई दो दिन में पूरी होती है जो सिल्क के धागों से बना है। इस कालीन पर पूरे गांव का नक्शा बना हुआ है। आज महोत्सव में आने वाले आगंतुक एवं बच्चे स्वयं चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाना उत्साह के साथ सीख रहे हैं साबरमती आश्रम के जीवंत प्रदर्शनी में बच्चों की भीड़ अधिक रहती है,तथा गांधी जी से संबंधित चित्र प्रदर्शनी से बहुत ही जानकारी प्राप्त की जा सकती है। महोत्सव में राजकीय शोक समाप्त होने के पश्चात दिनांक 2.1.2025 से बच्चों के खेलकूद प्रतियोगिता एवं प्रतिदिन महोत्सव में आने वाले आगंतुकों के मनोरंजन के लिए कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी दिनांक 2.1 .2025 को कला एवं संस्कृति विभाग के द्वारा महोत्सव में श्री विश्व देव महतो एवं दल पूर्वी सिम जमशेदपुर द्वारा नटुवा नृत्य , तथा श्रीमती जैनब जुबिन एवं दल द्वारा हिंदी गायन की प्रस्तुति की जाएगी' बच्चों के लिए 5 से 9 आयु वर्ग तथा 10 से 14 आयु वर्ग के लिए पॉपिंग बैलून एवं सोलो डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिन बच्चों को प्रतियोगिता में भाग लेना है महोत्सव परिसर में आकर में प्रातः 11:00 बजे तक अपना रजिस्ट्रेशन कर लेंगे। महोत्सव परिसर में चलंत एटीएम की व्यवस्था की गई है। आज महोत्सव में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों के साथ-साथ अन्य सामग्रियों की बिक्री लगभग दो करोड़ की रही है।

नव वर्ष पर राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव में दिखा उत्साह

रांची : राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 के 13वें दिन, नव वर्ष के पहले दिन मोरहाबादी मैदान में जनसैलाब उमड़ पड़ा। मेला जीवंत और उत्साहपूर्ण वातावरण से भर गया, जहां लाखों लोग ग्रामीण महिलाओं के द्वारा प्रदर्शित कौशल को देखने पहुंचे। खास आकर्षण का केंद्र रही महिलाओं द्वारा रेशम के कीड़े से धागा निकालकर रेशम साड़ियां बनाने की प्रक्रिया। दर्शकों ने उनके कौशल की सराहना की और प्रेरित की। नव वर्ष के अवसर पर, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के तहत काम करने वाली की सशक्त महिलाओं के प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया कि कठिन से कठिन कार्य भी समर्पण और मेहनत से संभव है। मेले में शामिल लोगों ने ग्रामीण महिलाओं के इस कार्य को देखकर उनकी तारीफ की और उनके उत्पादों को बड़े पैमाने पर खरीदा। सरस मेला न केवल एक व्यापारिक मंच है, बल्कि महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणादायक कहानी भी कहता है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने मुलाकात कर उन्हें नववर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री ने भी उन्हें अपनी ओर से नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को नववर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए झारखंड निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष डी०के० तिवारी।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राज भवन में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। राज्यपाल ने भी उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राज भवन में राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल महोदय ने भी तिवारी को नव वर्ष की मंगलकामनाएं प्रेषित की।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राज भवन में राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने भेंट की और नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। महोदय ने भी पुलिस महानिदेशक को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

टी के सेनगुप्ता के निधन पर ईसीआरकेयू में शोक की लहर

धनबाद : धनबाद रेल मंडल के यूनियन का भूतपूर्व नेता टी के सेनगुप्ता का निधन का समाचार सुनते ही धनबाद रेल मंडल में ईसीआरकेयू मैं शोक की लहर दौड़ पड़ी यूनियन के मीडिया प्रभारी ने बताया कि,टी के सेनगुप्ता धनबाद मंडल के गोमो शाखा के एक दशक से ज्यादा समय तक शाखा सचिव पद में थे और बाद मे उन्होंने केंद्रीय पदाधिकारी भी रहे उस समय धनबाद रेल मंडल पूर्व रेलवे में आता था इसलिए उस समय यूनियन को पूर्व रेलवे मेंस यूनियन नाम से जाना जाता है जो अभी ईस्ट सेंटर रेलवे कर्मचारी यूनियन,ईसीआरकेयू नाम से जाना जाता है टी के सेनगुप्ता अपना शाखा सचिव और केंद्रीय पदाधिकारी पद पर रहते हुए बहुत सारा रेल मजदूर हित में काम किये साथा ही साथ एक कर्मठ योग और ईमानदार देता थे वह कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और बी सिंह हॉस्पिटल सियालदह में भर्ती थे, अपने मरने से पहले वह भरपूर परिवार एक लड़का एक लड़की और पत्नी को छोड़ गये। ईसीआरकेयू केंद्रीय अध्यक्ष डीके डी के पांडेय,मोहम्मद जियाउद्दीन,ओपी शर्मा,नेताजी सुभाष,सोमेन दत्ता एन के खवास के अलावे धनबाद मंडल के सभी शाखा अध्यक्ष और शाखा सचिवों पीके सिन्हा,ए के भगत,बीके झा पीके मिश्रा,जे के साव,बी के दुबे,आर के सिंह,एन के खवास,वी के डी द्विवेदी,उमेश कुमार सिंह,एस एन वर्मा, सी पी पाण्डेय,अनील कुमार सिंह,सुनील कुमार सिंह,एस के सांगा,आर एन चौधरी,अजीत कुमार,पी के गांगुली,महेन्द्र प्रसाद महतो,ए के तिवारी,चंदन शुक्ल,आई एम सिंह,बृज किशोर साव,अभय कुमार,बी बी सिंह ने गहरा दुख जाताये, और भगवान से प्रार्थना किये की उनके आत्मा को शांति दे।

नव वर्ष के पहले दिन 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी। नववर्ष के पहले दिन बुधवार को सुबह से लेकर शाम तक बाबा विश्वनाथ के दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा रहा। शाम छह बजे तक पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अनुसार दरबार में शाम 06 बजे तक 5 लाख 9 हजार 770 श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन कर लिया था। न्यास के आंकड़ों के अनुसार सुबह 06 बजे तक एक लाख 10 हजार 824, आठ बजे तक एक लाख 65 हजार 946, पूर्वाह्न 10 बजे तक 2 लाख 35 हजार 450, दोपहर 12 बजे तक दो लाख 80 हजार 971, अपराह्न दो बजे तक तीन लाख 59 हजार 832 और शाम चार बजे चार लाख 21 हजार 489 श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई।

उधर, गंगाघाट से बाबा दरबार तक आस्था एकाकार नजर आ रहा है। नगर के अन्य प्रमुख शिवालयों ओंकारेश्वर महादेव, महामृत्युजंय, शूलटंकेश्वर महादेव, तिलभाण्डेश्वर महादेव, गौरी केदारेश्वर , त्रिलोचन महादेव, रामेश्वर महादेव, कर्मदेश्वर महादेव, सारंगनाथ, गौतमेश्वर महादेव, जागेश्वर महादेव सहित सभी छोटे बड़े शिवालयों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. एस चनप्पा भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। सिगरा स्थित कमांड सेंटर ह्यत्रिनेत्र भवनह्न से सीसीटीवी कैमरे से निगरानी होती रही। नववर्ष पर मैदागिन से गोदौलिया, सोनारपुरा चौराहे तक, गुरुबाग से रामापुरा, बेनियाबाग तिराहे तक, ब्राडवे तिराहा से सोनारपुरा होकर गोदौलिया तक, भेलूपुर से रामापुरा चौराहे तक जाम से लोग जूझते दिखे।

190 ट्रेनों के समय में बदलाव, 15 का जंक्शन पर पांच मिनट ठहराव

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे ने बुधवार (1 जनवरी 2025) से अपनी नई समय सारिणी लागू कर दी है, जिसके तहत उत्तर मध्य रेलवे की 190 पैसेंजर और 18 एक्सप्रेस ट्रेनों के नंबर और समय में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इस नई समय सारिणी के अनुसार कुछ ट्रेनों का समय 5 मिनट से लेकर 90 मिनट तक बढ़ाया या घटाया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों के नंबर में भी परिवर्तन किया गया है। इसके अलावा, कोरोना काल के दौरान स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलने वाली ट्रेनों को अब नियमित समय सारिणी के तहत चलाया जा रहा है। नई समय सारिणी में जिन प्रमुख ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है, उनमें प्रमुख ट्रेनें शामिल हैं जैसे कि बनारस-आगरा कैंट वंदे भारत, पुणे-दरभंगा, पुणे-गोरखपुर, नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी, और बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट ट्रेन। इसके अलावा, संगम क्षेत्र से चलने वाली चार पैसेंजर ट्रेनों के नंबर भी बदल गए हैं। अब यात्री इन ट्रेनों के नए नंबर और समय के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बना सकते हैं।

भारतीय रेलवे ने आज से नई समय सारिणी लागू की है, जिसके तहत 190 पैसेंजर और 18 एक्सप्रेस ट्रेनों के समय और नंबर में बदलाव किया गया है। ट्रेनों के समय में 5 से लेकर 90 मिनट तक का परिवर्तन किया गया है, साथ ही कुछ ट्रेनों का मार्ग और समय भी बढ़ाया गया है। इसके अलावा, 8 नई ट्रेनें भी इस समय सारिणी में जोड़ी गई हैं। यात्रियों को अपने यात्रा के समय में बदलावों का ध्यान रखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

ट्रेन समय में बदलाव के मुख्य कारण

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह समय परिवर्तन ट्रेनों के संचालन को और बेहतर बनाने और यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इसके अलावा, ट्रेनों के आवागमन के समय में बदलाव से ट्रेनों की लेट होने की स्थिति में भी सुधार होगा। नई समय सारिणी के तहत कुछ ट्रेनों के नंबर में भी बदलाव किया गया है, ताकि उन ट्रेनों की पहचान और आसान हो सके।

प्रमुख ट्रेनों के समय में बदलाव

नई समय सारिणी के अनुसार कई प्रमुख ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है, जिनमें से कुछ ट्रेनें पंक्ति के अनुसार पहले से ज्यादा समय लेंगी, जबकि कुछ ट्रेनों की देरी में कमी आएगी। उदाहरण के तौर पर:

1. बनारस-आगरा कैंट वंदे भारत: अब यह ट्रेन शाम 4:50 बजे के बजाय 4:45 बजे प्रयागराज पहुंचेगी और 4:50 बजे रवाना होगी।
2. पुणे-दरभंगा एक्सप्रेस और पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस: इन दोनों ट्रेनों का समय शाम 4:35 की बजाय 4:40 बजे किया गया है।
3. नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी: इसका समय रात 11:45 की बजाय 11:43 हो गया है।
4. बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट: इस ट्रेन का समय अब 12:25 बजे होगा, जबकि पहले यह 11:50 बजे रवाना होती थी।
5. पटना राजधानी: इसका समय रात 12:05 की बजाय 12:03 किया गया है।

कुछ ट्रेनों के मार्ग और समय में विस्तार

नई समय सारिणी के तहत कुछ प्रमुख ट्रेनों के मार्ग और समय में भी विस्तार किया गया है:

1. कामायनी एक्सप्रेस अब बलिया तक जाएगी।
2. बीकानेर सुपरफास्ट को लालगढ़ स्टेशन तक विस्तार मिला है।
3. जम्मू मेल को सूबेदारगंज तक बढ़ाया गया है।
4. गोरखपुर वंदे भारत को प्रयागराज जंक्शन तक बढ़ाया गया है।
5. बनारस-नई दिल्ली एक्सप्रेस को अब बलिया तक बढ़ाया जाएगा।
6. मालदा टाउन-दिल्ली एक्सप्रेस को भटिंडा तक विस्तार दिया गया है।

अमृत भारत ट्रेनों का ठहराव प्रयागराज जंक्शन पर

उत्तर मध्य रेलवे ने इस बार समय सारिणी में आठ नई ट्रेनों को भी जोड़ा है। इनमें मऊ-लोकमान्य तिलक साप्ताहिक ट्रेन, वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत, कन्याकुमारी-बनारस साप्ताहिक ट्रेन, दरभंगा-आनंद विहार अमृत भारत ट्रेन, आनंद विहार-आयोध्या वंदे भारत, पुरी आनंद विहार एक्सप्रेस, आगरा कैंट-बनारस वंदे भारत, और दिल्ली-गोड्डा साप्ताहिक ट्रेन शामिल हैं। इन ट्रेनों का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर और तेज यात्रा सुविधा देना है। हालांकि, अयोध्या वंदे भारत और दरभंगा अमृत भारत ट्रेनों का ठहराव प्रयागराज जंक्शन पर नहीं होगा, ये ट्रेनें अब कानपुर सेंट्रल पर रुकेंगी।

संगम क्षेत्र की पैसेंजर ट्रेनों के नंबर में बदलाव

प्रयागराज संगम क्षेत्र से चलने वाली पैसेंजर ट्रेनों के नंबर में भी बदलाव किया गया है। नए नंबर के अनुसार:

1. प्रयागराज संगम-कानपुर अनवरगंज ट्रेन का नया नंबर अब 54101-54102 होगा।
2. प्रयागराज संगम-जौनपुर का नया नंबर 54213-54214 कर दिया गया है।
3. प्रयागराज संगम-लखनऊ का नया नंबर 54253-54254 होगा।
4. प्रयागराज संगम-जौनपुर ट्रेन का नंबर अब 54375-54376 होगा।

इन परिवर्तनों का उद्देश्य यात्री सेवाओं को और बेहतर बनाना है, ताकि लोग सही समय पर अपनी यात्रा की योजना बना सकें और यात्रा में किसी भी प्रकार की असुविधा से बच सकें।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com